RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 33 ■ अंक 320 ■ मुंबई, बुधवार 11 जून 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

शिमला समझौता : सवालों के घेरे में पाकिस्तान की मंशा

पेज-4

अब किसी विदेशी आक्रांता का महिमा मंडन नहीं होगा

पेज-6

108 सोने के घड़ों से स्नान करेंगे भगवान जगन्नाथ

पेज-8

सलमान खान और शाहरुख खान के फैंस के लिए बुरी खबर

पेज-10

'पूरा कश्मीर एक होगा'

कश्मीर में विकास का पहिया नहीं रोक पाया पाकिस्तान

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- पाकिस्तान के लाख चाहने के बावजूद वह कश्मीर में विकास का पहिया नहीं रोक पाया। हम वहां रेल परियोजनाओं को साकार होते देख रहे हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री ने ऐसी एक परियोजना का लोकार्पण किया। जैसे ही यह सपना साकार हुआ है, वैसे ही यह दिन भी दूर नहीं कि जब पूरा कश्मीर एक होगा और आप लोग अपनी आंखों से देखेंगे, मुझे पक्का विश्वास है। अब यह कैसे होगा, इस पर मैं कुछ विचार व्यक्त नहीं करूंगा।

1947 में कश्मीर में बनी खाई पर विकास का पुल बनेगा- राजनाथ

जो खाई कश्मीर में 1947 के बंटवारे ने बनाई थी, उस पर विकास का पुल बनेगा। पीओके हमारे साथ होगा और कहेगा कि मैं भी तो भारत हूं। आज के दौर में जब भी कोई युद्ध या झड़प होती है, तब युद्ध सिर्फ सैनिक नहीं लड़ते, सिर्फ गोलियों-तोपों से लड़ाई नहीं होती। इंफॉर्मेशन वॉरफेयर भी होता है। हमने पाकिस्तान के कई फर्जी वीडियो देखे। इससे कुछ लोग दिग्भ्रमित भी हुए।

“ जो खाई कश्मीर में 1947 के बटवारे ने बनाई थी उस पर विकास का पुल बनेगा। पीओके हमारे साथ होगा और कहेगा कि मैं भी तो भारत हूं। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नही हुआ है, यह स्थगित है।

–रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

हमने उनका धर्म पूछकर नहीं, उनका कर्म देखकर मारा..',

पहलगाम में आतंकियों ने जिस तरह धर्म पूछकर लोगों को निशाना बनाया, उसने देश को झकझोर दिया। उन्होंने धर्म पूछकर मारा, लेकिन हमने उनका धर्म पूछकर नहीं, उनका कर्म देखकर मारा। यह देश की सामाजिक एकता पर हुआ हमला था। धर्म पूछकर मारने के पीछे उनका उद्देश्य था भारत की सांस्कृतिक एकता को नुकसान पहुंचाना। हमने उनके आतंकी ढांचे को तबाह कर दिया। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के मुख्यालयों पर पहली बार किसी ने हमला किया है, तो वह भारत है। यह आतंकियों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है।

भारतीय से बदसलूकी पर अमेरिका बोला-

अवैध एंट्री बर्दाश्त नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका के न्यूजर्सी में भारतीय छात्र को जमीन पर पटकने, हथकड़ी लगाने और डिपोर्ट करने के मुद्दे पर भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने मंगलवार को बयान दिया। दूतावास ने कहा कि अमेरिका में अवैध एंट्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अमेरिकी दूतावास ने X पर लिखा- अमेरिका अपने देश में वैध यात्रियों का स्वागत करता है। हम अवैध एंट्री, वीजा का दुरूपयोग या अमेरिकी कानून के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

भारतीय ने शेयर किया था VIDEO, लिखा- अपराधी जैसा व्यवहार

इससे पहले भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन कुणाल जैन ने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था। जैन ने X पर लिखा- मैंने न्यूयार्क एयरपोर्ट पर एक युवा भारतीय छात्र को हथकड़ी लगाकर, रोते हुए, अपराधी की तरह ट्रीट होते देखा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार शाम ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख दुनिया को बताकर देश वापस लौटे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। उनके साथ डिनर किया। डेलिगेशन के सदस्यों ने पीएम से अपनी यात्रा का अनुभव शेयर किया। 7 डेलिगेशन में शामिल 59 सदस्य 33 देशों की यात्रा पर गए थे। जिनमें 51 नेता और 8 राजदूत शामिल थे। डेलिगेशन का नेतृत्व 7 सांसदों ने किया था।

'एक देश, एक चुनाव' का प्लान तैयार

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सरकार 2034 तक पूरे देश में एकसाथ चुनाव कराने की योजना बना रही है। ऐसा One Nation, One Election बिल के पास होने के बाद संभव हो पाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2029 के बाद जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनका कार्यकाल छोटा होगा। यह जानकारी संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (JPC) के प्रमुख पीपी चौधरी से बातचीत में सामने आई है। उन्होंने मीडिया को यह भी बताया कि हम यह नहीं कह सकते कि देश में पहला वन नेशन, वन इलेक्शन उसी दौरान होगा, लेकिन बिल कहता है कि संसद का पहला सत्र अगर अप्वाइंटमेंट की तारीख के साथ होता है तो यह 2034 में पड़ेगा।

2029 में पड़ेगी पहली सीटिंग

चौधरी के मुताबिक वन नेशन, वन इलेक्शन को 2034 से पहले लागू नहीं किया जा सकता, क्योंकि उसकी संरचना ही ऐसी है। बिल में प्रस्ताव है कि संविधान में नया आर्टिकल 82ए जोड़ा जाएगा। उसके लिए राष्ट्रपति एक अप्वाइंटमेंट डेट की घोषणा करेंगी। क्योंकि 18वीं लोकसभा की पहली सीटिंग 2024 में हो चुकी है तो अगली 2029 में पड़ेगी। उसके बाद ही अप्वाइंटमेंट डेट तय होगी।

चौधरी ने कहा कि यूपी में 2032 में विधानसभा चुनाव होंगे, इसलिए उसका कार्यकाल 2034 के लोकसभा चुनाव के साथ स्टेट इलेक्शन कराने के लिए दो साल का ही रहेगा। संविधान (129वां संशोधन) बिल 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल, 2024 में लोकसभा और राज्य के चुनाव साथ में कराने का प्रावधान है।

...तो पाक में घुस कर मारेगा भारत

महानगर नेटवर्क

ब्रसेल्स

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत द्वारा पाकिस्तान को पहुंचाई गई चोट उसको हमेशा याद आती रहेगी। पाकिस्तान चाहते हुए भी ये दर्द कभी भुला नहीं सकता है। इस बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर से पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आतंकवादी हमलों से उकसाया गया तो भारत पाकिस्तान में अंदर तक हमला करेगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पहलगाम हमले जैसी बर्बर हरकतों की स्थिति में आतंकवादी संगठनों और उनके नेताओं के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जाएगी। अपनी यूरोप की यात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हजारों आतंकवादियों को खुले में प्रशिक्षित कर रहा है और उन्हें भारत पर छोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसलिए हमारा उन्हें संदेश है कि यदि आप अप्रैल में किए गए बर्बर कृत्यों को जारी रखते हैं, तो आपको बदला लेना होगा और यह बदला आतंकवादी संगठनों और आतंकवादी नेतृत्व के खिलाफ होगा। जयशंकर ने कहा कि हमें इसकी परवाह नहीं है कि वे कहां हैं। यदि वे पाकिस्तान में काफी अंदर हैं, तो हम पाकिस्तान में काफी अंदर तक जाएंगे।

Short News एक नजर

नदी में नहाने गए 11 युवक डूबे, आठ की मौत

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले में एक बड़ा हादसा हो गया है। यहां जयपुर से घूमने आए 11 युवक नदी में डूब गए। इनमें से 8 युवकों की मौत हो गई है और बाकी तीन लापता हैं। इस हादसे की जानकारी मिलने के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घटना से पूरे इलाके में शोक है। प्रशासन ने नदी के आसपास रहने वाले लोगों से सावधानी बरतने और बिना किसी जरूरी काम के नदी में ना उतरने की अपील की है।

पाकिस्तान का कर्ज बढ़कर 76 हजार अरब रुपए पहुंचा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इकोनॉमिक सर्वे 2024-25 जारी किया गया। इसे वित्तमंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने पेश किया। सर्वे के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीनों में पाकिस्तान पर कर्ज बढ़कर 76000 अरब पाकिस्तानी रुपए हो गया।

इसमें से 51500 अरब रुपए लोकल बैंकों से और 24500 अरब रुपए देश के बाहर दूसरे देशों या बैंकों से लिया गया है। वित्तमंत्री ने कहा कि पिछले दो सालों से देश की अर्थव्यवस्था में सुधार आया है। मौजूदा वित्त वर्ष में इसमें स्थिरता और मजबूती आई है। नकदी के संकट से जूझ रहे देश की अर्थव्यवस्था इस साल 2.7% की दर से बढ़ने की संभावना है।

महाराष्ट्र में महंगी होगी शराब

महानगर संवाददाता

मुंबई

राज्य आबकारी विभाग ने राजस्व वृद्धि बढ़ाने के लिए देशी-विदेशी शराब की बिक्री पर टैक्स बढ़ाने का फैसला लिया है। सरकार के इस फैसले से शराब प्रेमियों की जेब ढीली होगी और उन्हें पीने के लिए अधिक पैसे खर्च करने होंगे। शराब पर टैक्स बढ़ाने से खजाने में 14,000 करोड़ रुपए जमा होने का अनुमान है। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में शराब पर टैक्स बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

शराब पर टैक्स बढ़ाने और एमआरपी फार्मूले में बदलाव की वजह से अब 180 मिलीलीटर के देशी शराब का क्वार्टर 80 रुपए, महाराष्ट्र निर्मित शराब (एमएमएल) का क्वार्टर 148 रुपए, भारत में निर्मित विदेशी शराब का क्वार्टर 205 रुपए तथा विदेशी शराब के प्रीमियम ब्रांड के क्वार्टर की कीमत 360 रुपए हो जाएगी। कैबिनेट बैठक में मंजूर प्रस्ताव के अनुसार भारत निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) के 260 रुपए प्रति बल्क लीटर तक के उत्पादन मूल्य वाली घोषित शराब पर उत्पादन शुल्क की दर उत्पादन मूल्य से 3 गुना से बढ़ाकर 4.5 गुना कर दी गई है। देशी शराब पर आबकारी शुल्क की दर 180 रुपए प्रति प्रूफ लीटर से बढ़ाकर 205 रुपए प्रति प्रूफ लीटर की जाएगी। सरकार ने अनाज आधारित विदेशी शराब के नए प्रकार महाराष्ट्र मेड लिकर (एमएमएल) के निर्माण को मंजूरी दी है। केवल महाराष्ट्र के शराब उत्पादक ही इसका उत्पादन कर सकेंगे। उन्हें इस नए प्रकार के उत्पाद (ब्रांड) को नए सिरे से पंजीकरण कराना होगा। अब राज्य में विभिन्न सीलबंद विदेशी मदिरा विक्रय लाइसेंस (एफएल-2) तथा लाइसेंसधारी होटल, रेस्टोरेंट (एफएल-3) का करार लीज के आधार पर किया जा सकेगा। इसके लिए वार्षिक लाइसेंस फीस का क्रमशः 15 प्रतिशत तथा 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा।

पति राजा की हत्या के बाद प्रेमी राज के घर रुकी थी सोनम!

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

राजा रघुवंशी हत्याकांड में अब तक का सबसे बड़ा खुलासा हुआ है। सोनम रघुवंशी पति की हत्या के बाद 25 मई को शिलॉन्ग से सिलीगुड़ी के रास्ते ट्रेन से इंदौर पहुंची थी। इंदौर में वह अपने प्रेमी राज कुशवाहा से मिली थी और उसके किराए के कमरे में रुकी थी। उसे एक ड्राइवर ने वाराणसी में ड्रॉप किया था, जहां से वह गाजीपुर पहुंची थी। वहीं, इंदौर में क्राइम ब्रांच और मेघालय पुलिस की एक टीम मामले के आरोपी विशाल को लेकर उसके घर पहुंची। यहां सर्चिंग के दौरान वारदात के समय पहने गए कपड़े जब्त किए गए। क्राइम ब्रांच के एसीपी पूनम चंद्र यादव ने बताया कि राजा रघुवंशी पर पहला वार विशाल ने ही किया था। एसपी ने बताया कि राजा की हत्या के बाद सोनम की आरोपियों के साथ होम स्टे के पास मुलाकात भी हुई थी, जोकि घटना स्थल से करीब 10 किलोमीटर दूर था। मेघालय पुलिस से सोनम के इस दावे का भी खंडन हो गया है जिसमें उसने कहा था कि उसका अपहरण कर लिया गया था और आरोपी गाजीपुर में उसे छोड़कर फरार हो गए। सोनम ने गाजीपुर पुलिस के साथ पूछताछ में यह भी कहा कि आरोपियों ने गहनों की लूट के लिए राजा की हत्या की थी।

हथियार 'कुल्हाड़ी' ऑनलाइन मंगाया, हत्या के बाद सोनम ने फोन तोड़े

- मेघालय पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों ने जिस हथियार 'डाव' (छोटी कुल्हाड़ी) से राजा को मारा, वो गुवाहाटी में ऑनलाइन मंगाया था। आरोपी शिलॉन्ग में सोनम-राजा के होम स्टे से एक किमी दूर होटल में ठहरे थे। इनके नंबर सोनम के पास थे। सोनम जहां जाती, लोकेशन इन्हें भेज देती।
- 23 मई को सोनम फोटो शूट के बहाने पहाड़ी कोरसा इलाके में राजा को ले गई। रास्ते में ही तीनों आरोपी राजा से मिले। हिंदी में बात की और साथ चल दिए। सोनम थकने के बहाने पीछे चलने लगी। थोड़ी देर बाद सुनसान जगह देखकर सोनम ने चिल्लाकर कहा- मार दो इसे।
- हत्या के बाद सोनम ने फोन तोड़े। आरोपी भी अपने-अपने घर ट्रेन से रवाना हुए। सोनम अकेली वाराणसी गई। यहां बस स्टैंड पर दो लोग उसे छोड़ने गए।

3 दिन की मिली है ट्रांजिट रिमांड

सोमवार रात सोनम को यूपी के गाजीपुर की कोर्ट में पेश किया गया था। जहां रात 9 बजे से 12 बजे तक पेशी हुई। कोर्ट ने उसे 3 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर सौंपा है। सोनम को BR 01 PR 6242 नंबर की गाड़ी से पटना लाया गया। इस दौरान सोनम शांत दिखी। उसने खाना मांगा था। पटना लाने के दौरान मेघालय पुलिस का काफिला बक्सर जिले के आदर्श नगर थाने में कुछ देर के लिए रुका था।

कभी सोचा नहीं था... पवार का छलका दर्द

महानगर संवाददाता

मुंबई

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने बड़ा बयान दिया। मंगलवार (10 जून) को उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि पार्टी में विभाजन होगा। उन्होंने ये बात पार्टी के 26वें स्थापना दिवस पर आयोजित पुणे के एक कार्यक्रम में कही। एनसीपी का 2023 में विभाजन हो गया था। उन्होंने चुनौतियों के बावजूद पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना की।

'कुछ लोग दूसरी विचारधाराओं के साथ हो लिए'

शरद पवार ने कहा, 'पार्टी को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन आप बिना हतोत्साहित हुए पार्टी को आगे ले जाते रहे। पार्टी में विभाजन हुआ। हमने कभी नहीं सोचा था कि पार्टी बंट जाएगी लेकिन ऐसा हुआ।'' उन्होंने कहा, ''कुछ लोग दूसरी विचारधाराओं के साथ हो लिए और यह विभाजन बढ़ गया। मैं आज इसके बारे में बात नहीं करना चाहता लेकिन जो लोग पार्टी के प्रति वफादार रहे, वे हमारी पार्टी की विचारधारा के कारण रहे।' उन्होंने कहा कि आने वाले चुनावों में एक अलग तस्वीर सामने आएगी। शरद पवार ने कहा कि दो से तीन महीने में नगर निगम चुनाव होने वाले हैं, इसलिए पार्टी नेतृत्व हर जिले में एनसीपी (एसपी) के प्रतिनिधियों से बात करेगा और तय करेगा कि चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ा जाए या गठबंधन में। पार्टी नए नेतृत्व में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

'एकजुट रहेंगे तो सत्ता अपने आप आएगी'

''इस पर ध्यान मत दीजिए कि कौन छोड़कर गया है या कौन शामिल हुआ है। अगर हम एकजुट रहेंगे और आम लोगों के प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे तो हमें किसी भी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। पार्टी के कई कार्यकर्ता जनसेवा के लिए समर्पित हैं और वे ही पार्टी की असली ताकत हैं। सत्ता की चिंता मत करो। अगर हम एकजुट रहेंगे तो सत्ता अपने आप आएगी। मैं राज्य में इस संभावना को देख सकता हूं.''

शेष पेज दो पर...

मुख्यमंत्री फडणवीस ने मोदी सरकार के 11 साल की उपलब्धियां गिनाई

मोदी के नेतृत्व में देश बढ़ रहा है विकसित भारत की तरफ

महानगर संवाददाता
मुंबई

देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद विश्व स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। पिछले 11 साल केंद्र की मोदी सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत देश के गरीब,महिला,युवक,दलित,वंचित और समाज के सभी स्तर की जनता के जीवन को बदलने का काम मोदी सरकार ने किया है। मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए की सरकार को 11 साल पुरे होने पर मंगलवार को आयोजित पत्रकार परिषद को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सम्बोधित कर रहे थे। फडणवीस

ने कहा कि मैं मोदी सरकार और व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई और धन्यवाद देता हूं, इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, भाजपा मुंबई अध्यक्ष और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री आशीष शेलार, भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, सांसद डॉ. भागवत कराड, विधायक अतुल भातखलकर, विधायक, संजय कुटे,सीमा हीरे, प्रदेश महामंत्री,विक्रांत पाटिल, माधवी नाईक उपस्थित थी। मोदी सरकार के कार्यकाल में जनकल्याणकारी योजनाओं को गिनाते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि देश में विभिन्न विकास योजनाओं के कारण महाराष्ट्र के विकास को गति मिली है राज्य में ढाई लाख करोड़ रुपए की रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं। देश की पिछली यूपीए की सरकार को निशाने पर लेते हुए फडणवीस ने कहा कि यूपीए सरकार के दौरान दस साल में राज्य को रेलवे के लिए जितनी धनराशि पूरे सरकार में मिली थी, उससे अधिक धनराशि मोदी सरकार ने सिर्फ एक साल में दी है। मोदी सरकार के सहयोग से राज्य में छह लाख करोड़ रुपये के बुनियादी ढांचे के काम चल रहे हैं। मोदी सरकार ने एक ही साल में राज्य में गरीब लाभार्थियों के लिए 30 लाख घरों को मंजूरी देने का रिकॉर्ड बनाया।

'सबको घर' मोदी सरकार का संकल्प

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लाभार्थियों की सभी सूचियां पूरी हो चुकी हैं और केंद्र ने नई सूची तैयार करने का सुझाव दिया है। 'सबको घर' मोदी सरकार का संकल्प है। मोदी ने गरीबों के कल्याण के उद्देश्य से देश में विभिन्न योजनाओं को लागू किया। कोविड के समय से अब तक देश में 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया गया है,12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं, मुद्रा योजना और स्टैंडअप इंडिया के तहत अनुसूचित जाति और जनजाति के लाभार्थियों को 14 हजार 700 करोड़ का ऋण उपलब्ध कराया गया है, जिससे आत्मनिर्भरता को बल मिला है। मोदी सरकार के दौरान 55 करोड़ जनधन खाते खोले गए, 51 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ मिला, आयुष्मान भारत योजना के तहत 77 करोड़ खाते पंजीकृत किए गए हैं और इसके माध्यम से करोड़ों गरीबों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। फडणवीस ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा अब तक सीधे खातों में दिए गए लाभों का कुल मूल्य 42 लाख करोड़ है, पिछले 11 साल में लाखों घरों में 100 प्रतिशत बिजली पहुंचाई गई है और आम लोगों के घर बिजली से रोशन हुए हैं, मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का चेहरा समावेशी है 60 प्रतिशत मंत्री अनुसूचित जाति और जनजाति से हैं।

15 जून के बाद शुरू होगा कर्नाक ब्रिज

विक्रोली ब्रिज दो दिन में हो जाएगा शुरू

महानगर संवाददाता
मुंबई

मस्जिद बंदर रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित और पी डी मेलो रोड को जोड़ने वाले कर्नाक रेलवे ब्रिज का निर्माण पहले से निर्धारित समय यानी 10 जून को पूरा कर लिया गया है। अब ट्रैफिक नियम के अनुसार लेन मार्किंग, स्ट्रीट लाइट, पेंटिंग, साइन बोर्ड लगाने का काम चल रहा है। इसे अगले चार दिनों में पूरा किया जाएगा। यह जानकारी मनपा अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर ने दी। उन्होंने बताया कि कर्नाक ब्रिज आवागमन के लिए खुलने को तैयार है। हालांकि बांगर ने यह कहा की 15 जून के बाद ब्रिज वाहनों के आवागमन के लिए कभी भी खोला जा सकता है, इस ब्रिज की जांच आईआईटी मुंबई की टीम कर रही है उसके बाद ब्रिज ट्रैफिक विभाग से मंजूरी लेकर खोल दिया जाएगा। इस बीच विक्रोली ब्रिज को शुरू करने की ट्रैफिक विभाग से अनुमति मिल चुकी है,बांगर ने कहा दो दिन में विक्रोली ब्रिज को वाहनों के आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा। बांगर ने 10 जून को कर्नाक ब्रिज के निर्माण, सिविल कार्यों और सहायक कार्यों का निरीक्षण किया। दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मस्जिद बंदर और मोहम्मद अली मार्ग क्षेत्रों में यातायात के लिए कर्नाक ब्रिज महत्वपूर्ण है। मध्य रेल प्रशासन ने घोषणा की थी कि 125 साल पुराना कर्नाक ब्रिज खतरनाक हो गया है।

ब्रिज की खासियत

इस पुल की कुल लंबाई 328 मीटर इसमें रेलवे सीमा के भीतर 70 मीटर है। बीएमसी सीमा के भीतर अप्रोच रोड की कुल लंबाई 230 मीटर है। इसमें पूर्व की ओर 130 मीटर और पश्चिम की ओर 100 मीटर है। रेलवे पर पुल के निर्माण के लिए 70 मीटर लंबे,26.50 मीटर चौड़े और 10.8 मीटर ऊंचे 550 मीट्रिक टन वजन के दो गर्डर आरसीसी खंभों पर स्थापित किए गए हैं। इस परियोजना के तहत 19 अक्टूबर 2024 को दक्षिण की ओर 550 मीट्रिक टन वजनी लोहे का गर्डर को रेलवे क्षेत्र में और 26 एवं 30 जनवरी 2025 को उत्तर की ओर गर्डर को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। 550 मीट्रिक टन वजनी गर्डर की असेंबली जमीन से 8 से 9 मीटर की ऊंचाई पर पूरी की गई, इसे रेलवे सेक्शन पर 58 मीटर तक खिसकाया गया। साथ ही इसे लगभग 2 मीटर की ऊंचाई से नीचे उतारा गया इसे आरसीसी पर रखा गया। पूर्व और पश्चिम तरफ आरसीसी डेक स्लैब का काम भी पूरा हो गया है। ट्रैक पर कंक्रीट, मास्टिक आदि सभी काम पूरे हो गए हैं। रेलवे क्षेत्र में एंटी क्रैश बैरियर लगाए गए हैं।

शिवसेना-यूबीटी ने मनपा चुनाव का फूंका बिगुल

महानगर संवाददाता
मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) ने मनपा चुनाव के लिए प्रचार शुरू कर दिया है। मुंबई में एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्य ठाकरे ने भाजपा और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर आक्रामक हमला किया,उन्होंने शिंदे को 'भ्रष्टनाथ' कहा और ऐलान किया कि यह लड़ाई मुंबई को सुरक्षित रखने के लिए है।

शिवसेना UBT की मुलुंड में रैली के बाद, 1 अगस्त को आदित्य ठाकरे के नेतृत्व में मुंबई में एक भव्य रैली का आयोजन किया जाएगा। आगामी मुंबई महानगर पालिका चुनावों के बीच,ठाकरे गुट जून से 1 अगस्त तक मुंबई के विभिन्न हिस्सों में आंदोलन करेंगे।

मुंबई की पहचान की लड़ाई आज से हुई शुरू

आदित्य ठाकरे के नेतृत्व में मुलुंड के कालिदास हॉल में रैली के बाद,मुंबई के पदाधिकारियों को मुंबई महानगर पालिका के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का आदेश दिया गया है। ठाकरे गुट की लड़ाई,अब मुंबई के माध्यम दुराचार को बाहर निकालने का अभियान, मुंबई की पहचान की लड़ाई आज से शुरू हुई। 10 से 13 जून तक मुंबई अडानी के खिलाफ वार्ड अधिकारी को एक बयान सौंपेगा।

14 जून को मुंबई के हर घर को मुंबई सर्कुलर वितरण की लड़ाई के बारे में बताया जाएगा।

ट्रेन हादसा: दो यात्री अभी भी मौत से लड़ रहे...

महानगर संवाददाता
ठाणे

छत्रपती शिवाजी महाराज रुग्णालय, कलवा में भर्ती हादसे के कुल नौ पीड़ितों में से दो की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए ठाणे के ज्यूपिटर अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है,जहां वे वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं और उनकी स्थिति अत्यंत नाजुक बताई जा रही है। इनमें एक मरीज को न्यूरोलॉजी व न्यूरोसर्जन की पूर्ण सुविधा की आवश्यकता होने के कारण परिजनों की सहमति से जे.जे. अस्पताल, मुंबई में शिफ्ट किया गया है। इस बीच, सोमवार शाम को एक और घायल जितेंद्र म्हात्रे को कलवा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, वह सुबह पहले दिवा के एक निजी अस्पताल में गया था, लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे

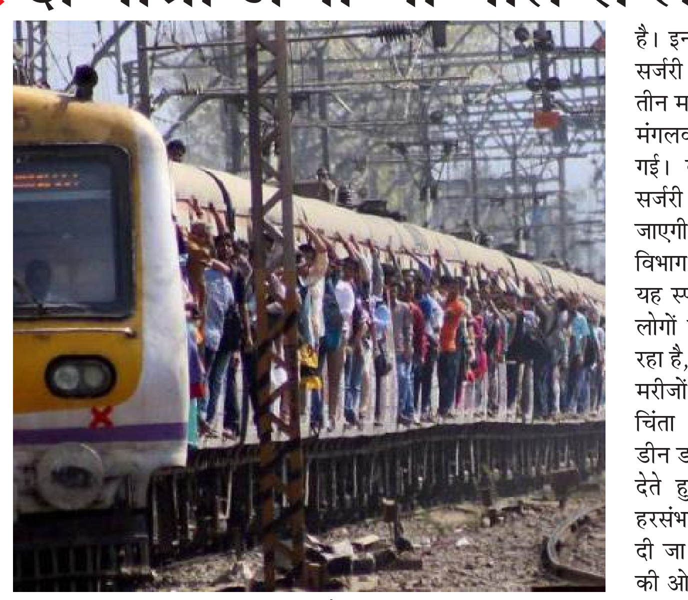

कलवा शासकीय अस्पताल लाया गया।

बता दें कि वर्तमान में छत्रपती शिवाजी महाराज अस्पताल कलवा में कुल सात मरीजों का इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि सभी की हालत स्थिर है और उन्हें अस्पताल के आईसीयू में रखा गया है। इन सात में से दो मरीजों को सर्जरी की जरूरत नहीं है, जबकि तीन मरीजों की हड्डी से जुड़ी सर्जरी मंगलवार को सफलतापूर्वक की गई। वहीं दो अन्य मरीजों की सर्जरी अगले कुछ दिनों में की जाएगी। ठाणे मनपा के जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई इस जानकारी से यह स्पष्ट है कि हादसे के शिकार लोगों को समय पर उपचार मिल रहा है, लेकिन गंभीर रूप से घायल मरीजों की हालत ने परिजनों की चिंता बढ़ा दी है। अस्पताल के डीन डॉ. राकेश बारोट ने जानकारी देते हुए बताया कि घायलों को हरसंभव चिकित्सकीय सहायता दी जा रही है। अस्पताल प्रशासन की ओर से यह भी बताया गया कि हर मरीज की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकतानुसार तुरंत उपचार किया जा रहा है।

मनसे के एकमेव नगरसेवक संजय तुरडे ने भी छोड़ा साथ

मुंबई। एक ओर उद्धव शिवसेना और मनसे के बीच गठबंधन को लेकर चर्चा चल रही है। इस बीच भी पार्टी नेताओं का पार्टी छोड़ने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। मनसे के एकमेव पूर्व नगरसेवक संजय तुरडे ने मनसे पार्टी को राम-राम ठोककर एकनाथ शिंदे की शिवसेना का दामन थाम लिया। तुरडे के इस निणर्य से मनसे को मुंबई में बड़ा झटका लगा है। कलिना विधानसभा क्षेत्र से एकमात्र पूर्व मनसे नगरसेवक संजय तुरडे ने कहा मैंने निराशा में पार्टी छोड़ने का निणर्य लिया। मनसे का कामकाज

अब जमीन पर नहीं रह गया है। सिर्फ टीवी में दिखाई देता है और हवाहवाई जैसा काम हो रहा है, जिससे पार्टी छोड़ने का निणर्य लिया। तुरडे अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ सोमवार की रात ठाणे जाकर शिवसेना में शामिल हुए। इस दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मंत्री उदय सामंत उपस्थित थे।

संजय तुराडे कौन हैं?

कलिना विधानसभा क्षेत्र के पूर्व नगरसेवक संजय तुराडे मनसे के प्रति वफादार नगरसेवक थे साल 2017 में मनसे के 7 नगरसेवक चुनकर आये थे,जिसमे से 6 नगरसेवक उद्धव की शिवसेना का उसी समय दामन थाम लिया था। उस दौरान बड़े प्रयत्न होने के बावजूद उन्होंने मनसे का साथ नहीं छोड़ा था,जिसके चलते उन पर हमला भी हुआ था और पैर में चोट आई थी अस्पताल तक में भर्ती होना पड़ा था। उन्होंने 2019 का विधानसभा चुनाव भी लड़ा था।

Reels के चक्कर में जोखिम में डाली जान, हालत गंभीर

मुंबई। सोशल मीडिया के जमाने में हर कोई रातों-रात फेमस होना चाहता है। मशहूर होने के लिए हद की कोई कितनी सीमा पार कर सकता है, ये कहना बेहद ही मुश्किल है. कभी-कभी मशहूर होने का ये शौक जानलेवा भी साबित हो जाता है। महाराष्ट्र के अहमदनगर में कुछ ऐसा ही हुआ जब एक शख्स ने फांसी लगाते हुए 'रील' बनाने की कोशिश की लेकिन वो उस वक्त बेहद मुश्किल में पड़ गया जब वो सच में फांसी पर लटक गया। सामाजिक कार्यकर्ता की मदद से किसी तरह से युवक को अस्पताल पहुंचाया गया और उसकी जान बच गई, लेकिन उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक ये घटना नेपाल निवासी प्रकाश बुडा के साथ हुई,जो अभी अहमदनगर के जामखेड में एक होटल में काम करता है। सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने की चाहत में कई युवक-युवतियां अपनी जान की परवाह किए बिना खतरनाक स्टंट करते नजर आते हैं। जामखेड के होटल में काम करने वाला प्रकाश ने फांसी लगाने का नाटक करते हुए खुद का वीडियो बनाना शुरू किया था। हालांकि,रस्सी उसके गले में फंस गई और वह बेहोश हो गया। इस बीच इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया।

व्यापारी से 11 लाख रुपए की नकदी लूटी

24 घंटे के अंदर आरोपी गिरफ्तार

महानगर संवाददाता
मुंबई

देवनार बूचड़खाने में एक व्यापारी का 11 लाख रुपए से भरा बैग एक रिक्शा चालक ने चुरा लिया। इस संबंध में देवनार थाने में मामला दर्ज होते ही पुलिस ने जांच की और 24 घंटे के भीतर आरोपी को पुणे से गिरफ्तार कर लिया। बकरीद के मौके पर देवनार बूचड़खाने में बड़ी संख्या में बकरे बेचे जाते हैं। विभिन्न राज्यों से किसान और बकरा विक्रेता यहां बिक्री के लिए बकरे लाते हैं। राजस्थान से आए एक व्यापारी ने बकरों की बिक्री से एकत्र 11 लाख रुपए एक बैग में रखे थे। लेकिन, अज्ञात चोर ने बैग चुरा लिया। जैसे ही यह मामला संज्ञान में आया, व्यापारी ने तुरंत देवनार थाने में

इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए आरोपी की पहचान कर पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी पुणे के पिंपरी का रहने वाला है। जांच के बाद पुलिस ने अल्ताफ कुरैशी (25) को गिरफ्तार कर लिया। अल्ताफ कुर्ला का रहने वाला है और रिक्शा चलाता है। पुलिस ने उसके पास से चोरी किए गए पैसे बरामद कर लिए हैं।

WRASA ने की हाई-एल्टीट्यूड ट्रेकिंग अभियान की शुरुआत

मुंबई। वेस्टर्न रेलवे एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन (WRASA) ने 7 से 30 जून तक निर्धारित पतंगिनी धार (16683 फीट) के सुंदर और चुनौतीपूर्ण मार्ग से होते हुए ऑडेंन कोल (18012 फीट) तक एक हाई एल्टीट्यूड वाले ट्रैकिंग अभियान की शुरुआत की है। इस वर्ष का अभियान दल को गढ़वाल हिमालय से ले जाते हुए गंगोत्री से शुरुआत करेगा और केदारनाथ के पवित्र गंतव्य पर समापन से पहले तीन ऊंचे पर्वतीय

पास को पार करेगा। छह सदस्यों वाले इस अभियान दल को 6 जून को मुंबई सेंट्रल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह ने झंडी दिखाकर रवाना किया, जो स्वयं एक उत्साही ट्रैकर हैं,जिन्होंने कई अभियानों में भाग लिया है और प्रतिष्ठित मानसरोवर यात्रा के लिए संपर्क अधिकारी के रूप में भी काम किया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे हमेशा अपने कर्मचारियों को फिटनेस, रोमांच और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह चुनौतीपूर्ण अभियान उस भावना का एक शानदार उदाहरण है,जो इसके कर्मचारियों के समर्पण और बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। यह अभियान दल पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के अनुभवी और नए सदस्यों का मिश्रण है। ये लोग अपने दैनिक कर्तव्यों के माध्यम से मुंबई की जीवन रेखा को चलाने के लिए समर्पित हैं, साथ ही साहसी खेलों में रूचि भी रखते हैं।

पुलिस की गिरफ्त में चोर

भायंदर। भायंदर (पश्चिम) स्थित भायंदर सेकेंडरी स्कूल के पीछे एक महिला से मंगलसूत्र छीनकर भाग ने की घटना घटीत हुई थी। इस घटना के बाद महिला ने भायंदर पुलिस स्टेशन में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार आरोपी ने शिकायतकर्ता महिला की आखों में ज्वलनशील स्प्रे डाल कर मंगलसुत्र छीन कर भाग गया था। इस घटना की शिकायत मिलने के बाद भायंदर पुलिस ने इस की जांच की एवं मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपी को नालासोपारा से गिरफ्तार किया हैं। गिरफ्तार आरोपी का नाम अनिल श्रीकृष्ण चौहान हैं,पुलिस ने गिरफ्तार युवक के पास से चोरी हुआ मंगलसुत्र भी बरामद कर लिया हैं। इसके अलावा आरोपी युवक के पास से घटना मे प्रयोग की गयी बजाज पल्सर मोटर साइकिल एवं पेपर स्प्रे भी बरामद किया है।

शरद पवार को झटका

सत्यजीत सिंह पाटणकर और वैभव पाटिल भाजपा में शामिल

मुंबई। आगामी मुंबई मनपा सहित स्थानीय निकाय चुनाव से पहले शरद पवार और उद्धव ठाकरे को एक के एक बड़ा झटका लग रहा है। मंगलवार को शरद पवार के बेहद करीबी रहे पूर्व मंत्री विक्रम सिंह पाटणकर के बेटे सत्यजीत सिंह पाटणकर और पूर्व विधायक सदाशिवराव पाटिल के बेटे पूर्व नगराध्यक्ष वैभव पाटिल अपने बड़ी संख्या में समर्थको के साथ भाजपा में शामिल हुए.इस दौरान भाजपा प्रदेश के कार्याध्यक्ष रविंद्र चव्हाण तथा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील ने सभी का पार्टी में स्वागत किया। प्रदेश कार्यालय में आयोजित पार्टी प्रवेश कार्यक्रम में सांसद उदयनराजे भोसले,लोक निर्माण मंत्री

शिवेंद्रराजे भोसले, सातारा जिला अध्यक्ष ए. अतुल भोसले, सांगली जिला अध्यक्ष सम्राट महाडिक, ए. सत्यजीत देशमुख, अण्णासाहेब पाटील आर्थिक विकास महामंडल के अध्यक्ष नरेंद्र पाटील, प्रदेश मुख्यालय प्रभारी रविंद्र अनासपुरे, प्रदेश मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बान आदि उपस्थित थे।

उप प्रबंधक 30 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (महावितरण) के वसई (पूर्व) कार्यालय में पदस्थ उप प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) कल्पेश जयवंत पाटिल को भ्रष्टाचार निरोधक विभाग (एसीबी) ने 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया। पाटिल पर एक बिजली बिल में कटौती करने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता की कंपनी के नाम पर वर्ष 2010 से बिजली मीटर बंद था और उस पर 2,06,920 की बकाया राशि दिख रही थी। इस बकाया को कम करने के लिए उप प्रबंधक पाटिल ने 35,000 की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने इसकी जानकारी एसीबी को दी, जिसके बाद जांच एजेंसी ने 9 जून को जाल बिछाया। सत्यापन के दौरान आरोपी ने बिल की राशि घटाकर 60,000 बताई और उसमें से 30,000 की रिश्वत अपने लिए मांगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नेहरू साइंस सेंटर और जेएसएस फाउंडेशन का विशेष आयोजन

महानगर संवाददाता
मुंबई

नेहरू साइंस सेंटर, मुंबई और सामाजिक संस्था जेएसएस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न चरणों में नेहरू साइंस सेंटर में कार्यक्रम आयोजित हुए। विज्ञान, एनर्जी तथा पर्यावरण के लिए आयोजित विशेष कार्यक्रम का विषय था "स्वच्छ और हरित पर्यावरण की सतत विकास में भूमिका"।

इस अवसर पर पद्मभूषण डॉ. जे. बी. जोशी (चांसलर आईसीटी मुंबई), टाटा मेमोरियल सेंटर के निदेशक डॉ. सुदीप गुप्ता, साइंट्यूनिस्ट डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, जेएसएस फाउंडेशन के चेयरमैन जे. पी. तिवारी, एवं नेहरू साइंस सेंटर के निदेशक उमेश कुमार रुस्तगी जेएसएस

फाउंडेशन के सचिव शैलेश तिवारी, पूर्व नेवी ऑफिसर राम मणि शुक्ल, अमृतेश श्रीवास्तव , प्रोफेसर अरुण सावंत की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में बोलते हुए सम्माननीय अतिथि टाटा मेमोरियल सेंटर के निदेशक डॉक्टर सुदीप गुप्ता ने पर्यावरण के कारण बढ़ती बीमारियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा की कैंसर की बिमारी प्रदूषण के कारण ग्रामीण इलाकों की बजाय शहरी क्षेत्रो में अधिक बढ़ रही है। आयोजन में लखनऊ से आये पूर्व उप निदेशक सीडीआरआई लखनऊ (सेन्ट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीटूट) और साइनटुनिस्ट डॉक्टर प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कार्टून के जरिये पर्यावरण पर होने वाले प्रभाव के बारे में व्याख्यान दिया और कार्टून के माध्यम से लोगो को वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य अतिथि पदम् भूषण, न्यूक्लियर साइंटिस्ट डॉक्टर जे बी जोशी ने एनर्जी और भविष्य की ग्रीन एनर्जी की भूमिका लोगो को समझाई और कार्बन फुट प्रिंट को कम करना क्यों जरुरी है, इसका महत्व बताया। नेहरू साइंस सेंटर के निदेशक उमेश रुस्तगी ने फन और साइंस को एक साथ जोड़ते हुए कहा कि नेहरू साइंस सेंट्रर में फन के साथ लर्न कैसे करे यह बताया जाता है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिष्ठा पुरस्कार समारोह 25 का आयोजन भी किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में डॉक्टर अरुण कुमार नायक डिपार्टमेंट ऑफ़ एटोमिक एनर्जी मुंबई (हेड एनसीपीडब्लू) , सिडको के चीफ विजिलेंस अफसर सुरेश मेंगडे, दैनिक भास्कर के स्थानीय संपादक विजय सिंह कौशिक, श्री सिद्धि विनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, इनकम टैक्स के प्रिंसिपल कमिश्नर रविशंकर श्रीवास्तव , डॉक्टर शर्मिला अग्रवाल डायरेक्टर जसलोक अस्पताल , मिस सोनल चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर एड्रोसोनिक, जिंदल स्टेनलेस के वीपी दीपक अग्रवाल और युवा वैज्ञानिक मास्टर विवान कारुलकर शामिल रहे। आयोजन में जेएसएस फाउंडेशन के चेयरमैन जे पी तिवारी ने सबका आभार व्यक्त किया।

पेज 1 का शेष

कभी सोचा नहीं था...

उन्होंने कहा, ''हमें इस बात पर काम करना होगा और विचार करना होगा कि युवाओं को कैसे अवसर दिया जाए तथा यह भी देखना होगा कि हम नगर निगम और स्थानीय निकाय चुनावों में महिलाओं को कैसे मैदान में उतार सकते हैं, क्योंकि उनके लिए 50 प्रतिशत आरक्षण निर्धारित है।'' पवार ने यह भी कहा कि एनसीपी (एसपी) राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की नयी पीढ़ी तैयार करने के लिए काम करेगी। पार्टी राज्य में नया नेतृत्व लाकर इतिहास रचेगी। शरद पवार द्वारा स्थापित एनसीपी जुलाई 2023 में उस समय विभाजित हो गई थी जब उनके भतीजे अजित पवार शिवसेना-बीजेपी के गठबंधन वाली सरकार में शामिल हो गए थे। पार्टी का नाम और उसका चुनाव चिह्न अजित पवार गुट को दिया गया जबकि पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री की अगुआई वाले गुट का नाम एनसीपी (शरदचंद्र पवार) रखा गया।

मनपा चुनाव का बिगुल बजा

नगर विकास विभाग ने मनपा को वार्ड रचना करने का दिया आदेश

प्रभाग रचना में दो महीने का समय लगेगा, इसके बाद चुनाव की घोषणा होगी

महानगर संवाददाता
मुंबई

पिछले तीन साल से मनपा चुनाव की राह देख रहे नेताओं के लिए मंगलवार का दिन खुश करने वाला साबित हुआ। मंगलवार को राज्य सरकार के नगर विकास विभाग ने वार्डो के परिसीमन करने का निर्देश दिया है। जिसके आधार पर चुनाव की तारिखों आदि का निर्णय होगा। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 6 मई को निर्देश दिया था कि वर्ष 2017 में हुए चुनाव के आरक्षण आधार पर चुनाव कराने का आदेश दिया था। राज्य के नगरविकास विभाग ने मुंबई के 227 वार्डों की प्रभाग रचना करने का निर्देश मनपा आयुक्त को दिया है। नगर विकास विभाग ने प्रारूप प्रभाग रचना तैयार कर चुनाव आयोग की मान्यता कराने का आदेश दिया है।

चुनाव प्रक्रिया की शुरूआत करेगी मनपा

प्रभाग प्रारूप की रचना तैयार करने के बाद उसकी मंजूरी राज्य चुनाव आयोग से लेकर प्रारूप प्रभाग रचना प्रसिद्ध करने और उस पर शिकायत सुझाव लेने का निर्देश दिया है। नगर विकास विभाग से आदेश मिलने के बाद अब मनपा प्रशासन को पूरी तैयारी कर प्रभाग प्रारूप तैयार करना और वार्डो के आरक्षण आदि को लेकर तारीख निश्चित करना होगा।राज्य के नगरविकास विभाग के आदेश पर मनपा प्रशासन जल्द अपना पूरा प्रोग्राम बनाकर चुनावी प्रकिया की शुरुआत करेगी। मनपा प्रशासन को प्रारूप प्रभाग रचना कर राज्य चुनाव आयोग से मंजूरी लेना, राज्य चुनाव आयोग से प्रारूप की मंजूरी मिलने के बाद प्रारूप को प्रसिद्ध करना लोगों से शिकायत सुझाव लेना, शिकायत सुझाव लेने के बाद राज्य चुनाव आयोग से उसकी मान्यता लेना अंतिम प्रभाग रचना की मान्यता चुनाव आयोग से लेना और अंतिम प्रभाग रचना मनपा को प्रसिद्ध करना होगा, जिसमें लगभग दो महीने का समय लगेगा। उसके बाद चुनाव की तारीख आदि की घोषणा होगी। नगर विकास विभाग से अधिसूचना निकालने के साथ ही मनपा का चुनावी बिगुल बज गया है ऐसा कहा जाने लगा है।

समुद्र के पानी को मीठा करने में 21 कंपनियों ने दिखाई रुचि

मुंबई। लोगों की प्यास बुझाने के लिए मनपा प्रशासन ने समुद्र के पानी को मीठा करने के लिए कदम उठाया है। पिछली बार विवाद होने के कारण निविदा प्रक्रिया रद्द करनी पड़ी थी। समुद्र के पानी को मीठा करने के लिए मनपा प्रशासन द्वारा पंद्रह दिन पूर्व निकाले गए टेंडर में 21 कंपनियों ने कार्य करने के लिए अपनी रूचि दिखाई है,जिसमे दो विदेशी कंपनी स्पेन और मध्य पूर्व से हैं। इस बार समुद्र एक पानी मीठा करने का खर्च भी बढ़कर लगभग 3000 करोड़ पहुचने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जबकि पिछली बार यह खर्च मात्र 1920 करोड़ होने वाला था। मुंबई की बढ़ती जनसंख्या के कारण पानी की मांग भी लगातार बढ़ रही है। मुंबई को जलापूर्ति के लिए जलाशयों की संख्या सीमित होने और बारिश कम होने से मुंबई में पानी की समस्या विकट हो जाती है। इसके लिए अलावा अन्य किसी परिस्थिति में जलाशयों को पहुंचने वाली क्षति के लिए मुंबई को जलापूर्ति के लिए दूसरे विकल्प तलाशने की आवश्यकता महसूस हुई थी।

मेट्रो–3 मोबिलिटी कार्ड का मुख्यमंत्री फड़णवीस ने किया अनावरण

यात्रियों की यात्रा सुलभ बनाने के लिए एमएमआरसी और एसबीआई ने शुरू किया कार्ड

महानगर संवाददाता

मुंबई। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) ने नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के सहयोग से मुंबई मेट्रो रूट 3 पर एनसीएमसी कार्ड लॉन्च किया है मंगलवार को कार्ड का अनावरण मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, मेट्रो एमएमआरसी की प्रबंध निदेशक अश्विनी भिड़े और निदेशक राजीव उपस्थित थे। इस नई सुविधा से अब यात्री एनसीएमसी कार्ड का उपयोग करके आरे जेवीएलआर और आचार्य अत्रे चौक के बीच आसानी से और संपर्क रहित यात्रा कर सकेंगे। इससे टिकट काउंटर पर कतारों से बचा जा सकेगा और यात्रा तेज और सुरक्षित हो सकेगी मेट्रो लाइन 3 पर अन्य मेट्रो लाइनों और चलो बस जैसे परिवहन ऑपरेटरों द्वारा प्रदान किए गए एनसीएमसी कार्ड का भी उपयोग किया जा सकता है। यह सेवा 11 जून को सुबह 11 बजे से यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी। नए कार्ड आरे जे वीएलआर और आचार्य अत्रे चौक के बीच किसी भी स्टेशन पर उपलब्ध है और इसे भाग लेने वाली एसबीआई शाखाओं से प्राप्त किया जा सकता है। कार्ड निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की प्रबंध निदेशक, अश्विनी भिडे ने कहा, "एनसीएमसी कार्ड बेस्ट बसों और विभिन्न मेट्रो लाइनों जैसी अन्य परिवहन सुविधाओं के एकीकरण और सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनपीसीआई और एसबीआई के सहयोग से, हम मुंबईकरों के लिए एक सहज और एकीकृत यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

28 RMC प्लांट पर कार्रवाई

13 को बंद करने का नोटिस

महानगर संवाददाता
वसई

मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर रेडीमिक्स सीमेंट (RMC) प्लांटों से बढ़ते प्रदूषण को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। राजस्व विभाग ने मालजीपाड़ा से ससुनवघर तक के क्षेत्र में 28 RMC प्लांटों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (MPCB) ने 13 प्लांटों को बंद करने का नोटिस जारी किया है। स्थानीय निवासियों से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई है। वसई-विरार क्षेत्र में, विशेषकर मालजीपाड़ा, सासुपाड़ा, ससुनवघर और वर्सोवा ब्रिज के आसपास, चालीस से अधिक RMC प्लांट संचालित हैं। आरोप है कि इनमें से अधिकांश प्लांट नियमों का उल्लंघन कर राजमार्ग के बेहद करीब स्थित हैं, जिससे प्रदूषण की समस्या गंभीर हो गई है।

प्रदूषण की समस्या और यातायात उल्लंघन

इन RMC प्लांटों के कारण राजमार्ग और आसपास के इलाकों में भारी मात्रा में धूल और वायु प्रदूषण फैल रहा है, जिससे नागरिक खासे परेशान हैं। रात के समय में प्लांटों के संचालन से हवा में घुलनशील कणों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि देखी जा रही है, जो दोपहिया वाहन चालकों के लिए विशेष रूप से परेशानी का सबब बन रही है। प्रदूषण का एक बड़ा कारण इन फैक्ट्रियों से निकलने वाली धूल के साथ-साथ खराब गुणवत्ता वाले निर्माण सामग्री का उपयोग भी बताया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, प्रतिदिन हजारों RMC वाहन सड़कों पर चलते हैं, जिससे धूल बढ़ती है और दुर्घटनाओं का खतरा भी रहता है।

जीटीबी नगर का पुनर्विकास करेंगे रुस्तम जी

रहिवासियों को मिलेगा 635 वर्ग फीट का घर

परिसर का पुनर्विकास करने का मिला टेंडर

महानगर संवाददाता
मुंबई

सायन कोलीवाड़ा स्थित जीटीबी नगर क्षेत्र की सिंधी शरणार्थियों की 25 जर्जर इमारतों के पुनर्विकास के लिए लंबे समय से अटकी हुई प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। रुस्तमजी समूह की कीस्टोन रिलेटर कंपनी ने इस परिसर का पुनर्विकास करने की निविदा प्रक्रिया में टेंडर लिया है। म्हाडा के मुंबई बोर्ड ने इस कंपनी को कार्य सौंपने हेतु राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद, कंपनी को आशय पत्र जारी किया जाएगा और पुनर्विकास की योजना को अमल में लाया जाएगा।

पुनर्विकास के बाद कीस्टोन रिलेटर द्वारा निवासियों को 635 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले नए मकान दिए जाएंगे, जबकि इस परियोजना के अंतर्गत मुंबई बोर्ड को नीलामी के लिए लगभग 500 अतिरिक्त फ्लैट भी उपलब्ध होंगे। बता दें कि जीटीबी नगर क्षेत्र की सिंधी शरणार्थियों की 25 जर्जर इमारत काफी जर्जर होने के कारण मुंबई महानगरपालिका ने उन्हें खतरनाक घोषित कर तुरंत खाली करा दिया था। सालो से पुनर्विकास की दिशा में कोई प्रगति नहीं होने के कारण वहां के निवासियों में चिंता बढ़ गई थी। निवासियों ने राज्य सरकार से हस्तक्षेप की मांग की, जिसके बाद सरकार ने म्हाडा के माध्यम से इस परियोजना को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। बोर्ड ने इस परियोजना का अध्ययन कर मोतीलाल नगर मॉडल के आधार पर एक निजी डेवलपर के जरिए पुनर्विकास कराने का रास्ता चुना। इसके लिए राज्य मंत्रिमंडल की मंजूरी से निविदा जारी की गई थी। हालांकि एक अन्य डेवलपर ने इस निविदा पर आपत्ति जताते हुए हाईकोर्ट का रुख किये थे जिससे प्रक्रिया रुकी रही। हाईकोर्ट ने म्हाडा के पक्ष में फैसला सुनाया, लेकिन आपत्ति दर्ज कराने वाले डेवलपर ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल 2025 में याचिका खारिज कर दी जिससे परियोजना की निविदा प्रक्रिया आगे बढ़ाने और पुनर्विकास शुरू करने का रास्ता साफ हो गया।

राकांपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम से नदारद रहे भुजबल

मुंबई। पुणे के बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मंगलवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) की 26वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और उनकी पार्टी के कई नेता मौजूद थे। इस कार्यक्रम में बोलते हुए अजीत पवार ने राजनीति समेत कई मुद्दों पर टिप्पणी की। साथ ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी यानी महायुति के साथ जाने का फैसला कब और क्यों किया? इस पर भी अजीत पवार ने टिप्पणी की। इस बीच, मंत्री छगन भुजबल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वर्षगांठ कार्यक्रम से नदारद दिखे। तो लोगों ने सवाल पूछना शुरू कर दिया की क्या मंत्री छगन भुजबल के अनुपस्थित रहने से वे फिर नाखुश हैं? कुछ दिन पहले ही छगन भुजबल को मंत्री बनाया गया था। हालांकि, विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में महायुति सरकार के दोबारा सत्ता में आने के बाद छगन भुजबल को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद भी छगन भुजबल पार्टी की वर्षगांठ कार्यक्रम में नजर नहीं आए। इस बीच, एनसीपी की वर्षगांठ कार्यक्रम में छगन भुजबल की अनुपस्थिति से फिर से तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो सकती हैं। अजित पवार ने न केवल छगन भुजबल बल्कि कार्यक्रम में मौजूद न रहने वाले अन्य नेताओं के बारे में भी बताया।

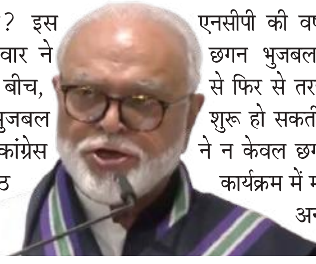

यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) **UCO BANK** (A Govt. of India Undertaking)

क्र.सं. 2190/2191, २री मंज़िल, संस्कृत विद्या मंदिर भवन, सहकारनगर नं. 1, लेन नं. 4, पुणे 411009.

लॉकरों के किराये के बकाया के लिए नोटिस

यूको बैंक ने संबंधित लॉकर किरायेदारों को सुरक्षित जमा वॉल्ट (लॉकर) किराए पर दिए थे, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में बताया गया है।

लॉकर किराएदार ने अभी तक किराया नहीं चुकाया है और उन पर किराया बकाया है। बैंक ने संबंधित लॉकर किराएदार को बकाया लॉकर किराया चुकाने के लिए कई नोटिस जारी किए हैं, लेकिन अभी तक किराया जमा नहीं किया गया है।

शाखा	लॉकर नं.	ग्राहक का नाम
संगमवाडी	एए0020	संतानी करुणा
संगमवाडी	एए0071	दीपक कुमार
संगमवाडी	बीए125	जिम्मी नाज़िर
संगमवाडी	सीसी 180	चुगानी शकुंतला
संगमवाडी	सीसी 183	मोहिते राजलक्ष्मी महादेव
पुणे सिटी	इए0852	परदेशी गणेश हीरामन
पुणे सिटी	बीए0718	फराटे ताराबाई बापू
पुणे सिटी	ईए0861	शिवाजी बाबूराव भोसले
पिंपरी मिड कारपोरेट	सीए169	अन्नपूर्णा विश्रांति गृह
पिंपरी मिड कारपोरेट	ईए288	चाबुकस्वर गौतम सुखदेव
पिंपरी मिड कारपोरेट	एसी013	श्रीखंडे आयुषी

लॉकर किराएदार को यह सूचना दी जाती है कि यदि ऊपर बताए गए लॉकर का किराया बैंक को 7 दिनों के भीतर नहीं मिलता है, तो लॉकर को संबंधित लॉकर किराएदार के जोखिम और लागत पर किराया विलेख की धाराओं के अनुसार तोड़ा जाएगा और बैंक लॉकर की सामग्री के एक हिस्से या पूरे हिस्से की सार्वजनिक या निजी बिक्री करके अपनी बकाया राशि वसूल करेगा। बैंक की बकाया राशि चुकाए जाने के बाद लॉकर की बची हुई कोई भी राशि और/या सामग्री संबंधित लॉकर किराएदार के पूरे जोखिम, जिम्मेदारी और लागत पर बैंक द्वारा रखी जाएगी। यदि ऐसी बिक्री से प्राप्त राशि बैंक की बकाया राशि वसूलने के लिए अपर्याप्त है, तो लॉकर किराएदार इस कमी के लिए उत्तरदायी होगा।

स्थान: पुणे
दिनांक: 10/06/2025

अंचल प्रबंधक
अंचल कार्यालय, पुणे

कैपिटल मार्केट से फंड जुटाने वाली पिंपरी–चिंचवड पहली मनपा

ग्रीन बॉन्ड की बीएसई पर लिस्टिंग

महानगर संवाददाता
मुंबई

पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका देश की पहली मनपा बन गई है, जिसने कैपिटल मार्केट से फंड जुटाने की पहल की है। मनपा ने ग्रीन बॉन्ड जारी किए है।

पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका (पीसीएमसी) के आयुक्त शेखर सिंह ने कहा कि पीसीएमसी के लिए यह बहुत बड़ा दिन है। आज महाराष्ट्र के पहले और देश के तीसरे या चौथे ग्रीन बॉन्ड की लिस्टिंग हुई है। उन्होंने आगे कहा कि पीसीएमसी का यह दूसरा बॉन्ड इश्यू है। इस ग्रीन बॉन्ड को निवेशकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है और यह 5.1 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, इसका कूपन रेट 7.85 प्रतिशत रहा है। शेखर सिंह ने बताया कि पीसीएमसी एक एए प्लस रेटेड कॉरपोरेशन है और हमारे बॉन्ड को एए प्लस रेटिंग मिली है। उन्होंने आगे कहा कि इस बॉन्ड के जरिए हमने हरित सेतु प्रोजेक्ट के लिए फंड जुटाया है। पीसीएमसी के ग्रीन बॉन्ड की लिस्टिंग को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ऐतिहासिक और इसे भारत के शहरी विकास और फाइनेंशियल इनोवेशन में एक निर्णायक क्षण बताया। महानगरपालिका की फंडिंग में इस लिस्टिंग को मील का पत्थर बताते हुए फडणवीस ने पीसीएमसी की तारीफ करते हुए कहा कि मुझे बताया गया कि जारी होने के कुछ ही समय बाद 100 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के बॉन्ड सब्सक्राइब हो गए थे और बाद में सब्सक्रिप्शन बढ़कर 5 गुना तक पहुंच गया था।

बॉम्बे हाईकोर्ट की कार्यवाही कहीं से भी देख सकेंगे लोग

लाइव स्ट्रीमिंग जल्द होगी शुरू

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को कहा कि न्यायिक कार्यवाहियों को ऑनलाइन उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और जल्द ही कम से कम पांच अदालतों की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग शुरू की जाएगी. मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति संदीप मार्ने की पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की जब याचिकाकर्ता एडवोकेट मैथ्यूज नेडुमपारा ने अपने वकील सुभाष झा के साथ अपनी याचिका का उल्लेख किया.

पीठ ने कहा, "काफी प्रगति हुई है. फुल कोर्ट ने कुछ अदालतों की कार्यवाही के लाइव स्ट्रीमिंग के लिए प्रस्ताव पारित कर दिया है. तकनीकी व्यवस्थाएं की जा रही हैं. चिंता न करें, पहले पांच कोर्ट की कार्यवाही लाइव होगी. इसके लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है. काश हमारे पास कोई जादू की छड़ी होती! इस पर वकील झा ने टिप्पणी की, लेकिन यह कोई रॉकेट साइंस तो नहीं है. दिल्ली में तो मजिस्ट्रेट कोर्ट तक ऑनलाइन हो गई हैं। नेडुमपारा ने भी कहा, मैं मुंबई में बैठकर केरल की अदालतों की कार्यवाही देख सकता हूं। इस पर न्यायमूर्ति ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा, "शायद आपको ही मुख्य न्यायाधीश बन जाना चाहिए था।

वर्गीकृत विज्ञापन

Situation Vacant

Required Female Teaching Staff for English Medium School Academic Year : 2025-26 Secondary Section: B.Sc. B.Ed. (Science & Maths), B.A.B.Ed, B.Com.B.Ed. (English & Social Studies). B.A.B.Ed (Hindi & Marathi) Junior College: (B.K. & S.P.) Walk In Interview On Thursday 12th June 2025 Between 11.00 am to 03:00 PM. SUNGRACE ENGLISH HIGH SCHOOL & JR. COLLEGE, 1, Milind Nagar, Himalaya Society Road, Near Asalfa Metro Station, Ghatkopar (W.), Mum-400084.

नोटिस विज्ञापनों में प्रकाशित दावों का इस अखबार से कोई लेना-देना नहीं है। पाठकों से निवेदन है कि विज्ञापन आजमाने से पहले कृपया अपने स्तर पर पुष्टि कर स्वयं को संतुष्ट कर लें।

– संपादक

जयंत पाटिल ने राकांपा (एसपी) महाराष्ट्र प्रमुख पद से हटने के दिये संकेत

महानगर संवाददाता
मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल ने महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की इच्छा व्यक्त की। राकांपा का 26वां स्थापना दिवस 10 जून को मनाया गया। पार्टी की स्थापना 10 जून 1999 को हुई थी। पार्टी प्रमुख शरद पवार के भरोसेमंद पाटिल लगभग सात वर्षों से राज्य इकाई की कमान संभाल रहे हैं। पुणे के बालगंधर्व रंग मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में श्री पटेल ने पार्टी में उभरते नेताओं को अवसर प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, "पवार साहब ने मुझे कई अवसर प्रदान किये हैं, जिसमें सात वर्षों तक राज्य अध्यक्ष रहना शामिल है। अब, नए चेहरों को मौका देने का समय है। अंततः, पार्टी पवार साहब की है और वह सही निर्णय लेंगे। हमारे सामने एक लंबी यात्रा है।" पाटिल की घोषणा के बावजूद पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनसे पद छोड़ने पर पुनर्विचार करने की अपील की। श्री पाटिल ने 2018 में अपनी नियुक्ति के बाद जून-जुलाई 2023 के अशांत विभाजन के दौरान पार्टी को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया, महत्वपूर्ण समर्थन बनाए रखा, जबकि कई सदस्यों ने वर्तमान एनसीपी अध्यक्ष और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। सूत्रों के अनुसार दो बार के विधायक रोहित पवार पार्टी में बड़ी भूमिका निभाने के इच्छुक हैं, जो नेतृत्व में संभावित पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है।

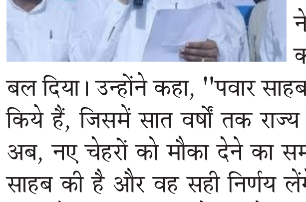

कैबिनेट बैठक में उठा 'बाप' वाले बयान का मुद्दा

नितेश राणे को बयानबाजी से बचने की सलाह

महानगर संवाददाता
मुंबई

राज्य के मत्स्य व बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे के धाराशिव में दिए गए बयान की वजह से सत्ताधारी भाजपा और शिवसेना शिंदे गुट के बीच तनातनी बढ़ गई है। सूत्रों के अनुसार मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह मुद्दा उठा। शिवसेना के एक मंत्री ने यह मुद्दा उठाया और सीधे मुख्यमंत्री से इस मामले की शिकायत की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने नितेश राणे को इस तरह की बयानबाजी से बचने की सलाह दी। धाराशिव में भाषण के दौरान शिवसेना शिंदे गुट का नाम न लेते हुए मंत्री नितेश राणे ने टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा के मुख्यमंत्री सबके बाप बनकर बैठे हैं। इस बयान से शिंदे गुट नाराज हो गया। कैबिनेट बैठक में शिवसेना के वरिष्ठ मंत्री ने यह मुद्दा उठाते हुए सवाल किया कि हमारे बाप तो बालासाहेब ठाकरे हैं, तुम्हारा कौन है? इस पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने नाराजगी प्रकट की। उन्होंने कहा कि मंत्री को इस तरह की बयानबाजी से बचना चाहिए।

बाद में प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि किसी को भी किसी का बाप बताना गलत है। मैंने संबंधित मंत्री नितेश राणे से बात की। उन्होंने खुद कहा कि उनकी बात का गलत मतलब निकाला गया। इस पर मैंने कहा कि तुम्हारे मन में कुछ भी अर्थ हो, राजनीति में लोगों ने इसका क्या मतलब निकाला, यह अधिक महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में किसी भी नेता को इस तरह के बयान देना ठीक नहीं है। यह बात नितेश राणे ने मंजूर की है।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given by 1) MR. RAVINDRA A SALIAN, 2. MR. RAGHUVEERA A SALIAN 3) MRS. GEETHA S RASAILY 4) MR. MANOJ A SALIAN - SONS AND Daughter of Late MR. ACHUTHANANDA SALIAN AND MRS. VARIJA A SALIAN Owner of Flat No. B/05 'ARPANA', Shree Mahalakshmi Co-op. Hsg. Society Ltd., Veera Desai Road, Andheri West, Mumbai – 400 058 having 5 shares bearing distinctive Nos. 01605 to 1610 (both Inclusive) and Share certificate No. 321 And Members Register No. 321 issued on 10th July 1965.

Any other person having any right, title, interest, claim or demand in respect of said flat whatsoever are hereby required to make the same known in writing along with documentary proof thereof to the undersigned within 10 days from the publication, to the HON. SECRETARY, SHREE MAHALAKSHMI CO-OP HOUSING SOCIETY LTD, Veera Desai Road, Andheri West, MUMBAI - 400 058.

Sd/-
Mr. Ravindra A Salian
Mr. Raghuveera A Salian
Mrs. Geetha S Rasaily
Mr. Manoj A Salian

Place: Mumbai
Dt: 11/06/2025

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क. वि) मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई-प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.: सोला/क.वि./नि/2024/11R1. कार्य का नाम:** सोलापुर डिवीजन में ट्रामवे ओएचई को पारंपरिक ओएचई में बदलने का प्रस्ताव। (पुनर्निविदा)। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु.1,66,89,928.60/-. **बयाना राशि:** रु.2,33,500/-. **कार्य पुरा करने की अवधि:** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दि.02.07.2025 को 15:00 बजे।

वरिष्ठ विभागीय विद्युत अभियंता (क. वि), मध्य रेल, सोलापुर

AK/Sur-49

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

MAHATRANSCO
Maharashtra State Electricity Transmission Co. Ltd.

E-Tender Notice

MSETCL invites online bids (E-Tender) from registered contractors/agencies on Mahatransco SRM E-Tendering website https://srmetender.mahatransco.in/ for following works

Sr. No.	Tender No & Description of Work			Due date & Time (Hrs) for submission & opening of Tender		
	Tender No. EE/EHVPD-I/PN/T/Tender-2/2025-26					
1	**Tender for Work Contract of Erection and Commissioning of Balance work of 132 kV Daund Shrigonda D/C line at 132 kV Shrigonda SS (approx.-0.234Km).**			**Download of Tender documents date :** Dt:11.06.2025 to 25.06.2025 upto 23;59 Hrs. **(Rfx no-7000036232)**		
	Estimated Cost (Rs)	EMD (Rs)	Tender Fee (Rs)	Closing Date	Technical Opening Date	Commercial Opening Date
	1343015/- incl. taxes	13430.15/-	500/- + 18% GST	Dt:25.06.2025 upto 23:59 Hrs.	Dt:26.06.2025 at 10:30 Hrs.	Dt: 30.06.2025 at 10:30 Hrs.

Contract person : The Executive Engineer, 3rd floor, Administrative Building, 925, Kasbapeth, Juna Bazar Road, Pune-11 E-mail : ee6610@mahatransco.in
For further details visit our website https://www.mahatransco.in
Contact Person: The Addl Executive Engineer, Mob No:7447440928.

1. Relevant portions of the Tender which the Tenderers have to fill online would be available on foreside website.
2. **The Tender Fee & EMD should be paid by the bidder online only.** Bidder can pay through Credit card or by their Axis bank account (NEFT/RTGS) transfer. The payment confirmation will be done by Corporate Office.
For payment confirmation the bidder should send complete Tender Number/amount/transaction Id and mode of Payment (i.e. through Credit Card or Net Banking) copy directly to following mail ids
etenderadmin@mahatransco.in for Technical issues
etenderfisupport@mahatransco.in for financial issues
Tender fee & EMD should be paid on or before **25.06.2025** & the scan copy of transaction ID received after online payment should be submitted along with Technical bid. The online facility is available only for Axis Bank, please note. In case of non submission of Tender fee & EMD, the bidder will be disqualified.
3. Tender documents can be downloaded by online from foreside website.
4. Eligible contractor agencies should submit their bid well in advance instead of waiting till last date. MSETCL will not be responsible for non-submission of bid due to any website related problems.

Note : All eligible interested contractors are mandated to get enrolled on SRM E-Tendering portal. (https://srmetender.mahatransco.in)

SD/-
Executive Engineer, EHV Projects Division-I, Pune

राहुल गांधी का चुनाव आयोग पर हमला क्यों?

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद ऐसा लगता है कि राहुल गांधी बौखला गए हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि भाजपा का मुकाबला कैसे किया जाए, इसलिए वो उल्टे-सीधे बयान दे रहे हैं। पिछले 11 सालों से वो मोदी से लड़ते-लड़ते थक गए हैं और उन्हें आगे कोई उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है। उनकी हालत उस बच्चे जैसी हो गई है जो खिलौना न मिलने पर उसे तोड़ने की हद तक चला जाता है। कुछ ऐसा ही राहुल गांधी करते दिखाई दे रहे हैं। उन्हें न तो अब जनता पर भरोसा रहा है और न ही संविधान पर, बेशक वो संविधान को सिर पर उठाये घूम रहे हों। लगातार हार की हताशा में वो अब संवैधानिक संस्थाओं पर हमले कर रहे हैं। आज जो संस्थाएं पहले से कहीं ज्यादा स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से काम कर रही हैं, उन पर वो लगातार सवाल खड़े कर रहे हैं। विपक्षी नेता होने के कारण यह उनका अधिकार है लेकिन भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बदनाम करने और कमजोर करने का हक किसी को नहीं है। वो केंद्रीय एजेंसियों पर हमला करते हैं जो कि इतना गलत नहीं है क्योंकि वो सीधे सरकार के नियंत्रण में काम करती हैं। सवाल यह है कि संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करना कैसे सही कहा जा सकता है। उन्होंने राष्ट्रीय समाचार पत्रों में एक लेख लिखकर चुनाव आयोग पर बड़ा हमला किया है। वैसे वो चुनाव आयोग के खिलाफ बयान देते रहते हैं लेकिन इस लेख के माध्यम से उन्होंने यह बताने की कोशिश की है कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर उसे फायदा पहुंचा रहा है। लगातार तीन लोकसभा और दर्जनों विधानसभा चुनाव हारने के बाद वो अपनी राजनीति बदलने को तैयार नहीं हैं। कांग्रेस भी यह देखने को तैयार नहीं है कि उनका नेता मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के सामने कहीं नहीं टिकता है, वो अपना नेता बदलने को तैयार नहीं है। वास्तव में कांग्रेस के पास कोई विकल्प ही नहीं है क्योंकि वो गांधी परिवार से आगे देख नहीं सकती। कांग्रेस को आज भी लगता है कि गांधी परिवार के अलावा उसके पास ऐसा कोई नेता नहीं है जो उसका नेतृत्व कर सके। चुनाव आयोग पर राहुल गांधी ने वही सवाल उठाए हैं जो पिछले कई सालों से दोहराते आ रहे हैं। लेख लिखकर उन्होंने चुनाव आयोग के खिलाफ एक मुहिम चलाने की कोशिश की है। ऐसा लगता है कि उन्होंने बिहार में अपनी संभावित करारी हार को सूंघ लिया है इसलिए वो महाराष्ट्र चुनाव में चुनाव आयोग की भूमिका को संदेह के घेरे में लेना चाहते हैं। जैसे आरोप उन्होंने लेख में लगाए हैं, उनके आधार पर वो चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकते थे लेकिन वो मीडिया के माध्यम से उसे घेरना चाहते हैं। इसकी मुख्य वजह यह है कि चुनाव आयोग अब कुछ भी कहे लेकिन चुनाव आयोग की निष्पक्षता तो संदेह के घेरे में आ ही गई है। इस देश में आरोपों के पीछे की सच्चाई कोई देखना नहीं चाहता और सिर्फ आरोपों के आधार पर ही आरोपी को अपराधी मान लिया जाता है। कांग्रेस और विपक्ष के ज्यादातर समर्थक राहुल गांधी के लेख के आधार यह मान चुके होंगे कि भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जीत चुनाव आयोग की मदद से हासिल की है। जिस चुनाव आयोग और संविधान के रहते कांग्रेस 55 साल तक शासन करती रही, अब उसे लगता है कि इसके गलत इस्तेमाल से भाजपा चुनाव जीत रही है जबकि इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत भी नहीं मिला है। इस सवाल का जवाब कांग्रेस और उसके समर्थकों को देना चाहिए कि भाजपा अभी तक बंगाल, केरल और तमिलनाडु में जीत हासिल क्यों नहीं कर पाई है। दूसरा सवाल यह है कि क्या कांग्रेस 55 साल तक चुनाव आयोग की मदद से ही चुनाव जीत रही थी। नेहरू, इंदिरा, राजीव और मनमोहन सिंह इसलिये देश के प्रधानमंत्री बने क्योंकि उन्होंने चुनाव आयोग की मदद ली थी। कांग्रेस क्या अभी तक देश को मूर्ख बनाकर शासन करती आ रही है। इसका दूसरा मतलब यह भी है कि आज तक जो भी सरकारें बनी हैं उन्हें जनता ने नहीं चुना था, वो इसलिए बनी क्योंकि चुनाव आयोग ने मदद की थी। ऐसी बातें राहुल गांधी विदेशों में भी करते हैं जिससे पूरी दुनिया मे संदेश जा रहा है कि भारत में लोकतंत्र नाम का है, जो कुछ है चुनाव आयोग है। वो जिसे चाहे जीता सकता है। ईवीएम से भी चुनाव जीता जा सकता है और भाजपा ईवीएम में छेड़छाड़ करके लगातार शासन कर रही है। राहुल गांधी ने अपने लेख को शीर्षक दिया है, ये मैच फिक्स है और चुनाव की चोरी का खेल समझिए। उन्होंने चुनाव आयुक्त के सरकार के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री द्वारा 2-1 के बहुमत से चुने जाने पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि ऐसे विपक्ष के नेता के वोट को अप्रभावी बना दिया गया है। उनका कहना है कि जिन लोगों ने चुनाव लड़ना है, वही अंपायर तय कर रहे हैं। सवाल यह है कि जो प्रक्रिया 77 सालों तक ठीक थी वो अब कैसे गलत हो गई। 2014 से पहले तो कोई प्रक्रिया ही नहीं थी, जिसे प्रधानमंत्री चाहे चुनाव आयुक्त बना देते थे। सिर्फ प्रधानमंत्री तय करता था कि चुनाव आयुक्त कौन होगा और घोषणा हो जाती थी। राहुल गांधी को बताना होगा कि नेहरू, इंदिरा, राजीव और मनमोहन सिंह जी ने चुनाव आयुक्त चुना तो वो निष्पक्ष कैसे था और अब मोदी सरकार चुन रही है तो वो पक्षपाती कैसे हो गया। तब वो लोकतांत्रिक तरीका था, अब वो अलोकतांत्रिक कैसे हो गया। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची तैयार करने में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। सच्चाई यह है कि मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में सभी पार्टियों के कार्यकर्ता शामिल होते हैं। अगर सूची बनाते समय गड़बड़ी की गई तो उनके कार्यकर्ताओं ने शिकायत क्यों नहीं की और अगर की तो उसे देश के सामने क्यों नहीं रखा गया। दूसरी बात यह है कि यह सूची चुनाव के समय सभी पार्टियों को उपलब्ध करवाई जाती है। अगर उसमें फर्जी वोटर थे तो कांग्रेस पार्टी ने उनके खिलाफ शिकायत क्यों नहीं की। उन्होंने मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। अब सवाल उठता है कि जब मतदान के समय गड़बड़ी की जा रही थी तो कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों के चुनावी एजेंट क्या कर रहे थे। चुनावी एजेंट तो मतदान की प्रक्रिया पूरी होने तक वही रहता है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

जो भी मन में आ रहा, बोल रहा वो बोल
कभी इलेक्शन कमीशन, कभी कोर्ट में झोल
कभी कोर्ट में झोल, गलत है सीबीआई
ईडी पर फुंफकार रही है कांग्रेस आई
कह सुरेश चौवन का बच्चा फिर से रोए
हारे तो सिसकी, जीते तो ओए-ओए

शिमला समझौता : सवालों के घेरे में पाकिस्तान की मंशा

> भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को एकतरफा रूप से स्थगित करने की घोषणा की जो पाकिस्तान की जीवन रेखा मानी जाती है। इस कदम का सीधा प्रभाव पाकिस्तान पर पड़ा और भारत को कूटनीतिक लाभ मिला। इसके प्रत्युत्तर में पाकिस्तान ने भी भारत जैसी ही प्रतिक्रिया दी और 1972 के शिमला समझौते को एकतरफा निलंबित करने की घोषणा कर दी।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में 1972 के शिमला समझौते को "मृत दस्तावेज़" करार देते हुए कहा कि पाकिस्तान अब कश्मीर पर 1948 की स्थिति पर लौट आया है, जहां नियंत्रण रेखा सिर्फ एक संघर्ष-विराम रेखा है। यह बयान पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के स्थगन के पश्चात आया। आसिफ ने कहा कि भारत-पाक द्विपक्षीय ढांचा समाप्त हो चुका है और शिमला समझौता अब लागू नहीं रहा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि चाहे सिंधु जल संधि निलंबित हो या नहीं, शिमला समझौते का अंत हो चुका है। वास्तव में ख्वाजा आसिफ के इस बयान के पीछे मकसद क्या है? क्या यह वास्तव में पाकिस्तान की गीदड़ भभकी है या फिर इसके पीछे कुछ यथार्थता भी है? वस्तुतः इसे जानने से पूर्व शिमला समझौता और पाकिस्तान का उस पर क्या स्टैंड है जानना आवश्यक है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान की सरकारों ने एक दूसरे के खिलाफ ठोस कदम उठाए। भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को एकतरफा रूप से स्थगित करने की घोषणा की जो पाकिस्तान की जीवन रेखा मानी जाती है। इस कदम का सीधा प्रभाव पाकिस्तान पर पड़ा और भारत को कूटनीतिक लाभ मिला। इसके प्रत्युत्तर में पाकिस्तान ने भी भारत जैसी ही प्रतिक्रिया दी और 1972 के शिमला समझौते को एकतरफा निलंबित करने की घोषणा कर दी। शिमला समझौता एक युद्धोत्तर समझौता था, जिसमें यह निर्धारित किया गया था कि 1949 की संघर्ष-विराम रेखा को नियंत्रण रेखा में बदला जाएगा और भारत-पाकिस्तान आपसी विवादों का समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से, बिना किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के करेंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच 3 जुलाई 1972 को हुए इस ऐतिहासिक समझौते पर तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो ने हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता 1971 के युद्ध के बाद हुआ,

जब पाकिस्तान से विभाजित होकर बांग्लादेश एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया। दोनों देशों भारत तथा पाकिस्तान ने अतीत के संघर्षों और टकरावों को समाप्त कर उपमहाद्वीप में स्थायी शांति और सौहार्दपूर्ण संबंधों की स्थापना का संकल्प लिया। समझौते के तहत, भारत और पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का पालन करने, आपसी मतभेदों को शांतिपूर्ण द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से हल करने तथा किसी भी विवाद का अंतिम समाधान होने तक यथास्थिति बनाए रखने पर सहमत हुए। दोनों पक्षों ने बल प्रयोग या उसकी धमकी से दूर रहने, एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की प्रतिबद्धता जताई। साथ ही, शत्रुतापूर्ण प्रचार को रोकने और मैत्रीपूर्ण सूचनाओं को प्रोत्साहित करने, डाक, तार, सड़क, समुद्र और वायु संपर्क बहाल करने, नागरिकों की यात्रा सुविधाएँ बढ़ाने तथा विज्ञान व संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग को प्रोत्साहन देने पर सहमति बनी। भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अपने-अपने स्थानों पर वापस लौटने और जम्मू-कश्मीर में 17 दिसंबर 1971 की युद्धविराम रेखा (लाइन ऑफ कंट्रोल) का सम्मान करने का निर्णय भी लिया गया। यह समझौता दोनों देशों की संवैधानिक प्रक्रियाओं के तहत अनुमोदन के बाद प्रभावी हुआ और भविष्य में प्रतिनिधि स्तर की वार्ताओं और शीर्ष नेतृत्व की बैठकों के माध्यम से संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ने पर इस समझौते के द्वारा सहमति बनी। अंततः, दोनों देश इस बात पर सहमत हुए कि उनके प्रमुख भविष्य में उपयुक्त समय पर फिर मिलेंगे और प्रतिनिधि स्तर की वार्ताओं द्वारा युद्धबंदियों की वापसी, कश्मीर मुद्दे का समाधान और राजनयिक संबंधों की पुनर्बहाली जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। इस समझौते के बाद लगभग 93,000 पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों, सैनिकों, अर्धसैनिक बलों के सदस्य और कुछ नागरिकों को जो युद्ध बंदी थे, को 1974 के दिल्ली समझौते के तहत चरणबद्ध तरीके से पाकिस्तान को सौंप दिया गया। साथ ही भारत ने सद्भावना और शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए युद्ध के दौरान सिंधु क्षेत्र में कब्जाए गए 13,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्रफल को पाकिस्तान को लौटा दिया। यह कदम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की शांति-प्रिय छवि को दर्शाता है। हालांकि, भारत ने सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण चोरबत घाटी के तुरतुक और चालुंका जैसे इलाकों को अपने नियंत्रण में बनाए रखा। ये क्षेत्र न केवल पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र के करीब स्थित हैं, बल्कि सियाचिन ग्लेशियर की ओर भारत की रणनीतिक पकड़ को और भी मजबूत करते हैं। युद्ध के बाद हुए शिमला समझौते (1972) में इन इलाकों की स्थिति पर भारत की स्थिति स्पष्ट रही और यह क्षेत्र आज भी भारत के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने शिमला समझौते पर प्रश्न उठाए हैं। उसके द्वारा सियाचीन 1984 और कारगिल 1999 में लाइन ऑफ कंट्रोल को बदलने की कोशिश की गयी थी हालांकि भारत ने पाकिस्तान के दोनों प्रयासों को विफल कर दिया। पिछले कुछ वर्षों से वह इस द्विपक्षीय ढांचे को लेकर असहजता प्रकट करता रहा है। अगस्त 2019 में भारत द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद पाकिस्तान ने शिमला समझौते को निलंबित करने की चेतावनी दी थी। पाकिस्तान लगातार इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है, जबकि भारत ने स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर भारत का आंतरिक विषय है। भारत का हमेशा यह रुख रहा है कि कश्मीर मसला द्विपक्षीय है और किसी भी तीसरे पक्ष की इसमें कोई भूमिका नहीं हो सकती। इसके विपरीत पाकिस्तान बार-बार इसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने का प्रयास करता रहा है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता पर भी असर पड़ता है। पाकिस्तान के इस कदम से यह स्पष्ट होता है कि अब वह द्विपक्षीय समझौतों से पीछे हटने की नीति अपना रहा है, जिससे दक्षिण एशिया की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। हालांकि पाकिस्तान द्वारा शिमला समझौते पर कोई अधिकृत पत्र जारी नही किया गया है जिससे यह ज्ञात हो सके कि पाकिस्तान ने स्वयं को इस संधि से अलग कर लिया हो, जैसा भारत के द्वारा सिंधु नदी संधि पर औपचारिक रूप से ज्ञापन जारी किया गया था। सिंधु समझौते की समाप्ति से लेकर अब तक पाकिस्तान भारत से इस विषय पर वार्ता करने के लिए चार बार गुजारिश कर चुका है किन्तु भारत अभी भी अपने स्टैंड पर कायम है।

-डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

जीवन को समग्रता प्रदान करता कबीर का चिंतन

भारतीय भक्ति आंदोलन के एक महान संत, कवि और समाज सुधारक थे कबीरदास, जिनके विचार और चिंतन आज भी मानव जीवन को प्रेरणा और दिशा प्रदान करते हैं। उनकी रचनाएँ, विशेष रूप से दोहे और साखियाँ, सरल भाषा में गहन दार्शनिक और आध्यात्मिक संदेशों को समेटे हुए हैं। कबीर का चिंतन न केवल आध्यात्मिकता तक सीमित है, बल्कि यह जीवन के हर पहलू सामाजिक, नैतिक, और व्यक्तिगत को समग्रता प्रदान करता है। उनका चिंतन सत्य, प्रेम, समानता, आत्म-जागरूकता, और निष्काम कर्म जैसे मूल्यों पर आधारित है, जो मानव जीवन को संतुलित और सार्थक बनाते हैं। कबीर का चिंतन मानव जीवन के सभी पहलुओं को एक सूत्र में पिरोता है। वे न तो केवल आध्यात्मिक गुरु थे, न ही केवल समाज सुधारक, बल्कि एक ऐसे दार्शनिक थे, जिन्होंने जीवन को एक समग्र इकाई के रूप में देखा। उनका चिंतन व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन को संतुलित करने का मार्ग दिखाता है। कबीर के चिंतन का मूल आधार सत्य की खोज है। वे मानते थे कि सत्य ही जीवन का आधार है, और इसके बिना जीवन अधूरा है। जब कबीर कहते है- सांच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप। जाके जी में सांच है, ताके जी में आप। इस दोहे में कबीर ने सत्य के समान कोई तपस्या नहीं और झूठ के समान कोई पाप नहीं बताया। सत्य को अपनाने वाला व्यक्ति न केवल अपने जीवन को शुद्ध बनाता है, बल्कि वह परमात्मा के निकट भी पहुँचता है। कबीर का यह चिंतन हमें आत्म-जागरूकता की ओर ले जाता है, क्योंकि सत्य की खोज बाहरी दुनिया से अधिक भीतरी यात्रा है। वे कहते हैः बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय। यह दोहा आत्म-निरीक्षण का महत्व दर्शाता है। कबीर का मानना था कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले हमें अपने भीतर झाँकना चाहिए। यह आत्म-जागरूकता जीवन को समग्रता प्रदान करती है, क्योंकि यह हमें अपनी कमियों को सुधारने और बेहतर इंसान बनने का अवसर देती है। कबीर के चिंतन में प्रेम और करुणा का विशेष स्थान है। वे

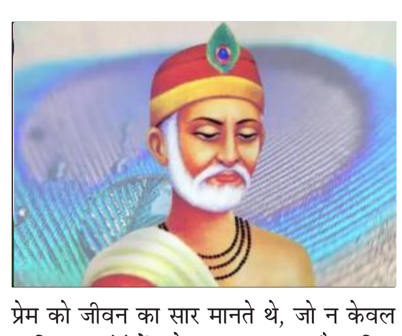

प्रेम को जीवन का सार मानते थे, जो न केवल व्यक्तिगत संबंधों को मजबूत करता है, बल्कि सामाजिक समरसता को भी बढ़ाता है। उनका एक दोहा हैः प्रेम न बारी उपजै, प्रेम न हाट बिकाय। रजा न रंक प्रेम का, सबके हिय समाय। इस दोहे में कबीर कहते हैं कि प्रेम न तो खेत में उगता है, न बाजार में बिकता है। यह सभी के हृदय में समान रूप से बसता है, चाहे वह राजा हो या रंक। यह चिंतन हमें निष्कपट और निस्वार्थ प्रेम की ओर ले जाता है, जो जीवन को समृद्ध और संपूर्ण बनाता है। कबीर का प्रेम केवल मानव तक सीमित नहीं था, बल्कि यह ईश्वर और समस्त सृष्टि के प्रति था। उनकी भक्ति में प्रेम और करुणा का समन्वय जीवन को समग्रता प्रदान करता है। कबीर अपने समय के सामाजिक कुरीतियों, जैसे जातिवाद, धार्मिक कट्टरता, और असमानता, के कट्टर विरोधी थे। उनका चिंतन सभी मनुष्यों को समान मानता था, और वे बाहरी रूढ़ियों को महत्व देने के बजाय आंतरिक गुणों पर जोर देते थे। जैसे- जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान। मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान। इस दोहे में कबीर कहते हैं कि साधु की जाति नहीं, उसके ज्ञान को पूछना चाहिए। व्यक्ति का मूल्य उसकी बाहरी पहचान से नहीं, बल्कि उसके ज्ञान और गुणों से होता है। यह चिंतन समाज में समानता और एकता को बढ़ावा देता है, जो एक समग्र और संतुलित समाज की नींव रखता है। कबीर का यह दृष्टिकोण आज के समय में भी प्रासंगिक है, जब समाज में भेदभाव और असमानता अभी भी मौजूद हैं। कबीर का चिंतन समय के मूल्य और कर्म के सिद्धांत पर भी बल देता है। वे मानते थे कि समय क्षणभंगुर है, और इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। कबीर कहते है- काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब। यह दोहा हमें वर्तमान में जीने और अपने कार्यों को समय पर पूरा करने की प्रेरणा देता है। साथ ही, कबीर कर्म के सिद्धांत को भी रेखांकित करते हैः ₹करम गति टारे नहिं टरै, जब लगि घट में प्रान। जैसा बीज बोइए, तैसो ही फल जान। इस दोहे में कबीर कहते हैं कि कर्म का फल अवश्य मिलता है। जैसा बीज बोया जाता है, वैसा ही फल मिलता है। यह चिंतन हमें अपने कर्मों के प्रति सचेत रहने और अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देता है, जो जीवन को संतुलित और सार्थक बनाता है। कबीर का चिंतन सादगी और संतोष को जीवन का आधार मानता है। वे लालच और माया के भ्रम से बचने की सलाह देते थे। उनका एक प्रसिद्ध दोहा हैः साईं इतना दीजिए, जामे कुटुंब समाय।

मैं भी भूखा न रहूँ, साधु न भूखा जाय। इस दोहे में कबीर कहते हैं कि हमें उतना ही चाहिए, जितना हमारे और दूसरों के लिए पर्याप्त हो। यह सादगी और संतोष का संदेश जीवन को तनावमुक्त और सुखी बनाता है। कबीर का यह चिंतन हमें यह सिखाता है कि सच्चा सुख भौतिक संपत्ति में नहीं, बल्कि संतुष्टि और दूसरों की मदद में है। कबीर का चिंतन निर्गुण भक्ति पर आधारित था, जिसमें वे ईश्वर को निराकार और सर्वव्यापी मानते थे। उनका मानना था कि ईश्वर मंदिर-मस्जिद में नहीं, बल्कि हर हृदय में निवास करता है। वे कहते है- मोको कहाँ ढूंढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में। ना मैं मंदिर, ना मैं मस्जिद, ना काबे कैलास में। यहॉ कबीर कहते हैं कि ईश्वर को बाहर ढूंढने की आवश्यकता नहीं, वह हमारे भीतर ही है। यह चिंतन हमें आध्यात्मिकता के साथ-साथ आत्मिक शांति की ओर ले जाता है। कबीर की भक्ति बाहरी कर्मकांडों से मुक्त थी और प्रेम, सत्य, और आत्म-जागरूकता पर आधारित थी। यह जीवन को एक आध्यात्मिक समग्रता प्रदान करता है।

- डॉ घनश्याम बादल

विकसित भारत के संकल्प में सहयोगी क्रांतियां

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में देश के हर क्षेत्र और व्यक्ति का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में और देश को आगे बढ़ाने में आजादी के बाद से ही समय-समय विभिन्न क्रांतियों ने एक बड़ी भूमिका निभाई है। क्रांति शब्द सुनकर माना यह जाता है कि लोगों का बड़ा समूह, राजनीतिक हलचल आदि। विचार करें तो क्रांति परिवर्तन का सूचक है। किसी भी क्षेत्र में परिवर्तन से पहले उसमें क्रांति होती है। स्वतंत्रता के बाद देश में अनाज की पैदावार को बढ़ाने के लिए हरित क्रांति लाई गई। 1960 के दशक के आखिरी दौर में पंजाब से हरित क्रांति की शुरुआत हुई। उस समय खेती के तरीकों में बड़ा बदलाव हुआ। पारंपरिक तरीकों से अलग औद्योगिक व्यवस्था की ओर ध्यान दिया गया और ज़्यादा उपज वाली किस्म के बीजों को लाया गया। खेती में मशीनी उपकरण, सिंचाई तंत्र, खाद और कीटनाशक के प्रयोग पर ज़ोर दिया गया। विचार करें तो आजादी के बाद देश में खाद्य सामग्री को लेकर बड़ा संकट रहा। अंग्रेज यहाँ से सभी कुछ लूट कर ले गए थे, हमें अपना जन और भूखंड मिला। अंग्रेज जन और भूखंड के भी दो हिस्से करके, दो देश बनाकर चले गए। उस समय देश के सामने कई बड़ी चुनौतियाँ थी। हमने धीरे-धीरे उन सभी का सामना करके समाधान निकाल लिए। 1970 के दशक में भारत में श्वेत क्रांति (दुग्ध क्रांति) की शुरुआत हुई। इस क्रांति को 'ऑपरेशन फ़्लड' के नाम से भी जाना जाता है। इसने दूध की कमी झेल रहे देश को दुनिया में सबसे ज़्यादा दुग्ध उत्पादन करने वाला देश बना दिया। देश अब नई चाल से चलने लगा। लाल क्रांति ने टमाटर और मांस के उत्पादन को काफी बढ़ावा दिया है। यह क्रांति काल 1980 के दशक में शुरू हुआ और 2008 तक चला। विचार करें तो आज भी हम इन सभी क्रांतियों का सहयोग ले रहे हैं। भारत में नीली क्रांति मत्स्य पालन का एकीकृत विकास और प्रबंधन योजना के कार्यान्वयन के लिए है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह सरकार द्वारा जलीय कृषि उद्योग के विकास के लिए की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य इस व्यापार से जुड़े लोगों के जीवन यापन में सुधार करना है। पीली क्रांति भारत में खाद्य तेलों और तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए है। शुरूआत में इसका उद्देश्य भारत को तिलहन उत्पादन में आत्म निर्भर बनाना रहा और आज भारत इस क्षेत्र में आत्म निर्भर बन गया है। गुलाबी क्रांति जिसे पिंक रिवोल्यूशन भी कहा जाता है। भारत में गुलाबी क्रांति मांस और मुर्गी पालन क्षेत्र में तकनीकी तथा प्रक्रियागत सुधारों को दर्शाती है। काली क्रांति पेट्रोलियम खनिज तेलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए है। इसमें एथेनोल का उत्पादन भी बढ़ाया जायेगा, इस विचार को रखा गया साथ ही इसका संबंध कोयला उत्पादन से भी है। धूसर क्रांति उर्वरक उत्पादन में वृद्धि से है। रजत क्रांति भारत में अंडा उत्पादन और मुर्गियों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए है। देश में आंध्र प्रदेश राज्य इसका सबसे बड़ा उत्पादक है। सुनहरी क्रांति का संबंध बागवानी उत्पादन में वृद्धि से है।

- डॉ. नीरज भारद्वाज

आज का कार्टून

साभार

संत कबीर : विश्व शांति का मूल है कबीर का "एकेश्वरवाद"

संत कबीर दास15 वीं सदी के मध्यकालीन भारत के एक रहस्यवादी कवि और भक्ति आंदोलन की निर्गुण शाखा के एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे, जो ईश्वर के प्रति भक्ति और प्रेम पर जोर देते थे। संत कबीर दास को एक ऐसे समाज सुधारक के तौर पर भी जाना जाता है, जो अपनी रचनाओं के जरिए जीवन भर आडंबर और अंधविश्वास का विरोध करते रहा।वह कर्म प्रधान समाज के पैरोकार थे और इसकी झलक उनकी रचनाओं में साफ़ झलकती है। यही वजह है कि समाज में संत कबीर को जागरण युग का अग्रदूत कहा जाता है। उनकी रचनाएँ हिन्दी साहित्य के भक्ति काल की निर्गुण शाखा की ज्ञानमार्गी उपशाखा की महानतम कविताओं के रूप में आज भी प्रसिद्ध हैं। इन कविता और साखियों के माध्यम से पता चलता है कि संत कबीर दास जी का एकेश्वरवाद का सिद्धांत दुनिया में आज भी प्रासंगिक है। माना जाता है कि संत कबीर का जन्म सन 1398 ईस्वी में काशी में हुआ था। कबीर दास निरक्षर थे तथा ऐसी मान्यता है कि उन्हें शास्त्रों का ज्ञान अपने गुरु स्वामी रामानंद द्वारा प्राप्त हुआ था। तत्कालीन भारतीय समाज में कबीर दास ने कर्मकांड और गलत धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ आवाज उठाई और लोगों में भक्ति भाव का बीज बोया। इन्होंने सामाजिक व्यवस्था में व्याप्त भेद भाव को दूर करने का भी प्रयास किया। वे सच्चे अर्थों में धर्मनिरपेक्ष थे। उन्होंने हिंदू मुसलमानों के बाह्याडंबरों पर समान रूप से प्रहार किया । यदि उन्होंने हिंदुओं से कहा कि-पत्थर पूजै हरि मिलै, तो मैं पूजूँ पहाड़,,तासे तो चक्की भली, पीस खाए संसार ।।" तो मुसलमानों से भी यह कहने में संकोच नहीं किया कि " कंकड़ पत्थर जोड़ि के, मस्जिद लियो बनाय,,ता पर मुल्ला बांग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय"? संत कबीर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सच्ची पूजा दिल से होती है, बाहरी कर्मकांडों की तुलना में ईश्वर के साथ सच्चे संबंध को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने यह भी सिखाया कि हृदय की पवित्रता और ईश्वर के प्रति प्रेम ही सर्वोपरि है। यजी नहीं संत कबीर ने खुलेआम खोखले कर्मकांडों और अंधविश्वासों की निंदा की और लोगों से सच्ची भक्ति की तलाश करने का आग्रह किया। उनका मानना था कि सच्ची आस्था से रहित कर्मकांडों का कोई मतलब नहीं होता है। उन्होंने तत्कालीन समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था और सामाजिक असमानताओं को खारिज किया। संत कबीर ने जाति, पंथ या लिंग की परवाह किए बिना सभी मनुष्यों के बीच समानता की वकालत की। उनके छंदों ने लोगों के बीच सद्भाव की वकालत करते हुए एकता और सामाजिक न्याय को बढ़ावा दिया। कबीरदास निर्गुण भक्ति के उपासक थे। उन्होंने न तो हिंदू धर्म की मूर्तिपूजा को स्वीकार किया, न ही इस्लाम की कट्टरता को। वे एकेश्वरवाद में विश्वास रखते थे और मानते थे कि ईश्वर एक है तथा सर्वत्र व्याप्त है। उनके अनुसार, आत्मा और परमात्मा के बीच का संबंध प्रेम और भक्ति पर आधारित होना चाहिए। कबीर दास पहले भारतीय कवि और संत हैं जिन्होंने हिंदू धर्म और इस्लाम धर्म के बीच समन्वय स्थापित किया और दोनों धर्मों के लिए एक सार्वभौमिक मार्ग दिया। उसके बाद हिंदू और मुसलमान दोनों ने मिलकर उनके दर्शन का अनुसरण किया,जो कालांतर में "कबीर पंथ" के नाम से चर्चित हुआ। कहा तो यह भी जाता है की कबीरदास द्वारा काव्यों को कभी भी लिखा नहीं गया, सिर्फ बोला गया है। उनके काव्यों को बाद में उनके शिष्यों द्वारा लिखा गया। कबीर की रचनाओं में मुख्यतः अवधी एवं साधुक्कड़ी भाषा का समावेश मिलता है। संत कबीर दास ने दोहा और गीत पर आधारित 72 किताबें लिखीं। उनके कुछ महत्वपूर्ण संग्रहों में कबीर बीजक, पवित्र आगम, वसंत, मंगल, सुखनिधान, शब्द, साखियाँ और रेख्ता शामिल हैं। कबीर दास की रचनाओं का भक्ति आंदोलन पर बहुत प्रभाव पड़ा और इसमें कबीर ग्रंथावली, अनुराग सागर, बीजक और साखी ग्रंथ जैसे ग्रंथ शामिल हैं। उनकी पंक्तियाँ सिख धर्म के धर्मग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब में पाई जाती हैं। उनकी प्रमुख रचनात्मक कृतियाँ पाँचवें सिख गुरु अर्जन देव द्वारा संकलित की गईं। कबीर दास अंधविश्वास के खिलाफ थे। कहा जाता है कबीर दास के समय में समाज में एक अंधविश्वास था कि जिसकी मृत्यु काशी में होगी वो स्वर्ग जाएगा और मगहर में होगी वो नर्क। इस भ्रम को तोड़ने के लिए कबीर ने अपना जीवन काशी में गुजारा, जबकि प्राण मगहर में त्यागे थे।

- प्रदीप कुमार वर्मा

बिहार में इतने सरकारी डॉक्टर्स की छिन गई नौकरी

इस वजह से नीतीश कैबिनेट में लिया गया फैसला

महानगर नेटवर्क
पटना

नीतीश कैबिनेट की बड़ी बैठक आज खत्म हुई, जिसमें कई अहम फैसले लिए गए. इस बैठक में कुल 22 एजेंडे पर मुहर लगी. कई विभागों से जुड़े बेहद खास फैसले लिए गए. जिसमें से स्वास्थ्य विभाग की बात करें तो, कई डॉक्टर्स पर गाज गिरी. नीतीश कैबिनेट की बैठक में 6 डॉक्टर्स को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया तो वहीं एक को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की स्वीकृति मिली.

इन डॉक्टर्स को किया गया बर्खास्त

बता दें कि, नीतीश कैबिनेट में डॉ. आशीष कुमार, सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी, सदर अस्पताल खगड़िया को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की स्वीकृति मिली। तो वहीं, डॉ. मो. फिरदौस आलम, सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी, खगड़िया, डॉ. जागृति सोनम, सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी, खगड़िया, डॉ. अनामिका कुमारी, सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी, लखीसराय, डॉ. अनुपम कुमारी, विशेष चिकित्सा पदाधिकारी, लखीसराय, डॉ. अनुपम कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी (दन्त), बेगूसराय और डॉ. अभिनव कुमार, सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी, लखीसराय इन सभी 6 डॉक्टर्स को सेवा से बर्खास्त करने का फैसला लिया गया।

इस कारण लिया गया फैसला

लगातार इन डॉक्टर्स के अनुपस्थित रहने के कारण नीतीश सरकार ने बर्खास्त करने का फैसला लिया। बता दें कि, इसके अलावा कई अन्य मुद्दों को लेकर भी बड़ा फैसला लिया गया। सरकार की महिला सरकारी सैनिकों को उनके पदस्थापना स्थल के निकट अवसान सुविधा उपलब्ध कराने की नीति का निर्धारण प्रस्ताव को मंजूरी दे ।

साइबर ठगी के गिरोह का पर्दाफाश

4 अपराधी धराए, बरामद किए गए ये सभी सामान

महानगर नेटवर्क
नालंदा

बिहार में साइबर अपराध से जुड़े मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में नालंदा जिले से खबर सामने आई है जहां, एक साइबर गिरोह का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने 4 अपराधियों को धर-दबोचा। पूरा मामला कतरीसराय थाना क्षेत्र के परमानंदपुर गांव का है। जहां चार अपराधियों को रंगे हाथ पकड़ा गया। ये लोग सस्ते ब्याज दर पर लोन देने और कुसुम योजना के तहत सोलर पंप लगाने के नाम पर भोले-भाले ग्रामीणों को ठग रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक नालंदा के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजगीर के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया।

इन सामानों को किया गया बरामद

विशेष टीम ने ग्राम परमानंदपुर में

छापा मारा और चार साइबर ठगों को आपराधिक सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में गौतम कुमार (23 वर्ष), राहुल कुमार (20 वर्ष), आलोक कुमार (33 वर्ष) और मृत्युंजय कुमार (23 वर्ष) शामिल हैं। इन अभियुक्तों के पास से 2 लैपटॉप, 7 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 3 कीपैड मोबाइल फोन, 6 एटीएम कार्ड, 100,100 रुपये नगद, 9 पासबुक और ऑर्डर सीट, जिसमें ठगी के शिकार ग्राहकों की जानकारी अंकित थी, इन सभी सामानों को बरामद किया गया।

बिहार के इस बाजार पर चलेगा सरकार का बुलडोजर

16 जून से होगी जमीन की मापी

महानगर नेटवर्क
बक्सर

बक्सर जिले के सिमरी बाजार की मुख्य सड़क पर दिनों-दिन बढ़ते अतिक्रमण ने राहगीरों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। स्टेट बैंक से लेकर कारुवीर बाबा तक की सड़क पर अवैध कब्जों ने न केवल पैदल चलने वालों को परेशान किया है, बल्कि आए दिन ट्रैफिक जाम की समस्या को भी जन्म दिया है। स्थानीय दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण और अनियंत्रित पार्किंग की वजह से सड़क संकरी हो गई है, जिससे एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी निकलने में दिक्कत होती है

16 जून से मापी शुरू

अंचलाधिकारी भगवती शंकर पांडेय ने जानकारी दी है कि अब प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए 16 जून से मापी कार्य शुरू करने

जा रहा है। इस कार्य के लिए तीन अमीनों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो पूरे क्षेत्र में सरकारी जमीन की मापी करेंगे और अतिक्रमित भूमि की पहचान कर उसे सूचीबद्ध करेंगे।

नोटिस के बाद होगी सख्त कार्रवाई

सीओ ने स्पष्ट किया है कि अतिक्रमणकारियों को पहले नोटिस जारी कर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने का अवसर दिया जाएगा। यदि इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो प्रशासन विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए बलपूर्वक अतिक्रमण हटाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में पुलिस बल की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाएगी ताकि किसी प्रकार की अशांति या विरोध को रोका जा सके।

बाजार में हलचल, दुकानदारों में चिंता

प्रशासन की इस सख्त पहल से बाजार में हलचल बढ़ गई है। कई दुकानदार पहले से ही अपनी दुकानों के सामने से अतिक्रमण हटाने की तैयारी में जुट गए हैं ताकि प्रशासन की कार्रवाई से बचा जा सके। अब देखने वाली बात यह होगी कि मापी कितनी निष्पक्ष और प्रभावी तरीके से की जाती है और इसके बाद क्या वाकई अतिक्रमण से निजात मिल पाती है।

पत्नी की गला काटकर हत्या, फिर शव जला रहा था पति

महानगर नेटवर्क
मधेपुरा

मधेपुरा में एक पति ने गला काटकर पत्नी की हत्या कर दी। उसके बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे जलाने लगा। हालांकि, इस बीच परिजनों को खबर लग गई, और वो मौके पर पहुंच गए। बाद में पुलिस ने चिता से महिला की अधजली लाश को उठाया। शव 75 फीसदी से ज्यादा जल चुका है।

मृतका की पहचान रूपम कुमारी (22) के रूप में हुई है। वारदात जिले के घैलाढ़ ओपी क्षेत्र के चिकनोटवा गांव में सोमवार रात हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भागलपुर भेजा दिया है। मृतका के चाचा नवीन कुमार का कहना है कि 'आरोपी पति मंजय का अपनी भाभी के साथ संबंध है। वो रूपम को हमेशा टॉर्चर करता था।'

चिता से उठाई गई जली हुई लाश

परिजनों के अनुसार '9 जून की शाम करीब छह बजे मंजय ने रूपम की गला काटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद सबूत मिटाने की नीयत से मंजय और उसके परिजनों ने रूपम का शव घर से करीब 100 मीटर दूर ले जाकर जला दिया।' घटना की खबर मिलते ही रूपम के परिजन चिकनोटवा पहुंचे।

पति ने ट्रेन से कटकर दी जान, पत्नी ने खाया जहर

छह महीने पहले की लव मैरिज

चार महीने की प्रेग्नेंट है महिला, मां-बहन से हुई थी लड़ाई

महानगर नेटवर्क
जमुई

जमुई में सोमवार की शाम एक युवक ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली है। इसकी जानकारी पत्नी को मिली तो उसने जहर खा लिया। आनन-फानन में उसे सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। महिला 4 महीने की प्रेग्नेंट है।

मृतक की पहचान प्रभात कुमार(24) के रूप में हुई है। प्रभात ने 6 महीने पहले निभा के साथ लव मैरिज की थी। इससे मां और बहन नाराज थी। सोमवार को भी मां-बहन से लड़ाई हुई थी। इस लड़ाई के बाद उसने आत्महत्या कर ली है।

डेढ़ साल पहले हुई थी मुलाकात

प्रभात कैमरा मैन का काम करता था। डेढ़ साल पहले एक शादी समारोह में वीडियोग्राफी के दौरान उसकी निभा से मुलाकात हुई थी। निभा झाझा के सुंदरी टांड़ की रहने वाली है।

फिर दोनों एकदूसरे से प्यार करने लगे। एक साल अफेयर चला। इसके बाद प्रभात ने अपने घर वालो का विरोध कर निभा से शादी की थी। इस शादी से प्रभात की मां और बहन नाराज थी। इसको लेकर अमूमन विवाद होता था। सोमवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ था।

प्रभात के बाद मेरा दुनिया में कोई नहीं रहा-निभा

निभा ने बताया कि 'जब पति की मौत की सूचना मिली। इसके बाद मेरा कोई नहीं रहा। फिर मैंने जहर खा लिया।' निभा का इलाज करने वाले सदर अस्पताल के डॉक्टर देवेंद्र कुमार ने बताया कि ' उसकी स्थिति सामान्य है।' परिवार वालों ने निभा को पहले मटिया स्थित निजी क्लिनिक में भर्ती कराया। जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

10 साल के बच्चे ने मांगी 10 लाख की फिरौती

- सीसीटीवी फुटेज से खुला राज तो सब रह गए दंग

महानगर नेटवर्क
नालंदा

नालंदा के लहेरी थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक 10 वर्षीय बालक ने सोशल मीडिया पर गुमशुदगी की सूचना देखकर फिरौती की मांग कर डाली। पुलिस की तत्परता से गुमशुदा किशोर सकुशल बरामद कर लिया गया है और पूरे मामले का पर्दाफाश किया. जानकारी के मुताबिक 6 जून को शाम करीब 5:00 बजे न्यू नालंदा कॉलोनी निवासी मनीष कुमार का 15 वर्षीय पुत्र सौरभ कुमार उर्फ भोला कोचिंग के लिए घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा. परिजनों द्वारा खोजबीन के बाद उसकी मां उगा देवी के आवेदन पर लहेरी थाना कांड सं. 262/25 धारा 137(2) भा.दं.वि. के तहत मामला दर्ज किया गया।

CCTV में क्या दिखा

सीसीटीवी फुटेज में सौरभ को बिहारशरीफ में एक बस में चढ़ते देखा गया। जिससे यह अनुमान लगाया गया कि वह स्वेच्छा से कहीं गया है। इस बीच, पिता मनीष कुमार ने फेसबुक व अन्य सोशल मीडिया पर अपने बेटे की गुमशुदगी की सूचना देते हुए मोबाइल नंबर भी साझा किया।

छापेमारी में क्या पता चला

छापेमारी के दौरान पता चला कि यह मोबाइल जहानाबाद जिला के घोषी थाना अंतर्गत मिल्कीपर निवासी सोहागी कुमारी, पति धर्मेन्द्र कुमार के पास है, जो स्थानीय वार्ड सदस्य भी हैं। पूछताछ में धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि यह मैसेज उनके 10 वर्षीय बेटे ने भेजा था। बच्चा फेसबुक पर गुमशुदगी की सूचना देखकर पैसों के लालच में मैसेज भेज बैठा। बाद में उसने सभी मैसेज डिलीट कर दिए।

दुल्हन के गांव पहुंची बारात पर हमला

मच गई भगदड़; दूल्हा समेत 7 लोग गंभीर घायल

महानगर नेटवर्क
दरभंगा

बिहार के दरभंगा जिले के सिंहवाड़ा में उपद्रवियों ने बारात पर हमला कर दिया। हमले में दूल्हा समेत 7 बाराती गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सोमवार देर रात को हुई यह घटना दुल्हन के गांव में हुई। हमले के बाद बारात में भगदड़ मच गई। शादी समारोह में जा रहे लोग अपनी जान बचाकर वहां से भागने लगे। दूल्हे के एक रिश्तेदार और दुल्हन के गांव के युवकों पर हमले का आरोप लगा है। हमले के बाद भागने के दौरान भी कई बाराती चोटिल हुए।

दूल्हे के चाचा शंकर सहनी ने बताया

कि सिमरी थाना क्षेत्र के गौड़ा गांव निवासी उनके भाई बिरजन सहनी के बेटे ललन की शादी सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के लोरिका गांव में स्व. सत्तो सहनी की बेटी पूजा कुमारी से तय हुई थी। 9 जून, सोमवार को शाम में गाजे-बाजे के साथ बारात को गांव से रवाना किया गया। डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए बाराती जा रहे थे। जैसे ही बारात दुल्हन के गांव लोरिका के नुक्कड़ पर पहुंची, वहां घात लगाकर बैठे आधा दर्जन से अधिक युवकों ने हमला बोल दिया। हमले के दौरान अर्जुन सहनी, चंद्र किशोर सहनी सहित कई लोगों को जख्मी होकर गिरता देख भगदड़ मच गई। बारात एवं दूल्हा जैसे-तैसे बगीचे एवं चौर होकर भाग निकले। जख्मियों को इलाज के लिए सिंहवाड़ा सीएचसी लाया गया। वहां से रेफर होने के बाद गंभीर रूप से जख्मी दो बारातियों को दरभंगा स्थित डीएमसीएच में भर्ती कराया गया।

बारातियों ने बताया कि दूल्हे के एक रिश्तेदार एवं दुल्हन के गांव के युवकों ने सुनियोजित ढंग से हमला किया।

रोजगार पर कांग्रेस का हल्ला बोल 12 जून को बिहार में प्रदर्शन

महानगर नेटवर्क
पटना

बिहार चुनाव के मद्देनजर विपक्ष नीतीश सरकार पर रोजगार, पलायन, नौकरी, कानून व्यवस्था समेत कई मुद्दों पर हमलावर है। इस कड़ी में महागठबंधन की सहयोगी कांग्रेस रोजगार के मुद्दे पर 12 जून को एक साथ राज्य के 25 जिलों में आंदोलन करेगी। राष्ट्रीय स्तर के नेता और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता एक साथ रोजगार कार्यालय के सामने नौकरी दो या सत्ता छोड़ो आंदोलन के तहत प्रदर्शन करेंगे। सदाकत आश्रम में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने यह जानकारी दी। साथ ही उन्होने

पांच सवाल बिहार की एनडीए सरकार से पूछे। राजेश राम ने पूछा कि 45 विभागों में रिक्त पांच लाख पद कब भरे जाएंगे। पेपर लीक का अड्डा बिहार कैसे बना, इसकी निष्पक्ष जांच हो? संविदा कर्मियों को स्थायी कब किया जाएगा? कर्मियों को समान काम के बदले समान वेतन कब दिया जाएगा। साथ ही बिहार से पलायन कब रुकेगा।

हरियाणा में पिता ने 4 बच्चों संग किया सुसाइड

पटना। हरियाणा में फरीदाबाद में मंगलवार की दोपहर एक व्यक्ति ने अपने 4 बच्चों के साथ ट्रेन से कटकर सुसाइड कर लिया। पांचों की मौके पर ही मौत हो गई। सुसाइड से पहले उसने बच्चों को कोल्ड ड्रिंक और चिप्स भी दिलाई थी। ट्रेन आने पर बच्चों ने बचने की भी कोशिश भी की थी, लेकिन व्यक्ति ने उन्हें बांहों में जकड़ लिया था। मृतक व्यक्ति की पहचान मनोज महतो (45) के रूप में हुई, वह मूल रूप से बिहार के जिला लखीसराय, थाना बहरिया, गांव तारतरा रहने वाला था। बल्लभगढ़ की सुभाष कॉलोनी में पत्नी और चारों बच्चों के साथ किराए पर रहता था। मरने वाले चारों बच्चे लड़के है, जिनकी उम्र करीब 3 से 10 साल के बीच में है। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि मनोज अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करता था। सुबह दोनों में झगड़ा भी हुआ था। दोपहर को वह चारों बच्चों को पार्क में घुमाकर लाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन दिल्ली की ओर जा रही ट्रेन के आगे कूद कर सुसाइड कर लिया।

व्यापार

चांदी 1.06 लाख किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंची

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

चांदी आज यानी 10 जून को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 1 किलो चांदी का दाम 897 बढ़कर 1,06,457 हो गया है। इससे पहले चांदी 1,05,560 प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 142 बढ़कर 96,006 पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 95,864 प्रति 10 ग्राम थी। सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 का ऑल टाइम हाई बनाया था। इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक

10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 19,844 रुपए बढ़कर 96,006 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 20,440 रुपए बढ़कर 1,06,457 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

OTT का 'क्रेज' खा गया 5,77000 लोगों की नौकरी

आपका मजा इन लोगों के लिए बना सजा

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत का केबल टेलीविजन उद्योग पिछले सात वर्षों से अभूतपूर्व गिरावट का सामना कर रहा है, जिससे लाखों नौकरियों पर तलवार लटक गई है. सोमवार को जारी ऑल इंडिया डिजिटल केबल फेडरेशन (एआईडीसीएफ) और ईवाई इंडिया की संयुक्त रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ केबल टीवी डिस्ट्रीब्यूशन इन इंडिया' के अनुसार, 2018 से 2025 के बीच कुल 577,000 नौकरियों के खत्म होने का अनुमान है. इस गिरावट का मुख्य कारण पे-टीवी ग्राहकों की संख्या में भारी कमी है, जो 2018

में 151 मिलियन से घटकर 2024 में 111 मिलियन रह गया है, और 2030 तक इसके 71-81 मिलियन तक गिरने की आशंका है.

क्यों घट रहा है DTH और केबल ऑपरेटर का रेवेन्यू?

रिपोर्ट में इस संकट के लिए कई प्रमुख कारकों को जिम्मेदार ठहराया गया है, जिनमें चैनल की बढ़ती लागत, ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म जैसे नेटफ्लिक्स और अमेज़न प्राइम वीडियो से बढ़ती प्रतिस्पर्धा, और डीडी फ्री डिश जैसी मुफ्त, अनियमित सेवाओं की बढ़ती लोकप्रियता शामिल है. वित्तीय मोर्चे पर भी उद्योग को बड़ा झटका लगा है. चार डीटीएच खिलाड़ियों और दस प्रमुख केबल टीवी प्रदाताओं के संचयी राजस्व में 2018 से 16% से अधिक की गिरावट आई है, जबकि उनके मार्जिन में 29% की कमी दर्ज की गई है. वित्त वर्ष 19 में उनका संयुक्त राजस्व 25,700 करोड़ रुपए था।

सिंटेक्स ने पेश किया 'ट्रूली' इंसुलेटेड वॉटर टैंक

मुंबई। भारत की अग्रणी और विश्वसनीय गुणवत्ता वाले वॉटर स्टोरेज समाधान निर्माता कंपनी सिंटेक्स बाय वेलस्पन, सिंटेक्स Trupuf की पहुंच का विस्तार कर रही है। यह भारत का पहला 'ट्रूली' इन्सुलेटेड पानी का टैंक है क्योंकि इस समय पूरे भारत में गर्मी की लहर के कारण तापमान बढ़ रहा है। कठोर मौसम की स्थिति को सहने के लिए डिजाइन किया गया 50 मिमी पॉलीयूरेथेन फोम एक प्रभावी इन्सुलेटर के रूप में कार्य करता है, जो संग्रहीत पानी के तापमान को उसकी मूल स्थिति के करीब बनाए रखता है। वेलस्पन बीएपीएल लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सिंटेक्स के डायरेक्टर यशोवर्धन अग्रवाल ने कहा, "सिंटेक्स Trupuf को एक बहुत ही वास्तविक, रोज़मर्रा की

समस्या को हल करने के लिए बनाया गया था, पानी जो गर्मियों के विलक्षण के दौरान उपयोग करने के लिए बहुत गर्म और असुविधाजनक हो जाता है।

शेयर बाजार फ्लैट बंद हुआ, निफ्टी 1 अंक चढ़ा

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 10 जून को फ्लैट कारोबार देखने को मिला है। निफ्टी में करीब 1 अंक की तेजी के साथ 25,104 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स करीब 53 अंक की गिरावट के साथ 82,391 के स्तर पर बंद हुआ है। बाजार में आज IT और फार्मा शेयर्स में बढ़त रही। वहीं रियल्टी और सरकारी बैंकों के शेयर में गिरावट देखने को मिली। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.32% की तेजी के साथ 38,211 पर और कोरिया का कोस्पी 0.56% चढ़कर 2,871 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.07% गिरावट के साथ 24,162 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.44% गिरकर 3,384 पर बंद हुआ है। 9 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 42,761 पर फ्लैट बंद हुआ।

नेटाफिम इंडिया ने किया 'प्रगति' का आयोजन

नई दिल्ली। स्मार्ट सिंचाई समाधान प्रदाता नेटाफिम इंडिया ने कर्नाटक के गडग में प्रगतिशील किसान प्रशिक्षण सह सम्मान कार्यक्रम प्रगति का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य संरचित प्रशिक्षण, ज्ञान साझाकरण और सर्वोत्तम प्रथाओं की मान्यता के माध्यम से सिंगतालुरू लिफ्ट इरिगेशन स्कीम (एसएलआईएस-3) से किसानों को सशक्त बनाना है। 11,330 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को कवर करने वाली एसएलआईएस-3 परियोजना में ड्रिप सिस्टम जैसी आधुनिक सिंचाई विधियों को महत्वपूर्ण रूप से अपनाया गया है। किसान मक्का, सूरजमुखी, मूंग, प्याज, मिर्च, फूल आदि जैसी फसलें उगा रहे हैं। किसान फसल की जरूरत के अनुसार प्रत्येक फसल में फर्टिगेशन (ड्रिप के माध्यम से पोषक तत्वों की आपूर्ति) को सफलतापूर्वक अपना रहे हैं।

करण जौहर की ऑक्सीलाईफ़ सैलून प्रोफेशनल के साथ साझेदारी

मुंबई। डाबर इंडिया के प्रीमियम सैलून स्किनकेयर ब्राण्ड ऑक्सीलाईफ़ सैलून प्रोफेशनल ने अपनी डर्मा एसेंस रेंज के तहत दो अडवान्स फेशियल ट्रीटमेन्ट किट लॉन्च किए हैं- इंटेंस ब्राइट और सेंसी-केयर। इसके साथ कंपनी जाने-माने फिल्मनिर्माता एवं स्टाइल आइकन करण जौहर के साथ एक नया कैंपेन 'स्किनश्योरेन्स विद ऑक्सीलाईफ़'भी लेकर आई है। नए सैलून-एक्सक्लुज़िव फेशियल

किट आधुनिक स्किनकेयर साइंस और डर्मेटोलोजिस्ट जैसी देखभाल के साथ तुरंत रिज़ल्ट देते हैं और लम्बे समय तक त्वचा को चमकदार बनाए रखते हैं। इस रेंज के लॉन्च के लिए ऑक्सीलाईफ, बोल्ड एवं डिजिटल-फर्स्ट कैंपेन भी लेकर आया है, जिसमें करण जौहर 'अपने चेहरे को इंश्योर' कराने की बात कहकर दर्शकों का ध्यान अपनी और खींच रहे हैं। करण जौहर का नया कैंपेन 'स्किनश्योरेन्स विद ऑक्सीलाईफ़' इस बात पर रोशनी डालता है कि किस तरह चमकदार त्वचा आपको भीतर से आत्मविश्वास देती है।

पेटीएम ने पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी सुविधा पेश की

मुंबई। पेटीएम ने पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी पेश की है, जिससे गोपनीयता को बेहतर बनाया गया है और मोबाइल पेमेंट करने का अधिक लचीला तरीका प्रदान किया गया है। यह प्रगति कंपनी की यह प्रतिबद्धता दर्शाती है कि वह रोज़मर्रा के डिजिटल पेमेंट्स को सरल और सुरक्षित बनाना चाहती है। यह नई पेशकश नाम@पीटीयस या नाम@पीटीएक्सिस जैसी पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी चुनने की अनुमति देती है, जिससे व्यक्ति बिना अपना मोबाइल नंबर बताए पैसे भेज और प्राप्त कर सकते हैं। यह वर्तमान में यस बैंक और एक्सिस बैंक द्वारा जारी किए गए हैंडल्स पर लाइव है और जल्द ही अन्य बैंकिंग भागीदारों तक विस्तारित की जाएगी। चाहे आप किसी दुकानदार को पेमेंट कर रहे हों, किसी डिलीवरी कार्यकारी के साथ भुगतान निपटा रहे हों, या किसी नए वेंडर को पैसा ट्रांसफर कर रहे हों।

ICICI बैंक ने FD की ब्याज दरों में कटौती की

मुंबई। ICICI बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) की ब्याज दरों में 0.25% तक की कटौती की है। अब ICICI बैंक में FD कराने पर सामान्य नागरिकों को 6.60% और सीनियर सिटिजन को 7.10% तक का ब्याज मिलेगा। बैंक ने इंटरेस्ट रेट्स 3 करोड़ रुपए से कम की FD पर बढ़ाए हैं। नई ब्याज दरें 10 जून से लागू हो गई हैं। अब आपको ICICI बैंक में FD कराने पर आम नागरिकों को 3.00% से लेकर 6.60% तक ब्याज मिलेगा।

व्यवसायों के संचालन और लेन-देन में पारदर्शिता जरूरी

मुंबई। जैसा की वैश्विक व्यापार परिदृश्य तेजी से विकसित होता है, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ और उद्योग पर्यवेक्षक तेजी से एक प्रवृत्ति को सभी से ऊपर उजागर करते हैं. व्यवसायों के संचालन और लेन-देन में अधिक पारदर्शिता और विश्वास की तत्काल आवश्यकता है। वास्तविक दुनिया के टोकन-स्वामित्व अधिकारों और व्यावसायिक भागीदारी को डिजिटाइज़ करने की प्रक्रिया इन मांगों को पूरा करने के लिए एक शक्तिशाली साधन के रूप में कर्षण प्राप्त कर रही है। इन शिफ्टिंग डायनेमिक्स के बीच, मास्टरस्ट्रोक टेक्नोलॉजीज के नेतृत्व के साथ एमएसटी ब्लॉकचेन के रचनाकारों-हिंदुस्तान की पहली लेयर 1 ब्लॉकचेन यह बताती है की, कैसे यह उभरते हुए बुनियादी ढांचे को टोकनीकरण को अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाकर व्यावसायिक स्थिती के तंत्र को बदलने के लिए तैयार किया गया है। 2024 डेलॉइट के अध्ययन के अनुसार 82% रिटेल बिजनेस स्टेकहोल्डर्स नए व्यावसायिक अवसरों का मूल्यांकन करते समय उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में पारदर्शिता को रैंक करते हैं। खुलेपन के लिए यह बढ़ती उम्मीद उन प्रद्योगिकियों की मांग है, जो स्वामित्व और लेनदेन के सत्यापन योग्य, छेड़छाड़-प्रूफ रिकॉर्ड प्रदान करती हैं।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबरः 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

अब किसी विदेशी आक्रांता का महिमा मंडन नहीं होगा

महानगर संवाददाता

बहराइच

बहराइच के चित्तौरा झील के तट पर आयोजित महाराजा सुहेलदेव विजयोत्सव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराजा सुहेलदेव के पराक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि अब कहीं भी किसी विदेशी आक्रांता का महिमा मंडन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बहराइच में गाजी का नहीं महाराजा सुहेलदेव का और मंडल में मां पाटेश्वरी का मेला लगेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अपने हेलीकॉप्टर से चित्तौरा झील के तट पर पहुंचे और 1243 करोड़ की 384 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने के साथ ही पांच बच्चों का अन्नप्राशन कराकर तथा महाराजा सुहेलदेव के नाम पर उनका नामकरण कराकर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत के मठ मंदिरों को लूटकर भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का मंसूबा लेकर आया सैयद सालार मसूद गाजी को महाराजा सुहेलदेव ने अपनी कूटनीति तथा युद्धनीति से जहन्नुम में पहुंचा दिया।

उन्होंने सपा, बसपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इन राजनीतिक दलों ने सत्ता में रहते हुए धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा करने वाले महाराजा सुहेलदेव के पराक्रम को भुलाकर विदेशी आक्रांता को महिमा मंडित कर हर वर्ष उनका विवाह कराते थे। यह सब तुष्टीकरण की नीति के तहत किया जा रहा था। इसके बाद जब से देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई तभी से गुजरात में भारतीय गणराज्य में देशी रियासतों को मिलाने वाले महापुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की विश्व की लंबी प्रतिमा स्थापित कर उनके योगदान का सम्मान किया।

उसके बाद राम मंदिर निर्माण के साथ ही अयोध्या में राम दरबार सज गया। अयोध्या, मथुरा, काशी तथा नैमिषारण्य का सुंदरीकरण कराया गया और अब आज ही के दिन 10 जून 1034 को विदेशी आक्रांता को धूल चटाने वाले महापराक्रमी चक्रवर्ती सम्राट महाराजा सुहेलदेव के विजयोत्सव पर उनकी 17 फुट ऊंची और चालीस फिट लंबी प्रतिमा की स्थापना करने के साथ आजमगढ़ में निर्मित विश्वविद्यालय का नाम महाराजा सुहेलदेव के नाम पर रखा गया। महाराजा सुहेलदेव पर शोध करने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने की योजना शुरू की गई है।

विश्वनाथ धाम में दर्शन के नाम पर भक्तों से उगाही 21 गिरफ्तार

वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से उगाही करने के आरोप में एसीपी दशाश्वमेध डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने 21 लोगों को पकड़ा है। इस कार्रवाई से मंदिर के आसपास लोगों में खलबली मची है। बता दें कि पिछले कई महीने से काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के नाम पर उगाही का खेल चल रहा था। इसे लेकर पिछले कुछ दिनों से लगातार छानबीन चल रही थी, जिसमें पुलिस को बड़ी सफलता हासिल हुई है।

अखिलेश यादव ने महाकुंभ में मौत पर उठाया सवाल

महानगर संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जनवरी में प्रयागराज महाकुंभ के दौरान हुई मौत की संख्या पर 37 बनाम 82 का सवाल उठाया है। यादव ने एक समाचार रिपोर्ट के आधार पर योगी आदित्यनाथ सरकार से सवाल पूछा है कि कुछ मृतकों के परिजनों को नकद में मुआवजा क्यों दिया गया। भगदड़ के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने 30 श्रद्धालुओं की मौत की बात बताई थी। अखिलेश यादव ने "तथ्य बनाम सत्य : 37 बनाम 82" नाम से एक लंबी पोस्ट एक्स पर लिखी है जिसका आधार ताजा समाचार रिपोर्ट है।

अखिलेश यादव ने ट्वीट में आरोप लगाया है कि सवाल सिर्फ आंकड़े छिपाने का नहीं है, सदन के पटल पर असत्य बोलने का भी है। उन्होंने पूछा है कि मुआवजे में कैश क्यों दिया गया, कैश कहां से आया, जिनको कैश नहीं मिला वो वापस किसके पास गया, नकद मुआवजा देने का निर्णय किस नियम के तहत हुआ, नकदी का वितरण किसके आदेश पर हुआ, नकदी वितरण का आदेश कहां है और क्या नकदी वितरण में कोई अनियमितता हुई है। अखिलेश ने यह सवाल भी उठाया है कि मौत का कारण बदलने का

नकद में मुआवजा क्यों दिया गया?

दबाव किसके कहने पर बनाया गया। अखिलेश यादव ने कहा है- "ये रिपोर्ट अंत नहीं, महाकुंभ में हुई मृत्युओं और उनसे जुड़े पैसों के महासत्य की खोज का आरंभ है। सत्य जब उजागर होता है तो झूठ की परत-दर-परत खुलती है, जो स्वांग के हर चोगे और मुखौटे को उतारती जाती है, परदे उठाती जाती है। झूठ का कोई भी सूचना-प्रबंधन ऐसे सत्य को बाहर आने से नहीं रोक सकता।" रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उसने 82 ऐसे परिवारों से संपर्क किया है जिनके परिजनों की महाकुंभ भगदड़ में मौत हुई थी। सरकार ने जिन 37 लोगों की मौत कबूली है, उनके परिजनों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा मिला है। बीबीसी हिन्दी का दावा है कि उसके पत्रकारों को इन 37 परिवारों के अलावा 45 दूसरे परिवार भी मिले हैं, जिनके घर से मौत हुई है।

कांवड़ में फूड जेहाद रोकने के लिए 5000 हिन्दू वीरों की बनेगी टीम

महानगर संवाददाता

मुजफ्फरनगर

इस साल जुलाई के दूसरे सप्ताह से कांवड़ यात्रा शुरू हो रही है। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी लगातार बैठकें कर तैयारी में डटे हैं, वहीं अब हिन्दू संगठनों ने फूड जिहाद रोकने की मांग ने टेंशन बढ़ा दी है। योग साधना आश्रम सावन के महंत स्वामी यशवीर ने ऐलान किया कि 5000 हिन्दू वीरों की टीम कांवड़ में फूड जेहाद रोकेगी। जिसमें कांवड़ मार्ग पर किसी भी मुस्लिम को खान-पान की दुकान नहीं चलाने दी जाएगी। स्वामी यशवीर ने बताया कि सावन माह 10 जुलाई से शुरू हो रहा है. उन्होंने बताया कि हर साल लाखों शिव भक्त हरिद्वार की हर की पौड़ी से गंगाजल लेकर मुजफ्फरनगर के रास्ते अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करते हैं. यात्रा में फूड जिहाद को रोकने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गयीं हैं. हमारी टीमें कावड़ मार्ग पर भ्रमण करेंगी और उन दुकानों पर नजर रखेगी जहां कोई भी मुस्लिम व्यक्ति हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर या अपना असली नाम छुपाकर खान-पान की दुकान चला रहा है. यशवीर महाराज ने बताया कि कांवड़ मार्ग पर गांवों और दुकानों पर पहुंचकर हिंदू समाज के लोगों से संपर्क किया जा रहा है. इस मुहिम में अब तक 5000 लोगों की टीम तैयार हो चुकी है. यह टीम मुजफ्फरनगर व आसपास के जिलों में भी नजर रखेगी जहां से शिव भक्त कावड़ लेकर गुजरते हैं।

योगी सरकार भाजपा दरगाहों और मस्जिदों के सामने लगाएगी चौपाल

महानगर संवाददाता

लखनऊ

यूपी में भाजपा दरगाहों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों जैसे धार्मिक स्थलों के सामने चौपाल लगाएगी। इसके माध्यम से अल्पसंख्यकों को लुभाने की कोशिश होगी। चौपालों पर ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी और सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने का कार्य किया जाएगा। इन चौपालों में संविधान की पुस्तिकाओं का भी वितरण किया जाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर प्रबुद्ध मुस्लिम वर्ग को भाजपा से जोड़ने के लिए 'अल्पसंख्यकों का पैगाम, मोदी के साथ मुसलमान' विषय पर सभी महानगरों में सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। भाजपा के

इस कदम से सपा-बसपा और कांग्रेस में हलचल मचनी शुरू हो गई है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने मंगलवार को बताया कि अल्पसंख्यक मोर्चा पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का प्रतीक बन चुके 'ऑपरेशन सिंदूर' और सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को अल्पसंख्यक वर्ग तक पहुंचाने के लिए पूरे प्रदेश में दरगाहों, मदरसों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों जैसे धार्मिक स्थलों के बाहर चौपालें आयोजित करेगा। उन्होंने बताया कि इन चौपालों में भारतीय संविधान की पुस्तिका का वितरण भी किया जाएगा ताकि अल्पसंख्यक समाज के लोग अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो सकें। इन चौपालों का आयोजन 11 जून को शुरू होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के कार्यों व भाजपा की रीति नीति से अवगत कराने के लिए 'अल्पसंख्यकों का पैगाम, मोदी के साथ मुसलमान' विषय पर आयोजित किए जाने वाले सम्मेलन की शुरुआत 12 जून 2025 से लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में होने वाले कार्यक्रम से की जाएगी।

सुभासपा में अंतर्कलह

ओपी राजभर के करीबी रहे नेता कार्यकर्ता ने जड़े थप्पड़

महानगर संवाददाता

जौनपुर

जिले से एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक व्यक्ति को माला पहनाने के बाद उसे पीटा जा रहा है। वीडियो को लेकर बताया जाता है कि यह वीडियो जौनपुर के ज़फ़राबाद के आशापुर गांव में सुहेलदेव जयंती के अवसर का है। यह कार्यक्रम जाफराबाद थाना क्षेत्र के आशापुर में हुआ था। इस वीडियो के वायरल होने पर यूपी के सियासी हल्कों में चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है।

दरअसल, मऊ जिले के रहने वाले सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र राजभर उर्फ कटप्पा को उनके साथी व सुभासपा कार्यकर्ता बृजेश राजभर ने जौनपुर के ज़फ़राबाद के आशापुर गांव में सुहेलदेव जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में माला पहनाने के बाद महेंद्र राजभर को पीटा गया। सुभासपा कार्यकर्ता

बृजेश राजभर ने माला पहनाने से पहले कहा कि, "जितने भी लोगों को अपने विधानसभा और लोकसभा में भेजा, उन्होंने हम लोगों की पैरवी नहीं बल्कि अपनी पैरवी कर अपने बेटे और परिवार के लिए काम कर रहे हैं। राजा सुहेलदेव के नाम को बेचा जा रहा है। कुछ ऐसे आताताई हैं जिनका हम त्याग करेंगे।" इसके बाद उन्होंने महेंद्र राजभर को पीटते हुए कहा कि पार्टी बनवली हम मलाई कटबा तू'

2017 विधानसभा चुनाव हार गए थे महेंद्र राजभर

आपको बता दें कि साल 2017 के विधानसभा चुनाव में महेंद्र राजभर बाहुबली माफिया मुख्तार अंसारी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के सिंबल से ओमप्रकाश राजभर के पार्टी के गठबंधन में चुनाव लड़े थे जिसमें वह मुख्तार अंसारी से लगभग 6000 वोट से हार गए थे। इसी 2017 चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें मऊ की एक जनसभा में कटप्पा का खिताब दिया था, कहा था कि यही कटप्पा बाहुबली का सफाया करेगा। सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र राजभर उर्फ कटप्पा ने एक इंटरव्यू के दौरान उत्तर प्रदेश की मऊ विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ने की घोषणा की है. उन्होंने कहा कि 'मैं मऊ सीट से लड़ने को तैयार, सपा के मुखिया को दावेदारी का आवेदन दे दिया है.' आपको बता दें कि हेट स्पीच मामले में मऊ सदर सीट से विधायक अब्बास अंसारी को MP MLA कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई है जिसके बाद उपचुनाव की स्थिति बनी है।

अब छात्र कर सकेंगे AI और होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई

महानगर संवाददाता

गोरखपुर

प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की तलाश कर रहे अभ्यर्थियों के लिए अब शहर में ही कई सारे विकल्प मिल जाएंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएमएमयूटी में आगामी सत्र (2025-26) से नए कोर्स शुरू हो रहे हैं। इसमें डीडीयू में एआई, होटल मैनेजमेंट भी शामिल हैं। वहीं एमएमएमयूटी में बीटेक के छात्रों के लिए गीता, वैदिक गणित व कई अन्य कोर्स शुरू किए जा रहे हैं।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आगामी सत्र से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डाटा साइंस, एमसीए, होटल मैनेजमेंट में मास्टर्स, कंप्यूटर साइंस में एमटेक, जीएसटी सर्टिफिकेट कोर्स और कैपिटल मार्केट में पीजी डिप्लोमा कोर्स की पढ़ाई होगी। एमएमएमयूटी में बीटेक के छात्र गीता, वैदिक गणित व अन्य कोर्स में आसानी से प्रवेश ले सकेंगे। इससे उन्हें एक दूसरे जगह कोर्स के लिए नहीं जाना होगा।

एडवांस्ड साइबर फॉरेंसिक लैब नई तकनीक सीखेंगे छात्र

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में खाद्य पदार्थों और दवाओं की गुणवत्ता की जांच के लिए सेंटर फॉर फूड एंड ड्रग टेक्नोलॉजी बनेगा। इसमें शोधार्थियों को शोध के अवसर मिलेंगे। साथ ही कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के छात्र एडवांस्ड साइबर फॉरेंसिक लैब में नई तकनीकी सीख सकेंगे। साइबर अपराधों में उपयोग होने वाली तकनीक जैसे मैलवेयर या हैकिंग टूल्स साइबर अपराधी अक्सर अपनी पहचान छिपाने के लिए वीपीएन, टोर नेटवर्क, या फर्जी खातों का उपयोग करते हैं। इससे उनकी पहचान करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए साइबर फॉरेंसिक लैब में छात्रों को नई तकनीकी से अवगत कराया जाएगा। आने वाले समय में छात्रों की जरूरतों को देखते हुए इन कोर्स को शुरू किया गया है। ताकि उन्हें एक ही जगह सारी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। विश्वविद्यालय के छात्रों को नई तकनीकी से जुड़ने का मौका मिले। प्रतियोगिता के दौर में छात्रों को नई चीजें सीखने का अवसर मिलेगाः प्रो.पूनम टंडन, कुलपति डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय

फोरलेन पर सफाई कर रही महिला मजदूरों को ट्रक ने मारी टक्कर, तीन गंभीर घायल

महानगर संवाददाता

वाराणसी

वाराणसी-बाबतपुर फोरलेन पर मंगलवार सुबह दर्दनाक हादसे में तीन महिला सफाईकर्मी घायल हो गईं। सुबह करीब 9:30 बजे सातोमहुआ के पास तेज रफ्तार ट्रक ने सफाई कार्य में लगे मजदूरों और ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दिया। हादसे में तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ट्रैक्टर चालक सुनील के अनुसार फोरलेन के डिवाइडर पर लगे सजावटी पौधों की छंटाई और डिवाइडर के पास जमा हुए मलबे की सफाई का कार्य कई दिनों से चल रहा है। मंगलवार को भी कार्यदायी संस्था की ओर से मजदूर तैनात थे। इसी दौरान वाराणसी से बाबतपुर की ओर जा रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने मजदूरों के साथ ही ट्रैक्टर को भी टक्कर मार दिया। हादसे में जंसा की निशा देवी और चंदा देवी तथा लहिया की बिंदू देवी घायल हो गईं। तीनों महिलाओं को आनन-फानन में स्थानीय लोगों द्वारा नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ागांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया। इस बारे में थानाध्यक्ष बड़ागांव ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है।

एकतरफा प्यार में युवक ने सुसाइड नोट लिखकर लगाई फांसी

ललितपुर। यूपी के ललितपुर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नदीपुरा निवासी एक युवक ने एक तरफा प्यार में दुखी होकर सुसाइड नोट लिखकर फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और उसके पास मिले सुसाइड नोट के आधार पर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नदीपुरा निवासी अंकित पस्तोर (28) पुत्र पुरुषोत्तम नारायण ने सोमवार की रात को घर में गले में फंदा डालकर लटक गया। यह देख परिजन उसे मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं मृतक के पास से दो पन्नों का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें युवक ने एक लड़की से प्रेम विवाह करने की इच्छा जताई थी।

फिर टली प्रवक्ता पीजीटी की परीक्षा इससे पहले दो बार हो चुकी है स्थगित

महानगर संवाददाता

प्रयागराज

प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रवक्ता (पीजीटी) भर्ती के लिए 18 व 19 जून को होने वाली परीक्षा स्थगित कर दी गई है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग में मंगलवार को हुई बैठक के बाद अपिरहार्य कारणों से परीक्षा स्थगित करने का निर्णय लिया है। इससे पहले दो बार यह परीक्षा स्थगित हो चुकी है।

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के 3539 पदों और प्रवक्ता (पीजीटी) के 624 पदों पर भर्ती के लिए नौ जून, 2022 को विज्ञापन जारी कर आवेदन मांगे गए थे। आवेदन की अंतिम तिथि नौ जुलाई, 2022 थी, लेकिन बाद में इसे एक हफ्ते के लिए विस्तारित कर दिया गया था और 16 जुलाई, 2022 तक आवेदन लिए गए थे। आवेदन की प्रक्रिया को पूरा हुए तीन साल होने जा रहे हैं, लेकिन अब तक दोनों परीक्षाएं नहीं कराई जा सकी हैं। पीजीटी परीक्षा पहले 11 व 12 अप्रैल, 2025 को निर्धारित थी, जिसे स्थगित कर नई तिथि 20 व 21 जून घोषित की गई थी और बाद में 18 व 19 जून को परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया। अब तीसरी बार यह परीक्षा टलने के आसार हैं। परीक्षा में महज नौ दिन शेष रह गए हैं और आयोग ने अब तक प्रवेश पत्र जारी नहीं किए हैं। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को आयोग की बैठक में परीक्षा कराने को लेकर कोई निर्णय लिया जा सकता है। पीजीटी के लिए 4.50 लाख अभ्यर्थियों ने दावेदारी की है। वहीं, टीजीटी के लिए 8.69 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। वे भी तीन साल से परीक्षा का इंतजार कर रहे हैं। टीजीटी परीक्षा 21 व 22 जुलाई को प्रस्तावित है।

लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्र को धमकाने वाले पर FIR

महानगर संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के एक नेता के खिलाफ लखनऊ विश्वविद्यालय के एक दलित शोधार्थी को फोन पर धमकाने के आरोप में बलिया में प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय में दलित शोधार्थी और तुर्तीपार गांव के निवासी दीपक कन्नौजिया की शिकायत पर सोमवार देर रात को उभांव थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई. शिकायती प्रार्थना पत्र का हवाला देते हुए पुलिस ने कहा कि भाजपा नेता और खंड प्रमुख आलोक सिंह ने कथित तौर पर 21 मई को कन्नौजिया को फोन किया

और उनके साथ दुर्व्यवहार किया, उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया तथा जान से मारने की धमकी दी. आलोक सिंह पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे और राज्यसभा सदस्य नीरज शेखर के करीबी रिश्तेदार हैं. शिकायतकर्ता ने दावा किया कि आलोक सिंह ने इस दौरान कहा, ''अगर आप चाहें तो इस बातचीत को रिकॉर्ड कर लें. मैं प्रशासन या उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था से नहीं डरता.''छात्र दीपक कन्नौजिया ने आरोप लगाया कि आलोक सिंह की उनके परिवार से पुरानी राजनीतिक दुश्मनी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार प्रताड़ित किए जाने के कारण उनके पिता कमलेश कन्नौजिया की 31 अक्टूबर 2024 को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई. उन्होंने यह भी आशंका जताई कि आलोक सिंह गांव में अकेली रहने वाली उनकी मां की हत्या करवा सकते हैं।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओमवीर सिंह ने मंगलवार को बताया कि घटना से संबंधित एक ऑडियो क्लिप हाल में सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई थी। रसड़ा क्षेत्राधिकारी आलोक गुप्ता ने प्रारंभिक जांच की, जिसके बाद नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी. वहीं भाजपा के बिल्थरा रोड क्षेत्र के अध्यक्ष अरुण कांत तिवारी ने पुष्टि की कि आलोक भाजपा से जुड़े हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का गढ़ नया बना आगरा, युवाओं को बना रहा शूटर!

महानगर संवाददाता

आगरा

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का गैंग यूपी में तेजी से सक्रिय होता जा रहा है। राजस्थान, एमपी और दिल्ली से करीब आगरा में दूसरी बार बाह क्षेत्र से उसके शूटर पकड़े गए हैं। बेरोजगारी और जल्द कमाई के लालच में कई युवा लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ रहे हैं। ताजा मामला श्रीगंगानगर (राजस्थान) का है, जहां कारोबारी पर फायरिंग करने के बदले बाह निवासी प्रदीप उर्फ गोलू पंडित को पिस्टल और एक लाख रुपये दिए गए थे। गैंग से जुड़ी जानकारी ने पुलिस को चौंका दिया

है। लॉरेंस गैंग रंगदारी वसूलता है, धमकी देता है, फायरिंग कराता है और हत्या तक करवा देता है। सैकड़ों की संख्या में उसके शूटर हैं, जो निर्देश मिलते ही खुलेआम गोलियां चलाते हैं। आगरा में यह पहला मामला नहीं है, इसके पहले भी तीन शूटर पकड़े गए थे, और वे भी बाह क्षेत्र से ही थे।

31 जनवरी 2023 को जैतपुर थाना क्षेत्र से जयप्रकाश उर्फ जेपी (एमपी कॉलोनी, बीकानेर), ऋषभ उर्फ यशचंद्र रजवार (रामपुरा बस्ती, बीकानेर), प्रदीप शुक्ला उर्फ बाबा शुक्ला (डिफेंस कॉलोनी, बाह), और भूपेंद्र गुर्जर उर्फ थापा (बड़ा गांव, बाह) को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। आरोपियों ने जयपुर में एक होटल कारोबारी पर गोलियां चलाई थीं। उससे भी रंगदारी मांगी गई थी। ताजा मामले में गिरफ्तार गोलू पंडित से पूछताछ में खुलासा हुआ कि गैंग हाईटेक तरीके से काम करता है। शूटरों को मैसेज के जरिए निर्देश दिए जाते हैं।

रेल राज्यमंत्री के पीए के लेटर पर VIP कोटे में टिकट, टीटीई ने पकड़ा तो मचा हड़कंप

गोरखपुर। यूपी में अफसरों के नाम पर फर्जी पैड के जरिए कोटा कराने की जांच पूरी भी नहीं हो पाई है कि एक और बड़ा मामला प्रकाश में आया है। दादर एक्सप्रेस में पांच ऐसे यात्री पकड़े गए हैं जिनको हेड ऑफिस (वीआईपी) कोटा से बर्थ का आवंटन हुआ था और उन्होंने सीट कंफर्म कराने के लिए एजेंट को 27500 रुपये दिए थे। रेल राज्यमंत्री के पीए द्वितीय के पत्र पर इन यात्रियों को एचओ कोटा से सीट आवंटित की गई थी। टीटीई की रिपोर्ट के बाद क्षेत्रीय मुख्यालय से लेकर रेलवे बोर्ड तक इस मामले की चर्चा हो रही है। वहीं, विभाग में इसे लेकर हड़कंप मच गया है। बीते छह जून को रेलवे बोर्ड से विभिन्न अफसरों के सिफारिशी पत्र गोरखपुर में कोटे से सीट आवंटन के लिए आए। एक पत्र रेल राज्य मंत्री के पीए द्वितीय की तरफ से आया। पत्र में दादर एक्सप्रेस में एसी थर्ड में पांच सीट कोटे से आवंटित करने के लिए कहा गया था। सीट आवंटित कर दी गई। जब वाराणसी में टीटीई ने संबंधित पीएनआर के यात्री से फार्म भरवाया तो उसने लिखा कि टिकट एजेंट के जरिए कराया था और इसके लिए प्रत्येक टिकट 5500 रुपये दिए थे। टीटीई ने फार्म को मुख्यालय भेजवा दिया। रेलवे के वाणिज्य विभाग से टिकट कन्फर्म के लिए एचओ (हेड ऑफिस) कोटा जारी होता है। कुछ दलाल एचओ कोटे से टिकट कन्फर्म कराने में लगे रहते हैं। इसके लिए वे रेलवे अधिकारियों का फर्जी लेटर हेड प्रयोग उसे कोटा आवंटन के लिए भेज देते हैं।

जनता का नक्शा रोकने वाले अफसरों की अब खैर नहीं : आवास आयुक्त

महानगर संवाददाता

लखनऊ

जनता के नक्शे रोकने और उस पर अनाश्वयक आपत्तियां लगाने वाले आवास विकास के अफसर नपेंगे। आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने मामले में कड़ा रुख अपनाया है। प्लानिंग व मानचित्र विभाग के अफसरों को सख्त हिदायत दी है कि अगर नक्शे पास करने में किसी तरह की शिकायत व लापरवाही मिली तो कड़ी कार्यवाही होगी। किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

आवास विकास के मानचित्र विभाग में आर्किटेक्ट का लम्बे समय से काकस बना है। तमाम अधिकारी

आए और चले गए वह इसे तोड़ नहीं पाए। यहां आसानी से किसी का भी नक्शा नहीं पास होता है। यहां जमे प्लानर अनावश्यक आपत्तियां लगाते हैं। आवासीय प्लाट हो या फिर व्यावसायिक, बिल्डरों के नक्शे हों या आवंटियों के कोई भी नक्शा ऐसा नहीं होता जिस पर आपत्ति न लगाते हों। एक एक नक्शे में सात सात बार आपत्ति लगाते हैं। यह उनका जनता को परेशान करने का तरीका है। इसके नाम पर लोगों का शोषण भी होता है। आवास आयुक्त ने मामले की जानकारी के बाद विभाग के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी है। साफ कहा है कि अगर मानचित्र विभाग की कोई भी शिकायत मिली तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी। आवास आयुक्त ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि वह 10 से 12 बजे के बीच नियमित जनता की शिकायतें सुनें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं होगी।

'हम दो, हमारे दो'से नीचे चला गया भारत

आबादी का स्तर बनाए रखना गंभीर चुनौती

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत की आबादी इस साल के अंत तक 1.46 अरब तक पहुंचने का अनुमान है, लेकिन प्रजनन दर गिरकर 1.90 प्रति महिला तक गिर गया है जो आबादी के स्तर को बनाए रखने के लिए जरूरी 2.1 से कम है। नीतिगित हस्तक्षेप के जरिए अगर इस ट्रेंड को बदला नहीं गया, तो भारत में जनसंख्या के स्तर को लंबे समय तक बनाए रख पाना चुनौतीपूर्ण होगा। संयुक्त राष्ट्र की नयी जनसांख्यिकी रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की प्रजनन दर प्रतिस्थापन दर से नीचे आ गई है।

'वास्तविक प्रजनन संकट' शीर्षक वाली यूएनएफपीए की 'विश्व जनसंख्या स्थिति (SOWP) रिपोर्ट 2025' घटती प्रजनन क्षमता से घबराने के बजाय अधूरे प्रजनन लक्ष्यों पर ध्यान देने को कहती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि लाखों लोग अपने प्रजनन लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार कम या अधिक जनसंख्या के बजाय वास्तविक संकट यही है और इसका उत्तर बेहतर प्रजनन क्षमता में निहित है। रिपोर्ट में जनसंख्या संरचना, प्रजनन क्षमता और जीवन प्रत्याशा में बदलावों का भी खुलासा किया गया है, जो एक बड़े जनसांख्यिकीय परिवर्तन का संकेत है। रिपोर्ट में पाया गया कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर प्रति महिला 1.9 जन्म रह गई है, जो प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे है।

द्वारका की एक बिल्डिंग में लगी भीषण आग

- जान बचाने के लिए 7वीं मंजिल से कूदे 3 लोग
- पिता समेत दो बच्चों की मौत

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

द्वारका में लगी भीषण आग की सूचना पर दमकल विभाग की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं और आग बुझाने का काम शुरू किया गया था। आग पर तो काबू पा लिया गया, लेकिन उस दौरान 7वीं मंजिल से कूदे तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इसमें एक पिता और दो बच्चे शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक इससे पहले दमकल विभाग को सुबह 10 बजकर 01 मिनट पर आग की कॉल की गई, जिसके तुरंत बाद राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें अपार्टमेंट की बिल्डिंग के टॉप फ्लोर पर धू-धू कर आग जलते देखा जा सकता है।

गौरतलब है कि द्वारका के एमआरवी स्कूल के पास मौजूद सबद अपार्टमेंट में आग लगी तो आस पास अफरा तफरी मच गई। जिस बिल्डिंग में आग लगी, उसमें रहने वाले तमाम लोगों ने यह आरोप लगाया कि अपार्टमेंट की कमेटी के लोगों को जब इसकी जानकारी दी गई, तो उनकी तरफ से कोई कदम नहीं उठाया गया और इस पूरे मामले में लापरवाही बरती गई, जिसके चलते हादसा ज्यादा बड़ा हो गया। दिल्ली फायर सर्विसेज के अनुसार द्वारका इलाके के सेक्टर 13 के सबद अपार्टमेंट की दो फ्लोर पर यह आग लगी।

पहली बार मनरेगा में खर्च की सीमा तय

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

देशभर के ग्रामीण इलाकों में श्रमिकों को रोजगार की गारंटी देने वाली महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) पर पहली बार केंद्र सरकार ने खर्च सीमा की पाबंदी लगाई है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में मनरेगा के तहत होने वाले खर्च को कुल वार्षिक आवंटन का 60 फीसदी तक सीमित कर दिया है। अब तक इस योजना में खर्च की कोई सीमा तय नहीं थी और यह मांग के आधार पर संचालित योजना रही है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय को सूचित किया है कि अब इस योजना के तहत होने वाले खर्च को मासिक/त्रैमासिक व्यय योजना (MEP/QEP) के तहत लाया जाएगा, जो एक खर्च पर नियंत्रण का एक तरीका है। हालांकि इस योजना को अब तक इस तरह के नियंत्रण उपायों से छूट मिली हुई थी।

केंद्र सरकार ने क्यों लगाई पाबंदी?

पिछले महीने वित्त मंत्रालय ने भेजी चिट्ठी

बता दें कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों के तहत कैश फ्लो और गैर जरूरी उधारी को कम करने और उसे नियंत्रित करने के लिए 2017 में मासिक/त्रैमासिक व्यय योजना की शुरुआत की थी, लेकिन मनरेगा स्कीम को इससे बाहर रखा था। ऐसा कहा जा रहा है कि वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत में ही वित्त मंत्रालय ने ग्रामीण विकास मंत्रालय को निर्देश दे दिए थे कि वह मनरेगा को भी मासिक/त्रैमासिक व्यय योजना ढांचे में शामिल करे।

ग्रामीण विकास मंत्रालय की योजना नामंजूर

रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण विकास मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय के बजट विभाग को मनरेगा के लिए एक मासिक/त्रैमासिक व्यय योजना पेश की थी, जिसमें वित्त वर्ष 2025-26 की पहली दो तिमाही में अधिक खर्च सीमा का प्रस्ताव दिया था लेकिन वित्त मंत्रालय ने उसे खारिज कर दिया है और उसे 60 फीसदी तक तय कर दिया है।

नमो सर्वे का तहलका

मोदी सरकार के 11 साल पर एक दिन में 5 लाख से ज्यादा रेस्पॉन्स

यूपी के बाद यह राज्य सबसे आगे

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर एक सर्वे किया गया है। यह सर्वे नमो ऐप पर किया गया है। इसका मकसद है कि लोग केंद्र सरकार के बारे में अपनी राय बताएं। एक दिन में ही 5 लाख से ज्यादा लोगों ने इस सर्वे में हिस्सा लिया। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 77% लोगों ने पूरे सर्वे में भाग लिया। इससे पता चलता है कि लोगों को इस 'राष्ट्रीय संवाद' में भाग लेने में बहुत दिलचस्पी है। सर्वे में सबसे ज्यादा लोग उत्तर प्रदेश से जुड़े। उसके बाद महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात और हरियाणा का नंबर है।

पीएम मोदी ने की थी 'जन मन सर्वे' की घोषणा

जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश से 1,41,150 से ज्यादा लोगों ने जवाब दिया है। महाराष्ट्र से 65,775, तमिलनाडु से 62,580, गुजरात से 43,590 और हरियाणा से 29,985 लोगों ने अपनी राय दी है। एक अधिकारी ने कहा कि यह अनोखा सर्वे लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल करने के लिए बनाया गया है। इससे लोग अहम मुद्दों और सरकारी योजनाओं पर अपनी राय दे सकते हैं। पीएम मोदी ने सोमवार को 'जन मन सर्वे' की घोषणा की थी। इसी दिन उन्होंने 2024 में तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। यह सर्वे लोगों को सरकार के साथ सीधे अपनी राय साझा करने का मौका देता है। अधिकारियों ने कहा कि सर्वे से यह सुनिश्चित होगा कि लोगों की आवाज सुनी जाए और भविष्य की नीतियां बनाते समय उस पर ध्यान दिया जाए।

सर्वे में लोगों से पूछे गए हैं कई तरह के सवाल

सर्वे में कुछ सवाल पूछे गए हैं। जैसे कि पिछले 10 सालों में आतंकवाद से निपटने के तरीके में क्या बदलाव आया है? राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सरकार की कार्रवाई को देखते हुए आप खुद को कितना सुरक्षित महसूस करते हैं? क्या आपको लगता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बात पहले से ज्यादा सुनी और मानी जा रही है?

बंगाल में पोर्न रैकेट चलाने की आरोपी की टीएमसी नेताओं संग तस्वीरें

मचा बवाल, BJP ने साधा निशाना

महानगर नेटवर्क
हावड़ा

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में अश्लील फिल्म रैकेट चलाने के आरोप में श्वेता खान और उसके बेटे की पुलिस तलाश कर रही है। इस बीच श्वेता की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के साथ तस्वीरें सामने आई हैं, जिसे लेकर राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। इनमें श्वेता खान टीएमसी के राज्य मंत्री अरूप रॉय, सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय और पूर्व मंत्री राजिब बनर्जी के साथ दिख रही हैं। अपने फेसबुक प्रोफाइल में वह खुद को टीएमसी कार्यकर्ता बताती हैं। इनमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की तस्वीरें भी शामिल हैं। भाजपा ने इसका हवाला देकर टीएमसी पर निशाना साधा है और ममता सरकार की महिलाओं की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए हैं। 23 साल की श्वेता खान उत्तर 24 परगना जिले के सोदेपुर की रहने वाली है। उस पर अश्लील वीडियो शूट करने से इंकार करने पर 6 महीने तक बंधक बनाने और क्रूरता से मारपीट करने का आरोप है। पीड़िता फिलहाल सागर दत्ता मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में जीवन के लिए संघर्ष कर रही है। उसने बताया कि उसके हाथ, पैर और दांत तोड़े गए। आरोपियों ने उसके निजी अंगों में लोहे की रॉड डालने की कोशिश की। इस तरह उसके साथ क्रूर बर्ताव किया गया। पुलिस के अनुसार, श्वेता खान एक इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी की आड़ में सेक्स रैकेट चलाती थी। पुलिस ने श्वेता खान और उसके बेटे की तलाश शुरू कर दी है, जो अभी फरार हैं।

अमरावती को वेश्याओं की राजधानी कहने पर बवाल

पत्रकार के खिलाफ सख्त ऐक्शन की मांग

महानगर नेटवर्क
अमरावती

राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती को 'वेश्याओं की राजधानी' बताने वाले पत्रकार के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। एनसीडब्ल्यू ने ऐसी टिप्पणियों पर मीडिया में आई खबरों का स्वतः संज्ञान लेते हुए कड़ी नाराजगी जताई। इसने कहा कि वह सार्वजनिक चर्चा में इस तरह के अस्वीकार्य और भड़काऊ बयानों की कड़ी निंदा करता है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने बयान में कहा, 'अमरावती को वेश्याओं की राजधानी कहना महिला किसानों का घोर अपमान है। एनसीडब्ल्यू सार्वजनिक चर्चा में इस तरह के अस्वीकार्य और भड़काऊ बयानों की कड़ी निंदा करता है।' एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने आंध्र प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (DGP) को पत्र लिखकर इस मामले में त्वरित और समयबद्ध जांच करने का निर्देश दिया है।

ऑस्ट्रिया के एक स्कूल में भीषण गोलीबारी, 11 की मौत और कई घायल

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

ऑस्ट्रिया से एक हैरान करने वाली खबर आई है। यहां पर एक स्कूल में हमलावर द्वारा भीषण गोलीबारी की गई। इसमें 11 लोगों की मौत की खबर है। एक मीडिया ने वहां के स्थानीय अखबार के हवाले से बताया कि ऑस्ट्रिया के शहर ग्राज में मंगलवार को एक स्कूल में शूटर द्वारा गोलीबारी की गई। इसमें 11 लोगों की मौत हुई है। इस घटना के हमलावर ने खुद को भी गोली मार ली और उसकी मौत हो गई। वहीं ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय ने कितने लोगों की मौत हुई है, इसकी पुष्टि नहीं की है। गृह मंत्रालय ने कहा कि वारदात को किसने और क्यों अंजाम दिया, इसके बारे में भी कोई जानकारी नहीं है।

इंडियन कोस्ट गार्ड ने किया ऐसा कमाल

चीन भी हो गया फैन, जता रहा आभार

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सीमा विवाद और पाकिस्तान के हिमायती होने के चलते भारत के साथ चीन के संबंध तनावपूर्ण ही बने रहते हैं। हालांकि भारतीय तटरक्षक बलों की सतर्कता और मदद की भावना से चीन भी प्रभावित है। केरल के तट के पास सिंगापुर के एक शिप एमवी वैन हाई 503 में विस्फोट और आग लगने के बाद भारतीय तटरक्षक बलों ने तुरंत अपने शिप का काम पर लगा दिया और आग पर काबू पा लिया गया। इस शिप के चालक दल में चीन के नागरिक भी शामिल थे। भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर भारतीय नौसेना और मुंबई तटरक्षक बल का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस शिप में कुल 22 चालक दल के सदस्य थे, जिनमें से 14 चीन के थे। केरल के अझिक्कल से 44 नॉटिकल माइल्स की दूरी पर शिप में आग लग गई थी। कोलंबो से न्हावा शेवा के सफर के दौरान शिप में आग लग गई थी। इस दुर्घटना में कम से कम चार क्रू मेंबर लापता हो गए और पांच लोग घायल हुए हैं। यह शिप एक कंटेनर्स लेकर जा रहा था। शिप में आग लगने के बाद आईसीजीएस राजतूत, आईसीजीएस अर्णवेश और आईसीजीएस सचेत को तुरंत रवाना किया गया। इंडियन कोस्ट गार्ड ने बताया था कि सिंगापुर के झंडे वाले एमवी वैन हाई 503 को तुरंत सहायता दी गई। आईसीजी एयरक्राफ्ट ने एयर ड्रॉपेबल के जरिए आग बुझाई। वहीं सहायता के लिए भारतीय तटरक्षक बल की चार शिप तुरंत रवाना की गई थी। बताया गया कि शिप के बीच में कंटेनर में आग लगी थी। आग पर काबू पा लिया गया। इसके बाद भी काला धुआं उठता रहा। कोस्ट कार्ड ने बताया कि समुद्र प्रहरी और सचेत बाउंड्री कूलिंग के काम में लगे हैं। वहीं आईसीजी शिप समर्थ को भी तैनात किया गया है। सबीच मंगलुरु के पुलिस उपायुक्त (कानून एवं व्यवस्था) सिद्धार्थ गोयल ने बताया कि आईएनएस सूरत के जरिए लाए गए 18 सदस्यों में से दो गंभीर रूप से घायल हैं वहीं चार को मामूली चोटें आई हैं।

आश्रयहीन महिलाओं के लिए 'अपना घर आश्रम'

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली/मुंबई

आश्रयहीन असहाय बीमार प्रभुजनों की सेवार्थ मालाड पूर्व में शिशु वेलफेअर ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा संचालित अपना घर आश्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जॉइन्ट कमिश्नर लॉ एंड आर्डर सत्यनारायण चौधरी (आयपीएस) के हाथों हुआ। देश के अन्य भागों में लगभग 65 अपना घर आश्रम है और मालाड पूर्व जनरल ए.के. वैद्य मार्ग वेलेंटाइन कॉम्प्लेक्स में लाचार बेसहारा जरूरतमंद महिलओं के लिए अब शुरु किया गया। मुंबई में महिलाओं के लिए पहला और वसई में पुरुषों के लिए निस्वार्थ भाव से यह आश्रम चलाया जा रहा है।

इस मौके पर अन्य अतिथि निधि चौधरी (आईएएस), वीरपाल सिंह (राष्ट्रीय संरक्षक), डॉ. माधुरी भारद्वाज, संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज, राष्ट्रीय अध्यक्ष रामस्वरूप अग्रवाल, चेयरमैन सुभाष गुप्ता, प्रेसिडेंट अंबिका अग्रवाल, सचिव सीमा मुकीम, संयुक्त सचिव शिवानी पटोदिया, कोषाध्यक्ष मंजू मुरारका और संयुक्त कोषाध्यक्ष रश्मी हरलालका और अशोक गोयल सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे। मुख्य अतिथि सत्यनारायण चौधरी ने कहा कि हम सभी को मिलकर कुछ ऐसा करना चाहिए और लोगों में संस्कार डालने चाहिए कि इस तरह के आश्रम की देश में जरूरत ना पड़े। निधि चौधरी ने कहा कि बीमार लोगों को देखकर उनकी मदद करे और उन्हें प्यार दें। आंखें बंद करने के बजाय पूरे मन से सेवा करें। अपना घर आश्रम के संस्थापक डॉ बी.एम भारद्वाज ने कहा कि यह उन सभी का घर है, जिनका कोई नहीं है। ऊपर वाला जरूरतमंद लोगों की सेवा करने के लिए अपने दोनों हाथ खुले रख कर हम सभी को सहारा दिए हुए हैं।

PoK लेने का मौका था, प्रचार में लगे पीएम मोदी

ममता ने मोदी सरकार की विदेश नीति पर उठाए सवाल

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

बंगाल विधानसभा में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सशस्त्र बलों की प्रशंसा वाले प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि आतंकवादियों को सबक सिखाने की जरूरत थी, हम सशस्त्र बलों की बहादुरी को सलाम करते हैं। पहलगाम हमले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि यह आतंकी हमला केंद्र की लापरवाही का नतीजा है। बीजेपी हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी का भी राजनीतीकरण करने में जुटी है। विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए ममता बनर्जी ने कहा, मुझे नहीं पता कि हमारी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में कोई समस्या है या नहीं, लेकिन पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर अलग-थलग किए जाने के बजाय उसे आईएमएफ से कर्ज मिला रहा है।

सीएम बनर्जी ने कहा कि ममता बनर्जी ने बंगाल विधानसभा में पूछा, पहलगाम में आतंकवादी हमले वाली जगह पर सुरक्षाकर्मी मौजूद क्यों नहीं थे?। बीजेपी की सरकार हमारे देश के लोगों को सुरक्षा देने में नाकाम रही है और इसलिए उसे सत्ता से बाहर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म, जाति या पंथ नहीं होता, हम इसका समर्थन नहीं करते। ममता बनर्जी ने कहा कि भारत के पास पीओके को वापस लेना का मौका था।

प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा कि पीएम केवल अपना प्रचार करने में लगे हुए हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा का मॉनसून सत्र सोमवार को शुरू हुआ है। पहले दिन पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के बाद ही कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी।

चैटजीपीटी ग्लोबल लेवल पर हुआ डाउन

नई दिल्ली। ओपनएआई के एआई चैटबॉट चैटजीपीटी की सर्विस मंगलवार को वैश्विक स्तर पर डाउन होने की जानकारी साममे आई है, जिससे कई देशों में चैटजीपीटी के लाखों यूजर्स इसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में सबसे अधिक व्यवधान की सूचना दी गई है। रियल-टाइम मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर के अनुसार चैटजीपीटी के डाउन होने की खबरें यूजर्स द्वारा दोपहर 3:00 बजे के आसपास आना शुरू हो गईं। प्लेटफॉर्म पर लगभग 800 शिकायतें दर्ज की गईं। लगभग 88 प्रतिशत शिकायतों में लोगों ने कहा कि चैटबॉट उनके द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दे रहा है।

केरल तट के पास जल रहे जहाज में आग बुझाने की कोशिश जारी

तिरुवनंतपुरम। केरल तट के नजदीक जल रहे सिंगापुर के झंडे वाले जहाज की आग बुझाने को कोशिश मंगलवार को भी जारी था। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सूरत ने क्रू के 18 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है। वहीं क्रू के चार सदस्य अभी भी लापता हैं। जहाज में रविवार को आग लगी थी और मंगलवार को भी नौसेना, तटरक्षक बलों द्वारा संयुक्त और समन्वित बचाव अभियान चलाया जा रहा है। भारतीय तटरक्षक बल के जहाज सचेत और समुद्र प्रहरी आग पर काबू पाने की कोशिशों में जुटे हैं। तटरक्षक बल का डोर्नियर एयरक्राफ्ट बचाव अभियान का हवाई सर्वे कर रहा है। साथ ही मंगलवार को तटरक्षक बल का जहाज समर्थ भी बचाव अभियान में शामिल हो गया है। सोमवार को केरल तट से करीब 44 नॉटिकल मील दूर सिंगापुर का केंटनर जहाज हादसे का शिकार हुआ था। दरअसल कोलंबो से मुंबई जा रहा सिंगापुर का ध्वज लगा जहाज MV Wan Hai 503 अचानक आग की लपटों में घिर गया। आग के चलते जहाज में तेज विस्फोट हुआ। जहाज पर करीब 650 कंटेनर लदे थे, जिनमें से कई कंटेनर समुद्र में गिर चुके हैं। माना जा रहा है कि जिस तेजी से आग धधक रही है।

महावितरण
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित

ई-निविदा सुचना

नाशिक मंडल यांचेकडून नाशिक मंडलांतर्गत येणाऱ्या **सबस्टेशनचे प्रेव्हेंटिव्ह मेन्टेनन्ससाठी एम्पानेलमेंट** करीता ई-निविदा मागविण्यात येत आहे. या निविदांबाबतची संपुर्ण माहिती https://etender.mahadiscom.in या संकेत स्थळावर उपलब्ध आहे.

अ क्र.	निविदा क्रमांक	निविदा	निविदा रक्कम
१	SE/NC/T-01 /2025-26	नाशिक मंडलांतर्गत येणाऱ्या सबस्टेशनचे प्रेव्हेंटिव्ह मेन्टेनन्ससाठी एम्पानेलमेंट	----

PRO No. 162 अधीक्षक अभियंता, नाशिक मंडल, नाशिक.

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

महाटेंडर पोर्टल लिंक

विभाग	मुख्य अभियंता (मलजल संचालन)
डिविजन	कार्यकारी अभियंता (मलजल संचालन) पश्चिम उपनगर, मालाड पम्पिंग स्टेशन
निविदा संदर्भ क्रमांक	2025_ एमसीजीएम_1187689_1
विषय	मालाड और शिंपोली समूह में पम्पिंग स्टेशनों के लिए रखरखाव कर्मचारी सेवाएं प्रदान करना
निविदा बिक्री	10.06.2025, समय 11.00 बजे से 18.06.2025, समय 04.00 बजे तक
वेबसाइट	https://mahatenders.gov.in अतः किसी भी शुद्धिपत्र या परिशिष्ट की जानकारी केवल बीएमसी पोर्टल / महाटेंडर पोर्टल लिंक साइट पर ही प्रकाशित की जाएगी.
संपर्क अधिकारी : ए) नाम	श्री जितेन्द्र पाबरेकर, श्री भरत बांबले
बी) कार्यालय टेलीफोन	26368681
सी) मोबाइल नं.	9224946365, 9987177069
डी) ई-मेल पता	eemechsmalad.so.@mcgm.gov.in

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता (मलजल संचालन) पश्चिम उपनगर, मालाड पम्पिंग स्टेशन

पीआरओ/620/विज्ञा./2025-26

अगर महसूस हो बुखार और कंपकंपी, तो जांच करायें अपने खून की

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान

भारतीय सेना का चेहरा बने DGMO राजीव घई का हुआ प्रमोशन

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना का चेहरा बने लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को सेना में नई जिम्मेदारी मिली है। भारतीय सशस्त्र बलों के सफल अभियान के बाद उन्हें डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पद पर पदोन्नत किया गया है। इस दौरान राजीव घई सैन्य अभियानों के महानिदेशक (DGMO) के पद पर बने रहेंगे। मामले से अवगत अधिकारियों ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी है। घई उन शीर्ष अधिकारियों में शामिल थे, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान के साथ चले संघर्ष के जुड़ी जानकारियां मीडिया को दी थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजीव घई का अंदाज घर-घर में मशहूर हुआ था। घई ने अपने वायुसेना और नौसेना समकक्षों के साथ 11 और 12 मई को मीडिया को ऑपरेशन से जुड़ी जानकारी दी थी। अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि नई भूमिका में राजीव घई सैन्य अभियान, खुफिया अभियान, रणनीतिक योजना और इन्फॉर्मेशन वॉर जैसे मामलों की देखरेख करेंगे।

चीफ जस्टिस गवई बोले- तकनीक दोधारी तलवार

न्यायिक कामकाज के लिए हो इस्तेमाल, फैसले लेने के लिए नहीं

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा कि तकनीक एक दोधारी तलवार की तरह है। इसका उपयोग न्यायिक कामकाज को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए, न कि फैसले लेने की प्रक्रिया की जगह लेने के लिए। सीजेआई सोमवार को कैंब्रिज विश्वविद्यालय में 'न्याय तक पहुंच में तकनीक की भूमिका' विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत जैसे बड़े और विविध देश में न्याय तक पहुंच को आसान बनाने में तकनीकी की बहुत बड़ी भूमिका हो सकता है। भारतीय न्यायपालिका ने तेजी से तकनीक को अपनाया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को न्याय मिल सके।

उन्होंने कहा कि हमें यह भी मानना होगा कि तकनीक एक दोधारी तलवार की तरह काम कर सकती है, जो असमानता को और बढ़ा सकती है। एक बड़ी चिंता 'डिजिटल डिवाइड' यानी तकनीकी असमानता है, जहां इंटरनेट, उपकरणों और डिजिटल ज्ञान की समान पहुंच न होने के कारण वे लोग पीछे छूट सकते हैं, जो पहले से ही न्याय तक पहुंचने में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अगर तकनीक को सच में न्याय के लिए इस्तेमाल करना है, तो उसकी योजना बनाते समय समानता और समावेशन को आधार बनाना होगा। हालांकि जस्टिस गवई ने कहा कि नीतिगत दखल के बिना न्याय प्रदान करने की प्रणाली में कोई क्रांति नहीं लाई जा सकती। उन्होंने कहा कि शासन का ऐसा ढांचा विकसित किया जाना चाहिए, जो मानवीय निगरानी, एल्गोरिदम संबंधी पारदर्शिता और तकनीक आधारित मध्यस्थ फैसलों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करे। सीजेआई ने आगे कहा, आगे बढ़ने का रास्ता बुनियादी सिद्धांतों का पालन मांगता है।

108 सोने के घड़ों से स्नान करेंगे भगवान जगन्नाथ

15 दिन रहेंगे बीमार, 27 को होगी रथयात्रा

ओडिशा के जगन्नाथ पुरी में 11 जून को स्नान पूर्णिमा मनेगी। इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ श्री मंदिर में भक्तों के सामने स्नान करते हैं। पूरे साल में सिर्फ इसी दिन भगवान जगन्नाथ को मंदिर में ही बने सोने के कुंए के पानी से नहलाया जाता है, इसलिए इसे स्नान पूर्णिमा कहते हैं। स्नान के बाद भगवान बीमार हो जाते हैं और 15 दिन तक किसी को दर्शन नहीं देते। 16वें दिन नवयौवन श्रृंगार के साथ दर्शन देते हैं। उसके अगले दिन रथयात्रा पर निकलते हैं। गुंडीचा मंदिर अपनी मौसी के यहां जाते हैं। जब भगवान बीमार रहते हैं, तब 27 किलोमीटर दूर आलारनाथ मंदिर में दर्शन होते हैं। माना जाता है इन दिनों आलारनाथ मंदिर में दर्शन से भगवान जगन्नाथ के दर्शन का पुण्य मिलता है। आलारनाथ भगवान जगन्नाथ के भक्त थे।

रोज शीशे में भगवान की छवि को स्नान करवाते हैं, ताकि बीमार न हो

मंदिर के पुजारी बताते हैं कि सालभर भगवान को गर्भगृह में ही स्नान कराते हैं, लेकिन प्रक्रिया अलग है। इसमें भगवान की मूर्ति के सामने बड़े-बड़े शीशे लगाते हैं। फिर उन शीशों में जो भगवान की तस्वीर दिखती है, उस पर धीरे-धीरे पानी डालते हैं। इस तरह स्नान करवाने की दो वजह हैं।
पहली, भगवान की मूर्ति लकड़ी से बनी है उस पर पवित्र रंगों से आकृति उकेरी गई है। उस पर रोज पानी लगेगा तो प्रतिमा बिगड़ जाएगी। दूसरी वजह के पीछे मान्यता है कि भगवान बहुत कोमल हैं और उन्हें हर दिन नहलाएंगे तो वे बीमार पड़ सकते हैं। इसी कारण साल में एक बार रथयात्रा से 16 दिन पहले पड़ने वाली ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा पर भगवान की प्रतिमाओं को मंदिर से बाहर लाया जाएगा। इसे स्नान यात्रा कहते हैं। मंदिर प्रांगण में मंच तैयार होगा। इसे स्नान मंडप कहते हैं। इसी मंडप में भगवान को विराजित करेंगे।
11 जून, बुधवार को सुबह मंदिर में ही मौजूद स्वर्ण कुआं निगरानी करने वाले सेवादार की मौजूदगी में खुलेगा। वैदिक मंत्रों के साथ स्नान की विधि शुरू होगी। सोने के कुएं के पानी से भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन को सोने के 108 घड़ों से स्नान करवाया जाएगा।

मान्यता : सोने की ईंट वाला कुआं, इसमें सभी तीर्थों का जल होता है

यह 4-5 फीट चौड़ा वर्गाकार कुआं है। ये जगन्नाथ मंदिर प्रांगण में ही देवी शीतला और उनके वाहन सिंह की मूर्ति के ठीक बीच में बना है। इसमें नीचे की तरफ दीवारों पर पांड्य राजा इंद्रद्युम्न ने सोने की ईंटें लगवाईं थीं। मंदिर के पुजारियों का कहना है कि इस इस कुएं में कई तीर्थों का जल है।
सीमेंट-लोहे से बना इसका ढक्कन करीब डेढ़ से दो टन वजनी है, जिसे 12 से 15 सेवक मिलकर हटाते हैं। जब भी कुआं खोलते हैं,इसमें स्वर्ण ईंटें नजर आ जाती हैं। ढक्कन में एक छेद है, जिससे श्रद्धालु सोने की वस्तुएं इसमें डाल देते हैं।

कस्तूरी, केसर और अन्य औषधियों से होता है स्नान

स्नान के लिए सोने के 108 घड़ों में पानी भरा जाता है, उनमें कस्तूरी, केसर, चंदन और कई तरह की औषधियां मिलाएंगे। स्नान मंडप में तीन बड़ी चौकियों पर भगवानों को विराजित किया जाएगा। भगवान पर कई तरह के सूती कपड़े लपेटते हैं, ताकि उनकी काष्ठ काया पानी से बची रहे। फिर भगवान जगन्नाथ को 35, बलभद्र जी को 33, सुभद्राजी को 22 घड़ों से नहलाएंगे और बचे हुए 18 घड़े सुदर्शन जी पर चढ़ाएं जाएंगे।

आज गुरु अस्त के साथ मांगलिक कार्यों पर लगेगा विराम

मांगलिक कार्यों पर बुधवार से लगभग पांच माह तक विराम लग जाएगा। बृहस्पति 11 जून को अस्त हो रहे हैं ओर छह जुलाई को देवशयनी एकादशी है, दोनों कारणों से अब नवंबर में ही मांगलिक कार्य हो सकेंगे। इस बीच शादी विवाह पर विराम रहेगा। पंडित शरद चंद्र मिश्र के अनुसार, 11 जून बुधवार को बृहस्पति अस्त हो रहे हैं। इसके साथ ही छह जुलाई को देवशयनी एकादशी होने पर भगवान विष्णु योग निद्रा में चार माह के लिए चले जाएंगे। इस कारण नवंबर तक मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान मांगलिक कार्यों पर पूरी तरह से विराम लग जाएगा।

इन कार्यों में लगता है विराम: भगवान विष्णु के योग निद्रा अवधि को चातुर्मास कहा जाता है। यह अवधि चार महीने की होती है। चातुर्मास के दौरान शादी-विवाह, जनेऊ, मुंडन, गृह प्रवेश आदि जैसे सभी मांगलिक कार्य बंद हो जाते हैं। इस अवधि में साधु-संत और सन्यासी चार महीने तक भजन-कीर्तन, भगवत गुणगान, कथा-प्रवचन जैसे धार्मिक कार्यों में लीन रहते हैं।

नवंबर-दिसंबर में फिर बजेगा बैंड-बाजा: चातुर्मास का समापन 18 नवंबर को कार्तिक शुक्ल देवोत्थान एकादशी के दिन श्रीहरि विष्णु के निद्रा से जागृत होने के साथ होगा। इसके बाद ही मांगलिक कार्य एक बार फिर से शुरू हो पाएंगे।

चातुर्मास में क्या करें और क्या न करें: चातुर्मास के दौरान भगवत पूजन, शिव पुराण का पाठ, महामृत्युंजय का जाप, एकांतवास में स्वाध्याय, दान-पुण्य, गौ एवं ब्राह्मण की सेवा और तीर्थ यात्रा जैसे धार्मिक कार्य करने चाहिए। इस अवधि में शादी-विवाह, उपनयन, मुंडन, गृह प्रवेश और कीमती चीजों की खरीदारी जैसे मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

हर वक्त स्ट्रेस से घिरे रहते हैं तो खुद में लाएं ये 5 बदलाव

मां आजकल की भागदौड़ की जिंदगी में हर इंसान किसी न किसी बात को लेकर परेशान है. ऐसे में हम कई बार छोटी- छोटी बातों पर तनाव ले लेते हैं और धीरे-धीरे करके ये हमारी आदत बन जाता है. जैसे -जैसे उम्र बढ़ती जाती है वैसे-वैसे जिम्मेदारियां बढ़ती हैं और फिर शुरू होती है स्ट्रेस की कहानी। जो धीरे-धीरे करके इंसान को परेशान कर देती है, जिम्मेदारियों के साथ स्ट्रेस आना लाजमी है पर अगर ये आपकी आदत बन गया है और कई बार हम तनाव की वजह से अपने रोजमर्रा के कामों को भी सही से नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से हम और परेशान हो जाते हैं। इसलिए अगर आप भी स्ट्रेस से बचने के लिए कोई तरीका ढूढ़ रहे हैं तो इस आर्टिकल में कुछ ऐसे आसान तरीके बताए गए हैं जिन्हें अपनाकर आप स्ट्रेस को दूर कर सकते हैं।

3 दिन में लगने लगेगा अच्छा!

बढ़ती उम्र में अगर स्ट्रेस भी बढ़ रहा है तो इसके कई कारण हो सकते हैं। जिनकी वजह से आप हमेशा मानसिक तनाव में रहते हैं। अगर आप अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करते हैं तो स्ट्रेस को कम किया जा सकता है। तो आइए जानते हैं कि तनाव की समस्या से राहत पाने के लिए आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

छोटे-छोटे मील्स लें

आप एक बार में खाना खाने की जगह दिन में 3-4 मील्स लें। जिससे आपकी भूख तो कंट्रोल होती है बल्कि आप ओवरइटिंग की आदत से बचते हैं जिससे आपका वजन भी कंट्रोल में रहता है। इससे मेटाबॉलिज़्म बूस्ट होता है और एनर्जी लेवल भी बढ़ता है। ये वेट को कंट्रोल करने, ब्लड शुगर लेवल को सही रखने और शरीर में एनर्जी को बूस्ट करने में हेल्प करता है।

एक्सरसाइज और योगासन करें

आप चाहें तो जिम जाकर भी वर्कआउट कर सकते हैं या फिर योगासन भी कर सकते हैं। आपको बहुत ज्यादा हैवी एक्सरसाइज नहीं करनी है। रोज कम से कम 30 मिनट एक्सरसाइज और वॉक पर जाएं। ये आपके शरीर को फिट रखने में मदद करेगा। एक्सरसाइज से हड्डियां मजबूत होती हैं, हार्ट हेल्थ दुरुस्त रहती है और ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

पूरी नींद लें :- अगर आप स्वस्थ्य जीवन जीना चाहते हैं तो नींद को अपना बेस्ट फ्रेंड बना लें। मतलब कि रात को समय से सोने से आपकी आधी समस्याएं तो वैसे ही खत्म हो जाती है। कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद जरूर लें। एनसीबीआई में छपी एक रिसर्च से मुताबिक जो लोग 6 से 7 घंटे की नींद रोजाना लेते हैं, वो दूसरों के मुकाबले ज्यादा लंबी उम्र जीते हैं। इससे आपको थकान, कमजोरी, तनाव कम महसूस होगा। ये आपकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को दुरूस्त रखने में मदद करेगा।

शरीर के इन हिस्सों में रहे दर्द तो हो जाएं अलर्ट !

किडनी खराब होने का हो सकता है संकेत

कभी-कभी हमारी बॉडी हमें चुपके से संकेत देती है कि शरीर केअंदर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। कई बार ये संकेत दर्द के जरिए मिलता है। यूं तो दर्द कई तरह के होते हैं, लेकिन कुछ खास जगहों पर बार-बार या बिना वजह होने वाला दर्द, शरीर के अंदर चल रही किसी बड़ी परेशानी का इशारा हो सकता है। खासकर जब बात किडनी की हो, तो यह परेशानी और भी गंभीर हो सकती है। किडनी शरीर का एक बेहद अहम हिस्सा हैं जो खून को साफ करने, टॉक्सिक एजेंट्स को बाहर निकालने और बॉडी में लिक्विड का बैलेंस बनाए रखने में मदद करता है। अगर यह ठीक से काम ना करे, तो इसका असर शरीर के कई हिस्सों में दिखने को मिल सकता है। चलिए जानते हैं शरीर के किन अंगों में हो रहा दर्द किडनी से जुड़ी बीमारी का संकेत हो सकता है।

कमर के नीचे या पीठ में दर्द

किडनी की बीमारी का सबसे सामान्य लक्षण कमर के निचले हिस्से या पीठ में दर्द है लेकिन अक्सर इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है। शुरुआत में ये दर्द हल्का होता है, लेकिन धीरे-धीरे ये तेज होने लगता है। आमतौर पर ये दर्द कमर की एक साइड में जहां किडनी होती है, वहां अधिक होता है। अगर यह दर्द लगातार बना रहे या दवा लेने पर भी आराम ना मिले, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। ये लक्षण किडनी में इन्फेक्शन, पथरी या किडनी फेल होने की शुरुआती चेतावनी हो सकते हैं।

पेट या पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द

किडनी की बीमारी के कारण पेट में मरोड़ या तेज दर्द हो सकता है। इसके अलावा इसकी वजह से पेट फूला हुआ सा भी लग सकता है। अक्सर पेट का ये दर्द गैस या अपच जैसा लगता है, जिससे लोग कन्फ्यूज हो जाते हैं। लेकिन जब किडनी ठीक से काम नहीं करती, तो शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं, जिससे पेट में जलन या सूजन महसूस हो सकती है। खासकर अगर पेट दर्द के साथ पेशाब के रंग या गंध में भी बदलाव हो रहा हो, तो ये किडनी से जुड़ा एक गंभीर संकेत हो सकता है।

मॉनसून में अब नहीं होंगे बाल खराब

इन असरदार नुस्खों का करें इस्तेमाल

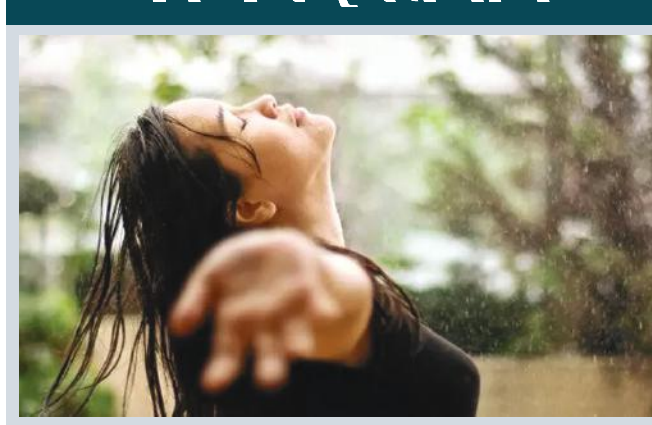

बरसात आते ही गर्मियों से राहत मिलती है। मौसम सुहावने लगते हैं, ठंडी हवाएं चलती हैं और बारिश की फुहारें बालों में प्रॉब्लं लेकेयर आती हैं। बढ़ी हुई नमी, एसिडिक बारिश और फंगल इन्फेक्शन बालों की जड़ों को कमजोर कर सकती है जिससे बाल झड़ने लगते हैं। अगर आप इन सभी परेशानियों से जल्द से जल्द छुटकारा पाना चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है कि कैसे आप घर के सामान से ही बालों को रख सकते हैं।

मॉनसून में क्यों झड़ते हैं बाल :-मॉनसून में ही सबसे ज्यादा बाल क्यों झड़ते हैं ये सोचने वाली बात होती है। ऐसा इसलिए भी होता है क्योंकि बारिश की नमी के कारण सिर में पसीना और तेल ज्यादा बनने लगता है। जिसके कारण बालों में रूसी कि समस्या शुरू हो जाती है ।रूसी हों के कारण बालों कि जड़ें कमजोर हो जाती हैं। एक बार अगर बालोन में रूसी की समस्या शुरू हुई तो फिर बालों के झड़ने का मुख्य कारण वही बन जाता है।

कैसे रखे बालों का ख्याल :- बालों का ख्याल रखने के लिए सबसे बेहतर उपाय है घरेलू नुस्खे। घरेलू नुस्खों स् बालों को कोई नुकसान नहीं होता है, बल्कि बाल और भी ज्यादा हेल्दी और शाइनी हो जाती है। इसलिए महंगे प्रोडक्ट्स को ज्यादा अपने बालों में नहीं इस्तेमाल करना चाहिए।

कपूर और नरियाल का तेल :-कपूर और नारियल का तेल रूसी को बालों से दूर रखता हैं। इसे जरूरी है कि बाल धोने से कुछ देर पहले लगाकर बालों को अच्छे से कंघी करें। ऐसा करने से बालोक कि जड़ों से रूसी धीरे-धीरे निकाल जाएगी।

भारतीय कर्मचारियों में चिंता, डिप्रेशन और मानसिक तनाव के लक्षण

द लिव लव लाफ फाउंडेशन जो 2015 में स्थापित एक चैरिटेबल ट्रस्ट है, ने आज अपने कॉर्पोरेट मेंटल हेल्थ एंड वेल-बीइंग प्रोग्राम की शुरुआत की। यह एक व्यापक और शोध-आधारित पहल है, जिसे पूरे भारत में संगठनों को मानसिक रूप से मजबूत कार्यस्थल तैयार करने में मदद करने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है।
मैकिन्से हेल्थ इंस्टीट्यूट द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि भारतीय कर्मचारियों में बर्नआउट, चिंता, डिप्रेशन और मानसिक तनाव के लक्षण बड़े पैमाने पर देखे जा रहे हैं। करीब 60% कर्मचारियों ने बर्नआउट की शिकायत की, जबकि 51% ने बताया कि वे काम के भारी दबाव में हैं। ये आंकड़े कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को लेकर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।
डॉ. श्याम भट, चेयरपर्सन, द लिव लव लाफ फाउंडेशन ने कहा, "भारतीय कंपनियों को सिर्फ कर्मचारी सहायता कार्यक्रमों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। सालाना सर्वेक्षण या तात्कालिक उपायों की बजाय, हमें कार्यस्थल की मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों की जड़ तक पहुंचने और उन्हें दूर करने के लिए डेटा-आधारित और व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाना होगा। अगर हम जागरूकता फैलाएं, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक को कम करें और ठोस जानकारी के आधार पर कदम उठाएं, तो कंपनियां ऐसे समाधान तैयार कर सकती हैं जो वास्तव में असरदार हों।"
सितंबर 2022 में, डेलॉइट ने अनुमान लगाया कि भारत में कर्मचारियों के खराब मानसिक स्वास्थ्य के कारण भारतीय कंपनियों को हर साल 1,10,000 करोड़ (लगभग 14 अरब अमेरिकी डॉलर) का नुकसान होता है। किरण मजूमदार-शॉ, ट्रस्टी, द लिव लव लाफ फाउंडेशन एवं चेयरपर्सन, बायोकॉन ग्रुप ने कहा, "मानसिक स्वास्थ्य हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य का एक जरूरी हिस्सा है, और कंपनियों को समझना चाहिए कि इसका सीधा असर उनकी उत्पादकता, नवाचार और दीर्घकालिक मजबूती पर पड़ता है। अगर कर्मचारी तनाव में हैं और कार्य से जुड़ाव नहीं महसूस कर रहे, तो यह उनकी क्षमता और नए विचारों को बाधित करता है, जिससे कारोबार और अर्थव्यवस्था दोनों प्रभावित होते हैं।

सोया चाप रेसिपी

आवश्यक सामग्री :- सोया चाप स्टिक घर पर बनाने के लिए आपको चाहिए होगा 1 कप भिगोए हुए सोयाबीन, 1 कप सोया नगेट्स उबले हुए, 1 कप मैदा, 3 टी स्पून, 1/4 कॉर्न फ्लोर और जरूरत के मुताबिक नमक

बनाने की विधि :- सोया चाप स्टिक बनाने के लिए सबसे पहले तो सोयाबीन लें और उसे साफ कर लें। उसे रातभर के लिए पानी में भिगोकर रख दें। अगले दिन सुबह पानी से निकाले और उसे एक बार फिर साफ पानी से धो लें। अब उसे मिक्सी में डालकर पीस लें।
अब इसके बाद सोया नगेट्स लें और उन्हें उबालें। अब इन्हें ठंडा होने के लिए रख दें। इसके बाद इस भी मिक्सकर जार में डालकर पीस लें।
अब एक मिक्सी में पिसा हुआ सोया नगेट्स और सोयाबीन डालकर दोनों को अच्छी तरह से पीस लें। अब इस मिश्रण में बेसन, कॉर्न फ्लोर, मैदा और जरूरत के मुताबिक नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें और इसका सख्त आटा गूंथ लें। अब इसकी लोइयां बनाकर इससे रोटी बेलें और इसे लंबाई में काट लें। इसके बाद आइसक्रीम स्टिक लें और इसपर लपेटकर रखें ।अब एक पतीला या बड़ा बर्तन लें। उसमें पानी डालकर गर्म करें। जब पानी उबलना शुरू हो जाए, तो उसमें तैयार की गई सोया चाप स्टिक्स डालें और पकाएं, जब कि स्टार्स अपने आप पानी के ऊपर आने लगे। अब इसे पानी से बाहर निकालकर ठंडा होने के लिए रखें। लीजिए बनकर तैयार है सोया चाप स्टिक्स। इससे आप सोया चाप मसाला और कुरकुरे सोया चाप अलग-अलग तरह से इसे आप डिश बना सकते हैं।

प्रो-लीग

जीत की राह पर लौटना चाहेगा भारत

लगातार दो हार

एम्सटेलवीन। लगातार दो मैच हार चुकी भारतीय पुरुष हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ बुधवार को एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के अगले मैच में आखिरी मिनटों में गोल गंवाने और पेनल्टी कॉर्नर तब्दील नहीं कर पाने की अपनी कमजोरी से पार पाना होगा। भारतीय टीम के लिये यूरोप चरण की शुरूआत खराब रही और उसे नीदरलैंड ने पहले दो मैचों में 2.1 और 3.2 से हराया। दोनों मैचों में भारत ने बढ़त बनाने के बाद आखिरी मिनटों में गोल गंवाए। इसके अलावा भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी बेहतर करना होगा। पिछले मैच में नौ में से एक पेनल्टी कॉर्नर को ही भारतीय टीम गोल में बदल सकी। अभी इस चरण में छह मैच खेले जाने बाकी हैं और भारत 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। प्रो लीग के जरिये अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह बनाने की कोशिश में जुटी भारतीय टीम को बाकी मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अब भारत को अर्जेंटीना से दो मैच खेलने हैं जिसके बाद आस्ट्रेलिया और फिर बेल्जियम का सामना करना होगा।

● कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'हमें पता है कि अर्जेंटीना के खिलाफ कड़ी चुनौती होगी। टीम काफी मेहनत कर रही है और हमें अच्छे प्रदर्शन का यकीन है। अर्जेंटीना मजबूत टीम है और इस स्तर पर कोई मैच आसान नहीं होता।' दोनों टीमों के बीच खेले गए मुकाबलों में भारत का पलड़ा भारी रहा है। पेरिस ओलंपिक में दोनों टीमों का मुकाबला ड्रॉ रहा था। प्रो लीग 2023-24 में भारत ने अर्जेंटीना को दो बार हराया था और दूसरी जीत शूटआउट में मिली थी। हरमनप्रीत ने कहा, 'हम पूरी तरह से तैयार हैं। हमने इस टूर्नामेंट की काफी तैयारी की है और कई संयोजन आजमाए। हमें अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन का यकीन है।' अर्जेंटीना के खिलाफ भारत को प्रो लीग में एकमात्र पराजय 2022 में भुवनेश्वर में मिली थी। भारतीय कप्तान ने कहा, 'टीम का अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड है लेकिन हम कुछ भी हलके में नहीं ले रहे। ये नतीजे अतीत के हैं और हमें विश्व कप के लिये क्वालीफाई करने के लिये अभी अच्छा खेलना है। हम मेहनत कर रहे हैं और हमें अच्छे प्रदर्शन का यकीन है।'

ICC हॉल ऑफ फेम में माही

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भारत के पूर्व कप्तान और दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज एमएस धोनी को तगड़े सम्मान से नवाजा है। धोनी को सोमवार को आईसीसी हॉल ऑफ फेम 2025 में शामिल किया गया। वह यह सम्मान पाने वाले 11वें भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। 2004 में इंटरनेशनल डेब्यू करने के बाद धोनी ने 2007 में पहले टी20 वर्ल्ड कप में भारत की कप्तानी संभाली और टीम को ट्रॉफी जिताई। उन्होंने 2011 में वनडे वर्ल्ड कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती। वह आईसीसी की सीमित ओवरों की तीनों ट्रॉफी जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं।

2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम 2009 में पहली बार आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंची थी। उन्होंने 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा था। आईसीसी ने बयान में कहा, "दबाव में अपने शांत स्वभाव और बेजोड़ रणनीतिक कौशल के लिए मशहूर, साथ ही छोटे प्रारूपों में एक अग्रणी खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी की खेल के सबसे महान फिनिशर, नेतृत्वकर्ता और विकेटकीपर के रूप में विरासत को आईसीसी क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल करके सम्मानित किया गया है।" बयान में आगे कहा गया, "भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 शिकार और विभिन्न प्रारूपों में 538 मैच के साथ धोनी के आंकड़े ना केवल उत्कृष्टता बल्कि असाधारण स्थिरता, फिटनेस और लंबे करियर को दर्शाते हैं।"

ICC हॉल ऑफ फेम एंट्री सम्मान की बात : धोनी

आईसीसी हॉल ऑफ फेम एंट्री मिलने पर 43 वर्षीय पूर्व कप्तान ने कहा कि यह सम्मान हमेशा उनके साथ रहेगा। धोनी ने कहा, "आईसीसी हॉल ऑफ फेम में नामित होना सम्मान की बात है, जो विभिन्न पीढ़ियों और दुनिया भर के क्रिकेटरों के योगदान को मान्यता देता है। ऐसे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों के साथ आपका नाम याद किया जाना एक अद्भुत एहसास है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। बता दें कि धोनी ने अपने करियर में 350 वनडे खेले, जिनमें 50.57 की औसत से 10773 रन बनाए। उन्होंने 90 टेस्ट मैचों में 38.09 की औसत से 4876 रन जुटाए। वहीं, धोनी ने 98 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 37.60 की औसत से 1617 रन जोड़े। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में विकेट के पीछे सबसे ज्यादा शिकार करने वाले भारतीय विकेटकीपर हैं। वह विकेटकीपर्स की ओवरऑल लिस्ट में तीसरे पायदान पर हैं।

RCB के फैंस बहुत...

बेंगलुरु भगदड़ पर राहुल द्रविड़ का छलका दर्द

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल खिताब जीतने के जश्न में बेंगलुरू में 11 लोगों की मौत पर दुख जताते हुए इस हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया। यह हादसा बुधवार को हुआ जब बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास अपने पसंदीदा क्रिकेटरों की एक झलक पाने के लिए ढाई लाख लोग जमा हुए थे। इससे मची भगदड़ में 11 लोग मारे गए और 56 घायल हो गए। भारत के पूर्व कोच और कप्तान द्रविड़ ने कहा, 'यह काफी निराशाजनक है। बहुत दुखद। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ है।' आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के कोच द्रविड़ ने कहा कि शहर की खेल संस्कृति को देखते हुए यह घटना और भी दर्दनाक है। उन्होंने कहा, 'यह खेलों का शौकीन शहर है। मैं इसी शहर से हूं। लोग क्रिकेट की नहीं, हर खेल को पसंद करते हैं और टीमों को फॉलो करते हैं। फुटबॉल टीम को या कबड्डी टीम।' विराट कोहली की टीम के जश्न के दौरान हुई दुखद घटना के बारे में बोलते हुए द्रविड़ ने कहा, 'आरसीबी के प्रशंसक बहुत बड़ी संख्या में हैं। यह काफी दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।

साथी खिलाड़ी ने धोनी को दी बधाई

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने अपने पुराने हमवतन और मित्र महेंद्र सिंह धोनी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने पर एक विशेष नोट लिखा। दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान सोमवार को लंदन में एक समारोह के दौरान विशेष क्लब में शामिल होने वाले 11वें भारतीय बन गए। रैना के लिए, धोनी का हॉल ऑफ फेम में शामिल होना 'अच्छी तरह से योग्य' था, क्योंकि उन्होंने अपने शांत और संयमित व्यवहार से क्रिकेट पर अमिट छाप और विरासत छोड़ी है जो अगली पीढ़ी को प्रेरित करेगी। रैना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'द लीजेंड हॉल में शामिल! महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट में अपने अविश्वसनीय करियर और योगदान के कारण उन्हें हॉल ऑफ फेम में जगह मिली है। शानदार फिनिश से लेकर खेल को बदलने वाले नेतृत्व तक, धोनी भाई ने खेल पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। उनके शांत स्वभाव, तेज-तर्रार प्रवृत्ति और अटूट प्रतिबद्धता ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। खेल के सच्चे प्रतीक और दिग्गज, उनकी विरासत क्रिकेटरों की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।'

21वां दिल्ली ग्रांड मास्टर्स शतरंज

एसएल नारायनन की लगातार चौथी जीत

नई दिल्ली। 21वें दिल्ली ग्रांड शतरंज के पहले चार राउंड के बाद टॉप सीड भारत के एसएल ने नारायनन लगातार चार जीत के साथ सयुंक्त बढ़त बना ली है। एसएल के अलावा 10 अन्य खिलाड़ी भी 4 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है। एसएल नारायनन ने चौथे राउंड में 24वें वरीय वियतनाम के गुएन डुक हुआ को पराजित किया। अन्य प्रमुख मुकाबलों में दूसरे बोर्ड पर दूसरे वरीय दीप्तयान घोष ने मंगोलिया के 23वें वरीय अलिखेग उर्त्सईख को पराजित किया जबकि तीसरे बोर्ड पर बेलारूस के 26वें वरीय अलेक्सेज आलेक्सान्द्रोव ने भारत के चौथे कार्तिक वेंकट रमन को ड्रॉ पर रोक लिया। चौथे बोर्ड पर पांचवें वरीय अर्मेनिया के पेट्रोसियन मेनुयल ने भारत के 30वें वरीय मनीष अंटो को पराजित किया। पांचवें बोर्ड पर पूर्व विश्व जूनियर चैम्पियन और पाँच बार के कॉमनवैल्थ चैम्पियन छठे वरीय अभिजीत गुप्ता ने भारत के ही साहिल दे को पराजित किया। पांचवें राउंड में सभी मैच जीतकर 4 अंक बनाने वाले खिलाड़ियों में भारत के एसएल नारायनन बेलारूस के मिहाइल निकिटेंको से, भारत के दीप्तयान घोष अर्मेनिया के ममिकों गहरीबयन से, रूस के बोरिस सावचेंको से अर्मेनिया के मेनुयल पेट्रोसियन से, भारत के अरभिजीत गुप्ता से हमवतन दीपन चक्रवर्ती, भारत के हर्ष सुरेश से जॉर्जिया के लुका पाइचाद्ज़े का आमना सामना होगा। प्रतियोगिता में 20 देशो के 443 खिलाड़ी भाग ले रहे है, तीन वर्गों की इस प्रतियोगिता में बी और सी वर्गो को मिला ले तो करीब 2000 खिलाड़ी खेल रहे है।

कोटियान और कंबोज के अर्धशतक

भारत ए और इंग्लैंड लॉयन्स के बीच मैच ड्रॉ

नॉर्थम्पटन। भारत ए के 439 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड लॉयन्स ने दूसरी पारी में तीन विकेट पर 32 रन बनाए जिसके बाद चौथे और अंतिम दिन दूसरा अनौपचारिक टेस्ट नीरस ड्रॉ पर समाप्त हुआ। साथ ही दो मैच की श्रृंखला भी 0-0 से बराबर रही। केंटरबरी में पहला अनौपचारिक टेस्ट भी ड्रॉ रहा था। भारत ए ने तनुष कोटियान (नाबाद 90) और अंशुल कंबोज (नाबाद 51) के अर्धशतक से दूसरी पारी सात विकेट पर 417 रन बनाकर घोषित की और मेजबान टीम को 439 रन का लक्ष्य दिया। कंबोज (छह रन पर दो विकेट) ने इसके बाद गेंदबाजी में भी कमाल करते हुए एमिलियो गे (05) और जोर्डन कॉक्स (00) को पवेलियन भेजकर इंग्लैंड लॉयन्स के शीर्ष क्रम को झकझोरा। तुषार देशपांडे (13 रन पर एक विकेट) ने इससे पहले टॉम हेन्स (07) को नितीश कुमार रेड्डी के हाथों कैच कराके भारत को पहली सफलता दिलाई। जब मैच ड्रॉ घोषित किया गया उस समय सलामी बल्लेबाज बेन मैकिनी 16 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि दूसरे छोर पर कप्तान जेम्स रेव खाता खोले बिना उनका साथ निभा रहे थे। कोटियान ने इससे पहले 108 गेंद की अपनी पारी में 10 चौके मारे। उन्होंने और कंबोज ने दूसरे सत्र में इंग्लैंड लॉयन्स के गेंदबाजों को सफलता से महरूम रखा। दोनों ने आठवें विकेट के लिए 149 रन की अटूट साझेदारी की। कंबोज ने भी मेजबान टीम के थके हुए गेंदबाजों का फायदा उठाते हुए उम्दा पारी खेली। मेजबान टीम को विकेट की तलाश में कामचलाऊ गेंदबाजों को भी आजमाना पड़ा लेकिन सफलता नहीं मिली।

काउंटी चैम्पियनशिप, वनडे कप के लिए यॉर्कशर से जुड़ेंगे रुतुराज

लीड्स। भारतीय बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ काउंटी चैम्पियनशिप डिविजन वन के पांच मैचों और वनडे कप के लिए यॉर्कशर टीम से जुड़ेंगे। यॉर्कशर को सरे के खिलाफ जुलाई में काउंटी मैच खेलना है। गायकवाड़ सत्र के आखिर तक टीम के साथ रहेंगे। क्लब ने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी। गायकवाड़ इस समय इंग्लैंड दौरे पर भारत ए टीम का हिस्सा हैं जिसने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनधिकृत चार दिवसीय टेस्ट खेले। अब भारत ए टीम 13 से 16 जून तक भारतीय सीनियर टीम के खिलाफ बेकेनहम में चार दिवसीय मैच खेलेगी। यॉर्कशर ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'इंडियन प्रीमियर लीग की चेन्नई सुपर किंग्स और रणजी ट्रॉफी की महाराष्ट्र टीम के कप्तान पुणे के रहने वाले रुतुराज गायकवाड़ छह वनडे और 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।' इसमें कहा गया, 'दाहिने हाथ का यह बल्लेबाज शीर्ष चार में कहीं भी उतर सकता है और भारत के लिये पारी का आगाज भी कर चुका है।' गायकवाड़ ने कहा, 'मैं हमेशा से यहां काउंटी क्रिकेट खेलना चाहता था और यॉर्कशर से बड़ा इंग्लैंड का कोई क्लब नहीं होगा।'

WTC Final के लिए

ऑस्ट्रेलिया ने किया प्लेइंग XI का ऐलान

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-2025 का फाइनल आज से ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों में खिताबी जंग लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स स्टेडियम में होगी। ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है। आमतौर पर तीन नंबर पर उतरने वाले अनुभवी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का प्रमोशन हुआ है। वह फाइनल में उस्मान ख्वाजा के साथ ऑस्ट्रेलिया की पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे। वहीं ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन पीठ की सर्जरी के बाद अपना पहला टेस्ट खेलेंगे। युवा बैटर सैम कोंस्टास को जगह नहीं मिली। ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉट बोलैंड पर तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को तरजीह दी है। वह पेस अटैक में मिचेल स्टार्क और कप्तान पैट कमिंस के साथ देंगे। कमिंस ने मीडिया से बातचीत के दौरान वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए प्लेइंग इलेवन का खुलासा किया। कमिंस ने बताया कि चयनकर्ताओं ने ओपनर के रूप में में लाबुशेन को क्यों चुना और कोंस्टास को क्यों बाहर रखा? उन्होंने कहा कि मार्नस को लेकर हमने सोचा कि यह महज एक स्थान ऊपर है। यह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने से बहुत अलग नहीं है। उनके पास अनुभव है।

अगले साल हम फाइनल खेलेंगे और ट्रॉफी भी जीतेंगे

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स का पहला इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) खिताब जीतने का सपना 6 रन से टूट गया क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार 3 जून को फाइनल में जीत दर्ज की। पंजाब के बल्लेबाज शशांक सिंह की आखिरी क्षणों में की गई शानदार पारी की बदौलत टीम RCB के 190 रनों के करीब पहुंच गई, हालांकि टीम जीत नहीं पाई। शशांक ने अब कहा कि अंतिम ओवर में जोश हेजलवुड की फुल टॉस चूकने की बात उन्हें अभी भी परेशान करती है। साथ ही उन्होंने बोल्ड बयान देते हुए कहा कि पंजाब किंग्स अगले साल बेंगलुरू से फाइनल खेलेंगे और हम ट्रॉफी भी जीतेंगे। शशांक ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, 'मैंने आखिरी दो ओवरों का हिसाब लगाया था, भुवी को यॉर्कर पसंद है, इसलिए मैंने उनसे कम से कम 16-17 रन लेने की योजना बनाई थी। मेरा हिसाब था कि आखिरी ओवर में हमारा लक्ष्य 6 गेंदों में 24 रन होना चाहिए। हालांकि भुवी के ओवर में मुझे केवल 13 रन मिले, इसलिए अंतिम ओवर में 30 रन चाहिए थे।'

बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी का T20I करियर खत्म?

नई दिल्ली। पाकिस्तानी क्रिकेट के तीन मौजूदा सुपर स्टार के टी-20 इंटरनेशनल करियर पर ग्रहण सा लगता दिख रहा है। बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी अब पीसीबी के T20I प्लान में ही नहीं हैं। एक पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ये दावा किया गया है। अगर उनकी जगह लेने वाले नए खिलाड़ी खुद को स्थापित करने में कामयाब हुए तो पाकिस्तान के इन तीनों सुपर स्टार का टी-20I करियर खत्म भी हो सकता है। जंग अखबार ग्रुप के स्पोर्ट्स टीवी चैनल 'जियो सुपर टीवी' ने अपनी ऑनलाइन पब्लिश रिपोर्ट में बताया है कि आगामी श्रृंखलाओं के लिए इन तीनों खिलाड़ियों के नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने हालिया टी-20 स्क्वॉड के लिए जिन नामों पर चर्चा की उनमें मोहम्मद रिजवान, बाबर आजम और शाहीन अफरीदी के नाम नदारद थे। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान तो पहले ही टी-20 इंटरनेशनल के लिए नजरअंदाज किए जा चुके हैं। दोनों ने अपना आखिरी T20I पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में खेला था।

WTC फाइनल में नहीं पहुंचने के बाद भी भारत पर होगी ICC से पैसों की बरसात

मिलेगी पिछले चैंपियन जितनी रकम

नई दिल्ली। भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2025 के फाइनल में भले ही नहीं पहुंच पाई, लेकिन उस पर आईसीसी की तरफ से पैसों की बरसात होगी। उसे तकरीबन उतने पैसे मिलेंगे जितने पैसे 2021 और 2023 के डब्ल्यूटीसी चैंपियन को मिले थे। यह मुमकिन हुआ है इसलिए कि आईसीसी ने डब्ल्यूटीसी की इनाम राशि को बढ़ाकर तकरीबन दोगुना कर दिया है। तीसरे नंबर पर रहकर इस बार फाइनल चूकने वाले भारत को 14.4 लाख डॉलर यानी करीब 12.32 करोड़ रुपये मिलेंगे। पिछले दो फाइनल में भारत हारकर रनर-अप रहा था तब उसे 8-8 लाख डॉलर ही मिले थे। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच 11 जून से 15 जून तक लॉर्ड्स में खेला जाएगा। पिछले दोनों फाइनल में पहुंचा था लेकिन इस बार लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने से चूक गया। वह तीसरे नंबर पर था।

● इस बार फाइनल जीतने वाली टीम को 36 लाख डॉलर की इनाम राशि मिलेगी। यह 2021 की चैंपियन न्यूजीलैंड और 2023 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को तब मिली इनाम राशि के दोगुने से भी अधिक है। इस बार डब्ल्यूटीसी फाइनल हारने वाली टीम को 21.6 लाख डॉलर मिलेंगे। यानी इस बार के रनर अप को पिछले दो चैंपियंस को मिली इनाम राशि से भी ज्यादा मिलेंगे। 2023 में ऑस्ट्रेलिया और 2021 में न्यूजीलैंड को डब्ल्यूटीसी खिताब जीतने पर 16-16 लाख डॉलर ही मिले थे। दोनों ही बार फाइनल में भारतीय टीम हारी थी और उसे 8-8 लाख डॉलर की इनाम राशि मिली थी। इस बार तीसरे नंबर पर रहने वाली भारतीय टीम को 14.4 लाख डॉलर मिलेंगे जो भारतीय मुद्रा में करीब 12.32 करोड़ रुपये है।

किस टीम को मिलेगी कितनी रकम?

विजेता) दक्षिण अफ्रीका/ऑस्ट्रेलिया को 36 लाख डॉलर
उपविजेता) अफ्रीका/ऑस्ट्रेलिया को 21.6 लाख डॉलर
3rd) भारत को 14.4 लाख डॉलर
4th) न्यूजीलैंड को 12 लाख डॉलर
5th) इंग्लैंड को 9.6 लाख डॉलर
6th) श्रीलंका को 8.4 लाख डॉलर
7th) बांग्लादेश को 7.2 लाख डॉलर
8th) वेस्ट इंडीज को 6 लाख डॉलर
9th) पाकिस्तान को 4.8 लाख डॉलर

जेम्स एंडरसन ने WTC Final से पहले तेज गेंदबाजों को दी खास सलाह

लंदन। इंग्लैंड के महान गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने लंदन के प्रतिष्ठित मैदान पर 29 टेस्ट मैचों में कुल 123 विकेट लिए हैं और इंग्लैंड के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने बुधवार को शुरू होने वाले WTC के फाइनल टेस्ट से पहले दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों को सलाह दी है। दक्षिण अफ्रीका के पास कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी और मार्को जेनसन जैसे तेज गेंदबाज हैं और ऑस्ट्रेलिया के पास कप्तान पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले जोश हेजलवुड जैसे तीन बड़े खिलाड़ी होने की संभावना है, ऐसे में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों के बीच मुकाबला एकमात्र टेस्ट के नतीजे को तय करने में अहम साबित हो सकता है। लॉर्ड्स में एक कार्यक्रम के दौरान एंडरसन ने कहा, 'यहां निश्चित रूप से आपको गेंद को ऊपर की ओर पिच करने की जरूरत है। बहुत से लोग ऑफ स्टंप के ऊपरी हिस्से की लैंथ को आदर्श मानते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यहां यह स्टंप से तीन-चौथाई ऊपर है।' एंडरसन ने कहा, 'इस तरह से आप थोड़ी फुल लैंथ में होंगे, इसलिए सीमर्स के लिए मेरी यही सलाह है।' ICC की रिपोर्ट में कहा गया है कि ICC पुरुष टेस्ट गेंदबाज रैंकिंग में शीर्ष चार खिलाड़ियों में से तीन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान एक्शन में होंगे, जिसमें रबाडा (दूसरे), कमिंस (तीसरे) और हेजलवुड (चौथे) वर्तमान में टेस्ट गेंदबाजों की सूची में भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के सबसे करीबी चुनौती हैं।

ऐश्वर्या और आमिर ने शाहरुख-काजोल के गाने पर किया था जबरदस्त डांस

एक्ट्रेस के मूव्स से हट नहीं रही किसी की नजर

ऐश्वर्या राय और आमिर खान का एक बहुत पुराना वीडियो एक बार फिर से इंटरनेट पर चर्चा में है। इस वीडियो में ऐश्वर्या राय और आमिर खान शाहरुख और काजोल की फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के क्लासिक गाने 'तुझे देखा तो ये जाना सनम' पर डांस करते हुए दिख रहे हैं। आमिर खान और ऐश्वर्या का ये थ्रोबैक वीडियो इंटरनेट पर खूब धूम मचाता नजर आ रहा है।

इस क्लिप में ऐश्वर्या गुलाबी लहंगे में नजर आ रही हैं और आमिर खान डेनिम जैकेट और जींस में कैजुअल लुक में हैं। हालांकि, इवेंट को लेकर वीडियो में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन इस खास जोड़ी और इनके डांस ने फैन्स का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस वीडियो पर लोगों के खूब रिएक्शंस हैं। एक ने कहा- खूबसूरत जोड़ी है ये, दोनों ने फिल्म में साथ काम क्यों नहीं किया? वहीं एक और ने कहा- आमिर खान ऑकवर्ड दिख रहे हैं। एक ने कहा- दोनों सॉफ्ट ड्रिंक के ऐड में दिखे थे और इनकी जोड़ी कमाल की थी। वहीं कुछ ने इस वीडियो में ऐश्वर्या के डांस की तारीफ की है और कहा है कि आमिर खान उनसे ताल मिलाने में पीछे रह गए। बता दें कि ऐश्वर्या राय और आमिर खान ने कभी किसी फिल्म में स्क्रीन स्पेस शेयर नहीं किया। ऐश्वर्या ने शाहरुख खान और सलमान खान के साथ रोमांटिक हिट फिल्में दी हैं , लेकिन आमिर उनके लीड हीरोज़ की लिस्ट से गायब हैं। अपकमिंग फिल्म की बात करें तो आमिर 'सितारे ज़मीन पर' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह दिव्यांग बच्चों के लिए एक बास्केटबॉल कोच की भूमिका निभा रहे हैं।

हाउसफुल 5 में अमिताभ निभाने वाले थे नाना पाटेकर का रोल

बॉलीवुड की सबसे बड़ी मल्टीस्टारर फिल्मों में से एक हाउसफुल 5 शुक्रवार को रिलीज होने के बाद धमाका कर रही है। फिल्म को ऑडियंस से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है। लेकिन इसके बावजूद फिल्म अच्छी कमाई कर रही है। इस फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसकी कास्ट है। फिल्म में 19 एक्टर्स हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं अनिल कपूर और अमिताभ बच्चन भी इस फिल्म का हिस्सा बनने वाले थे। एक्टर्स ने इसलिए ठुकरा दिया फिल्म का ऑफर। फिल्म में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नर्गिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डीनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप सबीर जैसे एक्टर्स शामिल हैं।

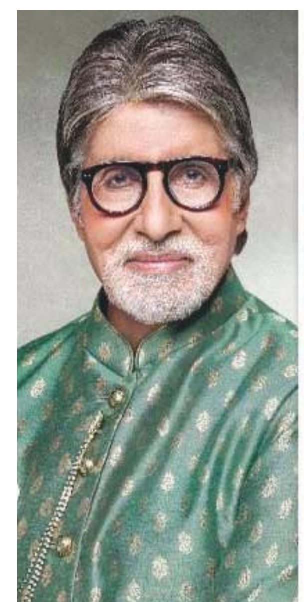

बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक ये फिल्म अनिल कपूर और अमिताभ बच्चन को ऑफर की गई थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि हाउसफुल 5 में पहले अनिल कपूर और नाना पाटेकर पुलिस ऑफिसर की जोड़ी में दिखाया जाना था। कुछ वैसा ही जैसा वेलकम में उदय-मजनू का कॉमिक डुएट था। लेकिन अनिल कपूर ने यह रोल ठुकरा दिया। इसके बाद डायरेक्टर और प्रोड्यूसर ने यह रोल संजय दत्त और जैकी श्रॉफ को दिया। वहीं, अमिताभ बच्चन को फिल्म में सीनियर पुलिस ऑफिसर का रोल ऑफर किया गया था, जिसे उन्होंने उम्र की वजह से मना कर दिया। यही किरदार अब नाना पाटेकर निभा रहे हैं। हाउसफुल फ्रेंचाइजी की यह पांचवीं फिल्म है जिसे तरुण मनसुखानी ने डायरेक्ट किया है।

इम्तियाज अली के खिलाफ जारी हुआ था गैर-जमानती वारंट

'जब वी मेट' के इस सीन पर मचा था बवाल

साल 2007 की सुपरहिट रोमांटिक फिल्म 'जब वी मेट' याद है? शाहिद कपूर और करीना कपूर खान की जोड़ी, ट्रेन वाला पहला सीन, और रतलाम वाला मजेदार ट्रैक–फैंस को इस फिल्म की हर चीज बहुत पसंद है। लेकिन हाल ही में इस फिल्म के निर्देशक इम्तियाज अली ने एक ऐसा खुलासा किया जिसने फैंस को चौंका दिया है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म के एक सीन ने उन्हें जेल तक पहुंचा देने की नौबत ला दी थी।

इम्तियाज अली ने द हॉलीवुड रिपोर्टर और फिल्म क्रिटिक अनुपमा चोपड़ा को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म में एक सीन आता है जहां करीना और शाहिद गलती से रतलाम पहुंच जाते हैं और एक होटल में जाकर रुकती हैं। दर्शकों के लिए यह एक कॉमिक सीन था, लेकिन रतलाम के कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आया था। उनका आरोप था कि इस सीन ने शहर की छवि को धूमिल किया है और रतलाम को रेड लाइट एरिया की तरह पेश किया गया है, जबकि रतलाम चिवड़ा, फाफड़ा और मिक्सचर जैसे स्वादिष्ट नाश्ते के लिए जाना जाता है। इम्तियाज ने कहा, "पहले तो समन आया, फिर गैर-जमानती वारंट जारी हो गया। आरोप था कि मैंने रतलाम की गलियों को गलत तरीके से दिखाकर शहर को बदनाम किया है।" इस कानूनी बखेड़े के दौरान इम्तियाज कोलकाता में थे और 'लव आज कल' की शूटिंग कर रहे थे। निर्माता दिनेश विजन दौड़ते हुए आए और बोले, "अगर उन्हें पता चल गया कि आप यहीं हैं, तो पुलिस आकर आपको पकड़ सकती है।" इम्तियाज ने हंसते हुए कहा, "अखबारों में छपा था कि हम यहां शूट कर रहे हैं, तो कैसे छिपें?"

जैस्मिन भसीन और अली गोनी ने कर लिया था ब्रेकअप

बोलीं- धर्म को लेकर अब दोनों के बीच...

जैस्मिन भसीन और अली एक-दूसरे के साथ जिंदगी बिताने का फैसला ले चुके हैं। एक इंटरव्यू के दौरान जैस्मिन ने बताया कि बिग बॉस में जाने से पहले दोनों ने अलग होने का फैसला ले लिया था। दोनों को प्यार था पर खुद से झूठ बोल रहे थे। फिर अली को लगा कि एक बार साथ होने की कोशिश होनी चाहिए। जैस्मिन ने यह भी बताया कि धर्म से जुड़ी बातों पर दोनों ने आपसी समझ बना ली है जो लोग इस पर नेगेटिव बोलते हैं उन्हें शरम आनी चाहिए। जैस्मिन ने इंडियन एक्सप्रेस स्क्रीन से बातचीत में बताया, 'अली और मैं दोस्तों की तरह मिले थे। फिर बिग बॉस हुआ। मैं शो पर जा रही थी, इसके पहले हमने डिसकस किया कि साथ रहना तो हमारे लिए ऑप्शन नहीं है। फिर वह शो पर आया और बोला कि चलो एक ट्राई करके देखते हैं। हमें प्यार तो हमेशा था पर मानने को तैयार नहीं थे और उस वक्त इस चीज के लिए राजी नहीं थे।'

जैस्मिन आगे बताती हैं, 'हम बहुत अच्छे दोस्त थे,एक-दूसरे के साथ रहना बहुत अच्छा लगता है, फिर हमको लगा कि थोड़ी दूरी जरूरी है ताकि हम मूव ऑन कर सकें। हमें अगर यह क्लैरिटी थी कि हम दोनों पार्टनर्स की तरह साथ नहीं रह सकते और साथ में फ्यूचर नहीं है तो एक-दूसरे को हर्ट करने का, रिलेशनशिप में आकर इसे टॉक्सिक बनाने का क्या मतलब था? बेस्ट फ्रेंड्स बने रहना बेहतर था। आखिरकार इमोशंस ऐसे होते हैं कि कोई आपके आसपास हो तो मूवऑन करना मुश्किल होता है। ब्रेक में अली को लगा कि एक मौका देना चाहिए जबकि मैं हमेशा से राजी थी।' जैस्मिन और अली का धर्म अलग है। इस बात पर लोग उनके रिश्ते को भी जज करते हैं। इस पर जैस्मिन बोलीं, 'रिश्ता हम दोनों के बीच है, हमारे बीच अंडरस्टैंडिंग है, हम इस पर बात कर चुके हैं। हम एक कॉमन नतीजे पर भी पहुंच चुके हैं, हमने एक-दूसरे को वैसे ही स्वीकार कर लिया है जैसे हम हैं तो किसी की राय मैटर नहीं करती। फिर भी लोग अगर नेगेटिव ओपिनियन देते हैं जिससे हमारा रिश्ता प्रभावित हो जाए तो शरम आनी चाहिए। ऐसे लोग अपनी मूर्खतापूर्ण राय अपने पास रख सकते हैं। '

राजा रघुवंशी केस पर बोलीं चुम दरांग

ऐसा नहीं है कि नॉर्थ ईस्ट में क्राइम नहीं होते, लेकिन...

मध्य प्रदेश के राजा रघुवंशी हत्याकांड ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। धीरे-धीरे इस केस की परतें खुल रही हैं। अब नॉर्थ ईस्ट की रहने वाली चुम दरांग ने इस घटना पर एक पोस्ट किया है। चुम ने लिखा है कि वह सबको पहले पत्नी की चिंता हो रही थी पर जो सामने आ रहा है वो दिल तोड़ने वाला है। साथ ही चुम ने उन लोगों पर भी गुस्सा निकाला है जो इस घटना में नॉर्थ ईस्ट के लोगों के शामिल होने की बात कर रहे थे। चुम ने पोस्ट किया है, 'इस राजा रघुवंशी केस ने मुझे इस कदर हिलाकर रख दिया है कि शब्द नहीं हैं। मुझे यकीन है कि राजा के मिलने के बाद हर कोई पत्नी के लिए परेशान था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि वह इन सबके पीछे होगी। मेरा दिल टूट गया है। मैं यह भी देख रही हूं कि बहुत से लोग लोकल लोगों, राज्य, क्षेत्र पर आरोप लगा रहे हैं, किस वजह से? मैं यह नहीं कह रही कि नॉर्थ ईस्ट राज्यों में क्राइम होता नहीं है लेकिन सीधा लोगों पे उंगली उठाना अच्छी बात नहीं है।' मेरी सांत्वना है। बता दें कि चुम दरांग अरुणाचल प्रदेश से हैं। राजा मध्य प्रदेश के राजा रघुवंशी अपनी पत्नी सोनम के साथ हनीमून पर शिलॉन्ग गए थे। वहां से दोनों के लापता होने पर तलाश की गई। कुछ दिनों बाद राजा की लाश मिली और पुलिस ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद बताया कि उनकी हत्या की गई है। पत्नी सोनम रघुवंशी की तलाश जारी थी। इस बीच कयास लगने लगे कि लोकल लोगों ने उनकी हत्या की है। साथ ही नॉर्थ ईस्ट में टूरिस्ट के साथ लूटपाट करने वाले गिरोह के चर्चे होने लगे। इस बीच राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी ने सरंडर कर दिया तो कहानी में ट्विस्ट आ गया। पुलिस का दावा है कि सोनम ने ही कॉन्ट्रैक्ट किलर और अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करवाई है।

दीपिका पादुकोण के 8 घंटे काम करने की डिमांड को लेकर काफी चर्चा हो रही है। संदीप रेड्डी वांगा ने जहां उनके इस फैसले को लेकर उन पर निशाना साधा वहीं कई स्टार्स ने दीपिका के इस स्टेटमेंट को सपोर्ट किया है। अब नेहा धूपिया ने एक पोस्ट किया है और ओपनली दीपिका को सपोर्ट कर अपनी बात रखी है। नेहा का कहना है कि कई बार उन्हें साइडलाइल किया जाता है। नेहा ने लिखा, 'वर्क लाइफ बैलेंस को बातचीत से आगे ले जाने के लिए, नई मां को प्रैक्टिकल सपोर्ट और सोच की जरूरत है। इसके बजाय, हम अक्सर शर्मिंदा हो जाते हैं या दरकिनार कर दिए जाते हैं। एक वर्किंग मां के नाते मैं दीपिका पादुकोण के इतने घंटे काम करने वाले फैसले का सपोर्ट करती हूं'। बता दें कि दीपिका पहले संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट में नजर आने वाली थीं। लेकिन इसके बाद खबर आई कि दीपिका को फिल्म से बाहर कर दिया है उनकी डिमांड्स को लेकर। ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि दीपिका ने प्रॉफिट में अपने हिस्से और 8 घंटे की वर्किंग शिफ्ट की डिमांड रखी थी जो संदीप को पसंद नहीं आई और इसलिए दीपिका को फिल्म से निकाल दिया। संदीप ने सोशल मीडिया पर बिना दीपिका का नाम लिए पोस्ट किया था, 'जब मैं एक एक्टर को स्टोरी बताता हूं। मैं उस पर 100 प्रतिशत विश्वास दिखाता हूं। एक नॉन डिस्क्लोजर अग्रीमेंट होता है हमारे बीच। लेकिन यह सब करके आपने दिखा दिया कि आप कैसे हो। क्या यही है आपका फैमिनिज्म? एक फिल्ममेकर होने के नाते मेरे क्राफ्ट में आपको सालों का हार्ड वर्क दिखेगा। आपको यह पता नहीं चला और ना ही पता चलेगा।

दीपिका पादुकोण के 8 घंटे शिफ्ट की मांग पर नेहा धूपिया बोलीं

हमें अक्सर शर्मिंदा होना पड़ता है

सलमान खान और शाहरुख खान के फैंस के लिए बुरी खबर

यश राज ने टाइगर वर्सेस पठान को होल्ड पर डाला

शाहरुख खान और सलमान खान के फैंस इनकी अपकमिंग फिल्म टाइगर वर्सेस पठान को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। फैंस चाहते हैं कि जल्द से जल्द इनकी फिल्म रिलीज हो जाए क्योंकि दोनों को साथ में देखना फैंस को बहुत पसंद है, लेकिन लगता है फैंस को अभी और इंतजार करना पड़ेगा और यह जो खबर आ रही है उसे पढ़कर इनके फैंस निराश भी हो जाएंगे।

एक रिपोर्ट्स के मुताबिक आदित्य को लगता है कि स्पाई यूनिवर्स फिल्में काफी रिपीट हो रही हैं और कुछ अलग होना चाहिए। यही वजह है कि वह फ्यूचर प्लान में कुछ बदलाव लाना चाहते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इसे रोकने के पीछे का मेन मोटिव फॉर्मूला थकान से बचना है। यश राज फिल्म्स नई स्टोरी टेलिंग स्टाइल यूज करना चाहता है। खैर अभी इस बारे में फिल्म की टीम की तरफ से कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है। बता दें कि इससे पहले सलमान ने एक इंटरव्यू में कहा था कि फिलहाल शाहरुख खान के साथ फिल्म नहीं कर रहे हैं। वैसे खबर यह भी है कि फिलहाल आदित्य चोपड़ा और यश राज फिल्म्स धूम 4 पर फोकस कर रहे हैं। आदित्य चोपड़ा धूम 4 के स्क्रीनप्ले और स्टोरी पर खुद क्लोजली फोकस कर रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर लीड रोल में होने वाले हैं। इस फिल्म का डिजाइन ग्लोबल एक्शन स्टैंडर्स को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है।

चलो जीत की चाल में मुख्य भूमिका में कृष्णा अभिषेक

हाइक के अग्रणी कौशल-आधारित कैज़ुअल गेमिंग प्लेटफ़ॉर्म रश ने अपना पहला ब्रांड अभियान #चलोजीतकीचाल लॉन्च किया है, जिसमें अभिनेता-कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक मुख्य भूमिका में हैं। हास्य, जोश और क्लासिक रोज़मर्रा के जुगाड़ से भरपूर यह अभियान भारत के तेज़ दिमाग वाले, तेज़-तर्रार खिलाड़ियों का जश्न मनाता है, जो जीवन की मुश्किलों को गेम जीतने वाले पलों में बदल देते हैं। रश के अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी संचार अभियान को चिह्नित करते हुए, पाँच सप्ताह का अभियान 10 जून से टीवी, रेडियो और डिजिटल पर लाइव होगा, जिसका लक्ष्य भारत के तेज़ी से बढ़ते हिंदी भाषी बाज़ारों में 20 मिलियन से ज़्यादा उपयोगकर्ताओं तक पहुँचना है। इसके मूल में, #चलो जीत की चाल रोज़मर्रा के चैंपियन का जश्न मनाता है, जो जीवन की चुनौतियों को कौशल, जोश और दिल से पार करते हैं, रोज़मर्रा की चुनौतियों को जीत के क्षणों में बदल देते हैं। रश के प्रमुख खेल, लूडो के नायक के रूप में, कृष्णा अभिषेक अपने खास हाई-एनर्जी चार्म और स्ट्रीट-स्मार्ट कॉमेडी को सबसे आगे लाते हैं, यह साबित करते हुए कि जीवन और गेमिंग दोनों में, साहसिक कदम और स्मार्ट सोच परम शक्ति संयोजन हैं। हाइक के सीएफओ मनीष कुमार ने कहा, ₹#चलो जीत की चाल भारत के सबसे तेजतर्रार गेमर्स पर स्पॉटलाइट डालने का हमारा तरीका है – जो लोग स्मार्ट खेलते हैं, कड़ी मेहनत करते हैं और जानते हैं कि रणनीति और कौशल हमेशा मौके पर जीतते हैं।

गोविन्दा की पत्नी सुनीता ने खुद को बताया 'डर' का शाहरुख खान

गोविंदा और उनकी वाइफ सुनीता आहूजा की शादी को करीब 38 साल से अधिक हो चुके हैं। पिछले लंबे समय से सुनीता अपने बेबाक इंटरव्यू को लेकर चर्चा में रह रही हैं। उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ और गोविन्दा से रिश्ते पर खुलकर खूब बातें की हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में सुनीता से पूछा गया कि वो क्या चीज है जिसने उनके रिश्ते को आज तक मजबूत बनाया हुआ है। सुनीता ने इसे लेकर तीन चीज़ें बताईं जो एक प्यार भरे रिश्ते को बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। सुनीता ने गोविंदा के लिए अपने प्यार की तुलना फिल्म 'डर' के शाहरुख खान के किरदार से की। 'डर' फिल्म में शाहरुख ने एक स्टॉकर का किरदार निभाया था जो जूही चावला से एकतरफा प्यार करता है और उसके प्यार में बिल्कुल पागल है। इतना ही नहीं वह अपनी प्रेमिका को लेकर इस कदर दीवाना है कि वह उसके (जूही चावला) पति (सनी देओल) की हत्या कर देता है।